प्रबोध पाठ्यक्रम

सत्यमेव जयते

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय

भारत सरकार

निदेशन
मदन लाल गुप्ता
पूर्व संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार

संरक्षक
डॉ० जयप्रकाश कर्दम,
निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

परामर्श
बृजमोहन सिंह नेगी, पूर्व निदेशक(नीति), राजभाषा विभाग
वी०के० श्रीवास्तव, पूर्व निदेशक(तकनीकी), राजभाषा विभाग

संपादक मंडल
प्रो० वी० रा० जगन्नाथन, पूर्व प्रोफेसर, इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय
एम० एल० शर्मा, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
शमशेर अहमद खान, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
तनूजा सचदेव, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
स्नेह लता, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

ऑनलाइन संस्करण
श्री योगेन्द्र कुमार, अनुसंधान सहायक (भाषा)
श्री अजित सिंह खोला, अनुसंधान सहायक (भाषा)

प्रस्तुति
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
सातवां तल, पर्यावरण भवन, सी०जी०ओ० कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003
दूरभाष: 011-24361852, 24366794, 24368158, फैक्स: 011-24366794, 24365089
ई-मेल: dirchti-dol@nic.in
वेबसाइट- www.chti.rajbhasha.gov.in

संस्करण
प्रथम संस्करण-2005
द्वितीय संस्करण-2007
तृतीय संस्करण-2010
चतुर्थ संस्करण-2011

प्रस्तावना

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है कि सभी अधिकारी/कर्मचारी हिंदी भाषा का अपेक्षित स्तर का ज्ञान प्राप्त कर लें। इसी उद्देश्य से राजभाषा विभाग अन्य प्रयासों के साथ-साथ हिंदी के शिक्षण-प्रशिक्षण के कार्य को गंभीरता से कर रहा है। राजभाषा हिंदी को सूचना और प्रौद्योगिकी के माध्यम से और बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग ने सी-डेक, पुणे के सहयोग से लीला हिंदी प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ नामक हिंदी भाषा शिक्षण पैकेज सीडी के रूप में उपलब्ध करा दिए हैं और अब ये पैकेज इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं। केंद्र सरकार के हिंदी भाषा सीखने के इच्छुक सभी अधिकारी/कर्मचारी इस सुविधा का नि:शुल्क लाभ उठा रहे हैं।

भाषा शिक्षण में पाठ्य-पुस्तकों का बहुत महत्व है इसिलए जहाँ एक ओर हम सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़कर अत्याधुनिक तरीकों से हिंदी शिक्षण के कार्य को प्रारंभ कर चुके हैं, वहीं यह भी आवश्यक है कि हम पाठ्य-पुस्तकों का स्तर ऊँचा करते रहें। केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान ने भी भाषाविदों, राजभाषा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और अपने अधिकारियों/ कर्मचारियों के सहयोग से इस दिशा में कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। इस कड़ी की प्रथम प्रस्तुति नई प्रबोध पाठमाला का यह संस्करण है। इसी प्रकार प्रवीण तथा प्राज्ञ पाठमाला को भी शीध्र संशोधित कर दिया जाएगा।

मैं इस कार्य से जुड़े हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने हिंदी भाषा के विविध आयामों के साथ-साथ वर्तमान वैश्वीकरण को ध्यान में रखते हुए प्रबोध पाठ्यक्रम की इस पाठमाला को उपयोगी और सम-सामयिक बनाने में विशेष योगदान दिया है।

मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक हिंदी सीखने और सिखाने वालों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

नई दिल्ली
जुलाई, 2006

मदन लाल गुप्ता
संयुक्त सचिव, भारत सरकार

आमुख

भाषा हमारे विचारों की अभिव्यक्ति और संप्रेषण का माध्यम है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343(1) में देवनागरी लिपि में लिखित 'हिंदी' को संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

हिंदी शिक्षण योजना द्वारा सन 1955 से हिंदीतर भाषा-भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान एवं दक्षता प्रदान करने का कार्य सफलतापूर्वक किया जा रहा है ताकि संघ का अधिकाधिक सरकारी काम राजभाषा हिंदी में करने में आसानी से हो सके। प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ नामक तीन पाठ्यक्रमों के माध्यम से हिंदी भाषा के शिक्षण-प्रशिक्षण का काम देश के कोने-कोने में नियमित, अंशकालिक और पत्राचार पाठ्यक्रम आदि कार्यक्रमों द्वारा संचालित किया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों में भाषा शिक्षण के चारों सोपानों- बोधन, भाषण, वाचन और लेखन को महत्ता दी गई है।

संसदीय राजभाषा समिति की सिफारिशों के आधार पर समसामयिक और आधुनिक विषयों को ध्यान में रख कर, तीनों पाठ्यक्रमों का पुनर्लेखन किया गया है। नवनिर्मित प्रबोध पाठ्यक्रम जनवरी, 2006 से लागू किया गया है। इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षार्थी भाषा का प्रारंभिक ज्ञान एवं व्यवहार सरल और सुबोध भाषा में सीखते हैं।

प्रथम पाठ्यक्रम 'प्रबोध' को प्राथमिक स्तर के समकक्ष माना गया है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों को भाषा ज्ञान के साथ-साथ भाषा व्यवहार की ओर उन्मुख करना है। इसका पहला सोपान देवनागरी लिपि तथा मानक वर्तनी का अभ्यास कराना है, तदुपरांत प्रशिक्षार्थियों को सामान्य बातचीत द्वारा अपने आस-पास के परिवेश से संबंधित बोलचाल की हिंदी सिखाना है। इस पाठ्यक्रम में विभिन्न मंत्रालयों/कार्यालयों की जानकारी, देश की सांस्कृतिक गतिविधियों में तीज-त्योहार, शादी-विवाह, पर्यटन के साथ-साथ ज्ञान-विज्ञान की उपलब्धियों एवं समसामयिक विषयों को शामिल किया गया है। प्रशिक्षार्थियों को वाक्य संरचनाओं का ज्ञान, नई एवं स्वभाविक अभिव्यक्तियों के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से देने का प्रयास किया गया है। अभिव्यक्तियों में दक्ष होने के उपरांत भाषा संबंधी व्यापक जानकारी प्रदान करने हेतु पूरक पाठ रखे गए हैं। परिशिष्ट के अंतर्गत प्रयुक्त नेमी टिप्पणियाँ प्रशिक्षार्थियों को सामान्य कार्यालयीन ज्ञान की ओर से ले जाने का एक लघु प्रयास है।

हिंदी प्रशिक्षण के आधुनिकीकरण के परिप्रेक्ष्य में केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा राजभाषा विभाग के सहयोग से हिंदी भाषा प्रशिक्षण को भी कंप्यूटरीकृत किया गया है तथा नवनिर्मित भाषा पाठ्यक्रमों के आधार पर सी-डेक, पुणे के सहयोग से हिंदी शिक्षण के लिए लीला प्रबोध, लीला प्रवीण तथा लीला प्राज्ञ सॉफ्टवेयरों का विकास करवाया गया है। आज इन सॉफ्टवेयरों द्वारा अंग्रेजी तथा 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से इंटरनेट पर नि:शुल्क हिंदी सीखी जा सकती है, साथ ही प्रबोध स्तर की हिंदी सीखने की सुविधा मोबाइल फ़ोन पर भी चिप के माध्यम से उपलब्ध है। सूचना प्रौद्योगिकी का भरपूर प्रयोग करते हुए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान एवं

राजभाषा विभाग ने सी-डेक, पुणे के सहयोग से भाषा के तीनों पाठ्यक्रमों - प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ के लिए ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली का भी विकास कर लिया है तथा वर्ष 2009-2010 से सी-डेक, पुणे के सहयोग से देश के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों पर तीनों पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। उम्मीद की जाती है कि राजभाषा विभाग एवं केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के इन प्रयासों से हिंदी सीखने वालों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी और राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बल मिलेगा।

'प्रबोध' पाठ्यक्रम का नवीन संस्करण आपके हाथों में है। इसको और बेहतर एवं उपयोगी बनाने क लिए आपके अभिमत और सुझावों का स्वागत है।

नई दिल्ली **(डॉ० जयप्रकाश कर्दम)**
मार्च, 2013 **निदेशक**

भूमिका

प्रबोध का नया पाठ्यक्रम आपके समक्ष प्रस्तुत है। प्रबोध पाठ्यक्रम के इस नवीन संस्करण को चार भागों में बाँटा गया है- वर्णमाला ज्ञान एवं अभ्यास, शिक्षण बिंदु पर आधारित पाठ, पूरक पाठ और परिशिष्ट।

प्रबोध की पाठ्यक्रम सामग्री के प्रथम भाग में देवनागरी लिपि तथा लेखन अभ्यास से परिचय कराया गया है। हिंदी भाषा का ज्ञान अर्जित करने की दिशा में कदम बढ़ाने से पूर्व आपके लिए यह उचित रहेगा कि आप पठन व लेखन का अभ्यास करें। जब आप देवनागरी लिपि से पूर्णत: परिचित हो जाते हैं तो आपके प्राध्यापक तुरंत पाठों का अभ्यास आरंभ करवा सकते हैं। आप पाठों के साथ-साथ लेखन अभ्यास जारी रख सकते हैं। लिपि ज्ञान अर्जित करने के साथ-साथ आपको उच्चारण का भी ध्यान रखना होगा। आपको शब्दों तथा वाक्यों के सटीक उच्चारण का ज्ञान पाठों में समाहित मौखिक अभ्यास द्वारा होगा। भाग-2 (पाठ सं० 26 से 48) इस संस्करण का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। पाठों का क्रम इस प्रकार निश्चित किया गया है कि प्रशिक्षार्थी व्याकरणिक दृष्टि से उतरोत्तर भाषा का समुचित ज्ञान अर्जित करता चले। प्रत्येक पाठ एक नई संरचनात्मक पद्धति से आपका परिचय कराता है। तथापि सभी पाठों में भाषा की नैसर्गिकता को अक्षुण्ण बनाए रखा गया है। परिणामत: सभी पाठों में आपको अतिरिक्त वाक्य संरचनाएँ तथा स्वाभाविक अभिव्यक्तियाँ दृष्टिगोचर होंगी। पाठों की सामग्री इस तरह से रखी गई है कि आपको वास्तविक ज्ञान प्राप्त हो सके और इसके लिए प्रत्येक पाठ के मौखिक अभ्यास दिए गए हैं।

आपके प्राध्यापक पाठों में दिए गए विस्तृत अभ्यासों तथा स्वाभाविक पठन प्रक्रिया द्वारा आपको पाठों की जानकारी देंगे। आप पाठों को बेहतर ढंग से समझ सकें इसके लिए प्राध्यापक शब्दों अथवा वाक्यांशों की सांस्कृतिक व व्याकरणिक पृष्ठभूमि से परिचय कराएंगे। प्रत्येक पाठ में आए कठिन शब्दों से भी आपका परिचय कराया जाएगा। पाठ समाप्ति के उपरांत पाठों में आई शब्द संरचना, पर्यायवाची, विलोमार्थक शब्दों, मुहावरों इत्यादि से वाक्य बनवाए जाएँगे। प्राध्यापक बाद में दो या तीन बार पाठ का पठन करेंगे ताकि प्रशिक्षार्थियों में भाषा संबंधी धाराप्रवाहिता का विकास हो सके।

प्राध्यापक मौखिक अभ्यास इस तरह से करवाएँगे ताकि सभी प्रशिक्षार्थियों की उसमें सहभागिता बनी रहे। रूपांतरण अभ्यास में रेखांकित शब्दों या वाक्यांशों के बजाय प्राध्यापक, यथावश्यक इसी प्रकार के अन्य बहुत से शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं जिसमें वाक्यों की संरचना बदली जा सके। पुस्तक में दिए गए शब्द मात्र संकेतात्मक हैं। प्राध्यापक आवश्यकतानुसार शब्दों में फेरबदल कर सकते हैं। मौखिक अभ्यास भाग नीरस कार्यकलाप न बनकर एक अर्थपूर्ण संप्रेषण होना चाहिए। प्राध्यापक दो-दो प्रशिक्षार्थियों के समूह बनाएँगे और उन्हें पाठों में दिए गए सुझावानुसार वार्तालाप का अभ्यास कराएँगे। वार्तालाप का उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों को धाराप्रवाह रूप से हिंदी में बोलना सिखाना है तथा अभिव्यक्ति को सहज बनाना है। प्राध्यापक प्रशिक्षार्थियों को मार्गदर्शन भी देंगे ताकि वे स्वयं मौखिक अभ्यास करें और वे कक्षा के बाद भी इसका अभ्यास जारी रख सकें।

पाठ समाप्ति के उपरांत प्रशिक्षार्थी अभ्यास पुस्तिका में दी गई प्रश्नावली के अनुरूप अभ्यास कर सकते हैं। प्रश्नावलियाँ शिक्षण का साधन हैं परीक्षण का माध्यम नहीं। अत: कक्षा में प्रश्नावलियों पर चर्चा की जा सकती है तथा प्राध्यापक बाद में इन्हें लिखवाएँगे। अभ्यास पुस्तिका में 'योग्यता विस्तार' शीर्षक के तहत स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लिए अभ्यास दिए गए हैं इनका कक्षा में मौखिक रूप से अभ्यास किया जा सकता है। तत्पश्चात् प्रशिक्षार्थियों को स्वयं वाक्य बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यहाँ भी मुख्य बल भाषा के रचनात्मक प्रयोग पर होना चाहिए। प्रशिक्षार्थियों को भाषा संबंधी व्यापक जानकारी हो सके इसके लिए पुस्तक में तीन पूरक पाठ भी दिए गए हैं, जो केवल भाषा सीखने के अभ्यास के लिए हैं। परिशिष्ट में कुछ उपयोगी वाक्यांश/ वाक्य दिए गए हैं। प्रशिक्षार्थी उनका अभ्यास और प्रयोग कर सकते हैं।

हम सभी प्रशिक्षार्थियों के लिए सुखद अनुभव की कामना करते हैं।

प्रो० वी० रा० जगन्नाथन

विषय सूची

पाठ संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
भाग-1 वर्णमाला ज्ञान एवं अभ्यास		
1 से 25	वर्णमाला एवं अभ्यास	03
भाग-2 शिक्षण पाठ		
26	कक्षा में	34
27	दिनचर्या	38
28	घर पर मुलाकात	42
29	जन्मदिन का निमंत्रण	49
30	खाने की मेज पर	52
31	दुकान में	56
32	यात्रा की तैयारी	60
33	डिस्पेंसरी में	65
34	क्रिकेट मैच	69
35	फ़ोन पर	75
36	पिकनिक	79
37	साक्षात्कार	84
38	विवाह का निमंत्रण	88
39	पर्यटन	93
40	मुंबई की बारिश	98
41	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में	103
42	पाँच प्रश्न	108
43	जयपुर की सैर	111
44	आतिथ्य	116
45	त्योहार	120
46	भारत देश	123
47	जीने की कला	126
48	पर्यावरण	131
भाग-3 पूरक पाठ		
49	बिहू पर्व	135
50	स्वदेशी और स्वभाषा के जनक गांधी जी	137
51	हिंदी का महत्व	139
भाग-4 परिशिष्ट		
52	परिशिष्ट-1	143
53	परिशिष्ट-2	144

भाग - I

वर्णमाला ज्ञान एवं अभ्यास

पाठ - 1

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण हैं, जिनमें से निम्नलिखित 13 वर्ण स्वर हैं और 39 व्यंजन हैं :-

स्वर-	अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ				
अनुस्वार और विसर्ग-	अं	अः			
व्यंजन-	क	ख	ग	घ	ङ.
	च	छ	ज	झ	ञ
	ट	ठ	ड	ढ	ण
	त	थ	द	ध	न
	प	फ	ब	भ	म
	य	र	ल	व	
	श	ष	स	ह	
संयुक्त व्यंजन	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	
अतिरिक्त व्यंजन	ड़	ढ़			
आगत ध्वनियाँ * -	ख़,	ज़,	फ़		

टिप्पणी:-

*अरबी-फारसी/अंग्रेजी से हिन्दी में पाँच ध्वनियाँ आई हैं। क़ ख़ ग़ ज़ फ़। इनमें दो ध्वनियाँ क़ ग़ उच्चारण के स्तर पर हिन्दी में अनुकूलित हो गई हैं, अतः इनका तब तक लेखन हिंदी में अनिवार्य नहीं है जब तक उर्दू के उच्चारण का विशेष रूप से उल्लेख करना आवश्यक न हो। शेष तीनों ध्वनियों में से ख़ हिन्दी में खपने की प्रक्रिया में है। ज़ फ़ अपना अस्तित्व खोने या बनाए रखने के लिए संघर्षरत हैं।

पाठ -2
शब्दकोश वर्णक्रम

शब्दकोशों में वर्णक्रम इस प्रकार होता है :-

स्वर	**अं**	अँ	अः	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
	ए	ऐ	ओ	औ						

व्यंजन	क	क्ष	ख	ग	घ	ड.	
	च	छ	ज	ज्ञ	झ	ञ	
	ट	ठ	ड	ड़	ढ	ढ़	ण
	त	त्र	थ	द	ध	न	
	प	फ	ब	भ	म		
	य	र	ल	व			
	श	ष	स	ह			
संयुक्त व्यंजन	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र			
अतिरिक्त व्यंजन	ड़	ढ़					

आगत ध्वनियाँ * ख़ ज़ फ़

पाठ - 3

व्यंजनों के उच्चारण स्थल

	अघोष Unvoiced और/and अल्पप्राण Unaspirated	अघोष Unvoiced और/and महाप्राण Aspirated	घोष Voiced और/and अल्पप्राण Unaspirated	घोष Voiced और/and महाप्राण Aspirated	अनुनासिक Nasal
कंठ्य Gutturals	क ka	ख kha	ग ga	घ gha	ङ na
तालव्य Palatals	च cha	छ chha	ज ja	झ jha	ञ na
मूर्धन्य Cerebrals	ट ta	ठ tha	ड da	ढ dha	ण na
दंत्य Dentals	त ta	थ tha	द da	ध dha	न na
ओष्ठ्य Labials	प pa	फ pha	ब ba	भ bha	म ma
अंत:स्थ व्यंजन/अर्ध स्वर Semi-vowels	य ya	र ra	ल la	व va/wa	-
उष्म वर्ण Sibilants	श sha	ष sha	स sa	-	-
महाप्राण Aspirated	ह Ha	-	-	-	-
संयुक्त व्यंजन Conjunct Cosnsonant	क्ष ksha	त्र tra	ज्ञ# jna*	श्र shra	

हिंदी में इसका उच्चारण ग्य के रूप में किया जाता है।

* रोमन वर्णमाला में इसे gya भी लिखा जाता है।

पाठ - 4

स्वर लेखन अभ्यास

अ											
आ											
इ											
ई											
उ											
ऊ											
ऋ											
ए											
ऐ											
ओ											
औ											
अं											
अः											

पाठ-5

व्यंजन लेखन अभ्यास

क											
ख											
ग											
घ											
ङ											

च											
छ											
ज											
झ											
ञ											

ट											
ठ											
ड											
ढ											
ण											

त											
थ											
द											
ध											
न											

प											
फ											
ब											
भ											
म											

य											
र											
ल											
व											
श											
ष											
स											
ह											

क्ष											
त्र											
ज्ञ											
श्र											

ड़											
ढ़											

पाठ - 6

शब्द रचना - 1

दो अक्षरों को मिलकर :

क	+	ल	=	कल
ख	+	ग	=	खग
ग	+	ज	=	गज
घ	+	र	=	घर
ङ.	--	इस वर्ण से कोई भी शब्द प्रारंभ नहीं होता।		
च	+	ख	=	चख
छ	+	त	=	छत
ज	+	ल	=	जल
झ	+	ट	=	झट
ञ	--	इस वर्ण से कोई भी शब्द प्रारंभ नहीं होता।		
ट	+	प	=	टप
ठ	+	ग	=	ठग
ड	+	र	=	डर
ड़	--	इस वर्ण से कोई भी शब्द प्रारंभ नहीं होता।		
ढ	+	क	=	ढक
ढ़	--	इस वर्ण से कोई भी शब्द प्रारंभ नहीं होता।		
ण	--	इस वर्ण से कोई भी शब्द प्रारंभ नहीं होता।		
त	+	न	=	तन
थ	+	ल	=	थल
द	+	र	=	दर
ध	+	न	=	धन
न	+	ल	=	नल
प	+	ग	=	पग

फ	+	ल	=	फल
ब	+	ल	=	बल
भ	+	य	=	भय
म	+	न	=	मन
य	+	ज्ञ	=	यज्ञ
र	+	थ	=	रथ
ल	+	ट	=	लट
व	+	न	=	वन
श	+	त	=	शत
ष	+	ट	=	षट
स	+	त्र	=	सत्र
श्र	+	म	=	श्रम
ह	+	म	=	हम
क्ष	+	य	=	क्षय
त्र	+	य	=	त्रय

ज्ञ - बिना मात्रा के इससे शब्द आरंभ नहीं होता है।

पाठ - 7

शब्द रचना - 2

तीन अक्षरों को मिलकर :

अ	+	ल	+	ख	=	अलख
क	+	ल	+	श	=	कलश
ख	+	न	+	क	=	खनक
ग	+	र	+	ल	=	गरल
घ	+	ट	+	क	=	घटक
च	+	म	+	क	=	चमक
छ	+	त	+	र	=	छतर
ज	+	न	+	क	=	जनक
झ	+	ल	+	क	=	झलक
ट	+	ह	+	ल	=	टहल
ठ	+	स	+	क	=	ठसक
ड	+	ग	+	र	=	डगर
त	+	र	+	ल	=	तरल
थ	+	प	+	क	=	थपक
द	+	म	+	क	=	दमक
ध	+	व	+	ल	=	धवल
न	+	म	+	क	=	नमक
प	+	ल	+	क	=	पलक
फ	+	स	+	ल	=	फसल
ब	+	च	+	त	=	बचत
भ	+	र	+	त	=	भरत
म	+	ट	+	र	=	मटर
य	+	व	+	न	=	यवन

र	+	म	+	न	=	रमन
ल	+	व	+	ण	=	लवण
व	+	च	+	न	=	वचन
श	+	ह	+	द	=	शहद
स	+	ड़	+	क	=	सड़क
ह	+	व	+	न	=	हवन

पाठ - 8

शब्द रचना - 3

चार अक्षरों को मिलकर :

अ	+	र	+	ह	+	र	=	अरहर
क	+	ट	+	ह	+	ल	=	कटहल
क	+	र	+	त	+	ल	=	करतल
क	+	ल	+	क	+	ल	=	कलकल
क	+	ल	+	र	+	व	=	कलरव
ग	+	र	+	द	+	न	=	गरदन
त	+	र	+	क	+	श	=	तरकश
द	+	ल	+	द	+	ल	=	दलदल
न	+	ट	+	ख	+	ट	=	नटखट
प	+	त	+	झ	+	ड़	=	पतझड़
प	+	न	+	घ	+	ट	=	पनघट
ब	+	र	+	त	+	न	=	बरतन
म	+	ल	+	म	+	ल	=	मलमल
श	+	र	+	ब	+	त	=	शरबत
स	+	र	+	ग	+	म	=	सरगम
ह	+	ल	+	च	+	ल	=	हलचल

पाठ - 9
वर्णक्रम अनुसार शब्द

अंग	अंबर	अतः	अब	आग	इधर	ईख
उधर	ऊपर	ऋण	एक	ऐनक	ओस	औरत
कंठ	खग	गरम	घर	चन्दन	चटपट	छल
जड़	जय	झलक	टमटम	ठग	डर	ढक
तट	थल	दस	धन	नगर	पंच	पत्र
पर	फल	बटन	भवन	मन	यश	रण
रस	लहर	वन	शहर	सब	हम	हल

पाठ - 10

अभ्यास - वाक्य रचनाएँ

घर चल। ---

जल भर। ---

फल चख। ---

अमर घर चल । ---

अजय फल चख। ---

मदन जल भर। ---

पनघट पर जल भर। ---

कलश सर पर रख। ---

मदन अब घर चल। ---

जल भर कर घर चल। ---

पाठ - 11
स्वर और उनकी मात्राओं तथा व्यंजनो पर मात्रा लगाने की विधि

अ		क् + अ	क
आ	T	क् + आ	का
इ	ि	क् + इ	कि
ई	ी	क् + ई	की
उ	ु	क् + उ	कु
ऊ	ू	क् + ऊ	कू
ऋ	ृ	क् + ऋ	कृ
ए	े	क् + ए	के
ऐ	ै	क् + ऐ	कै
ओ	ो	क् + ओ	को
औ	ौ	क् + औ	कौ
अं	ं	क् + अं	कं
अः	:	क् + अः	कः

पाठ - 12
मात्रा सहित व्यंजन
(बारह खड़ी)

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अ:	ऋ
	◌ा	ि◌	◌ी	◌ु	◌ू	◌े	◌ै	◌ो	◌ौ	◌ं	:	◌ृ
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	क:	कृ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	ख:	
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	ग:	गृ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घ:	घृ
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	च:	-
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छ:	-
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	ज:	-
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झ:	-
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	ट:	-
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठ:	-
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	ड:	-
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढ:	-
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	त:	तृ
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थ:	
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	द:	दृ
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	ध:	धृ

न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	न:	नृ
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	प:	पृ
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फ:	-
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	ब:	बृ
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भ:	भृ
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	म:	मृ
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	य:	-
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	र:	-
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	ल:	लृ
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वो	वं	व:	वृ
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	श:	-
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	ष:	-
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	स:	सृ
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	ह:	हृ
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्ष:	-
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्र:	-
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञ:	-

पाठ - 13

आ - का

दो अक्षरों को मिलाकर:

आम	काम	काल	काका	काला		
खाना	खास	गाना	गारा	घाव	घाटा	
चार	चाचा	छाछ	छाता	जाल	जाला	झाड़
टाट	ठाठ	डाक	डाका	ढाल		
ताज	ताज़ा	थाना	दाल	दाना		
धान	धागा	नाम	नाना	पाप	पाला	
फाग	बाल	बाला	बाबा	भार	भाड़ा	
माल	माला	मामा	माता	याद	रात	राजा
लाल	लाला	वात	वाम	शाम		
शाला	सात	सारा	हाल			
क्षार	त्रास	ज्ञान				

तीन अक्षरों को मिलाकर :

कागज़	कारण	गायब	गणना	छपना	छलावा	जगना
जमाव	जहाज	टालना	टाइप	टाइम	ठगना	डटना
डराना	ढालना	तपना	तालाब	थकना	थमना	थामना
दबना	दबाव	दक्षता	नाचना	पढ़ना	भारत	भावना
महान	लगाम	लड़का	शासन	हमला	हमारा	

चार अक्षरों को मिलाकर :

आदतन	कारगर	कामगार	कारागार
छरहरा	जकड़ना	तापमान	दरबार
दरवाज़ा	समाचार	सदाचार	सराहना

पाठ - 14

इ - कि

<u>दो अक्षरों को मिलाकर :</u>

किला	कवि	छवि	दिन	दिल	दिशा	निशा	भिक्षा
मित्र	यदि	रवि	विदा	विधि	विष	शिक्षा	

<u>तीन अक्षरों को मिलाकर :</u>

किधर	खिलना	खिलाना	गिनना	गिरना	जटिल	
जिधर	तकिया	तथापि	दलिया	मिलना	मालिक	विराम
विलास	विशाल	विषय	विहग	विहित	विहार	सचिव

<u>चार अक्षरों को मिलाकर :</u>

खिसकना	खिसियाना	गिरगिट	किसलिए	दिगंबर	
दिसंबर	विचलित	विधायक	विलक्षण	शनिवार	सितंबर

पाठ - 15

ई - की

दो अक्षरों को मिलाकर:

खीर	खीरा	गीला	चीनी	चीता	चील	चीर	चीरा
टीका	ठीक	ठगी	तभी	दही	दानी	दीदी	दीप
नीला	नानी	पीला	भाभी	मीरा	रानी	वाणी	वीर
शील	शीशा	शाही	हीरा				

तीन अक्षरों को मिलाकर :

छतरी	छपाई	छमाही	छलनी	तीसरा	दीनता	दीवान
पढ़ाई	बगीचा	भीगना	भीषण	मछली	मदारी	मालती
रागिनी	राजीव	लकड़ी	लकीर	लड़की	लड़ाई	लिखाई
विनती	शिकारी	शीतल	हठीला			

चार अक्षरों को मिलाकर :

छिपकली	जनवरी	तरतीब	फरवरी	बागवानी
भयभीत	राजनीति	वीरवार	शहनाई	हड़बड़ी

पाठ - 16

उ - कु

दो अक्षरों को मिलाकर :

कुल	खुर	खुश	गुट	गुड़	गुण	घुन
चुन	चुप	तुम	धुन	मधु	मनु	
शुक	शुभ	सुख	सुधा			

तीन अक्षरों को मिलाकर :

करुणा	खुदाई	खुलना	गुलाब	चुटकी	चुनाव
जुलाई	टुकड़ा	दुकान	दुनिया	दयालु	भावुक
भिक्षुक	मुरारी	सुखद	सुरभि		

चार अक्षरों को मिलाकर :

खुरदुरा	गुनगुन	गुमसुम	झुरमुट	ठुकराना	दुभाषिया
बुधवार	भुगतान	मुखरित	मुशायरा	मणिपुरी	मुसीबत

पाठ - 17

ऊ - कू

दो अक्षरों को मिलाकर :

कूप	खूब	खून	गूल	शुरू	घूम	चूक	चूड़ी
चूना	चूरा	चूल	चूहा	छूट	जून	झूठ	झूला
टूट	ठूंठ	डूब	ढूंढ	तूल	थूक	दूर	धूल
नूर	पूत	फूल	बूट	भूल	मूल	रूप	लूट
शूल	सूत	हूक	हूल				

तीन अक्षरों को मिलाकर :

गूलर	घूमर	जूझना	ज़रूर	झूमर	झूलना	दूसरा	पूतना
फूलना	भूषण	मूर्ख	रूठना	रूपक			

चार अक्षरों को मिलाकर :

अवधूत	आभूषण	खरबूजा	भवभूत	यमदूत	राजदूत	लूटपाट

पाठ - 18

ए - के

<u>दो अक्षरों को मिलाकर :</u>

केला	केश	खेल	जेल	तेल	देना	देवी
देरी	बेर	भेष	मेल	मेला	रेल	लेना
शेष	सेना	सेम	सेब			

<u>तीन अक्षरों को मिलाकर :</u>

अनेक	आदेश	दिनेश	देवता	देवेश	नरेश	निदेश
बसेरा	महेश	रमेश	सुरेश	सवेरा		

<u>चार अक्षरों को मिलाकर :</u>

अनुदेश	थानेदार	दानेदार	दावेदार	देशवासी
देवालय	देवाशीष	देवासुर	निदेशक	भरपेट
लेनदेन	वासुदेव	सेनापति		

पाठ - 19

ऐ - कै

<u>दो अक्षरों को मिलाकर :</u>

कैसा	खैर	चैन	छैला	दैव	पैसा	
फैला	बैर	भैया	मैना	रैना	रैली	शैली

<u>तीन अक्षरों को मिलाकर :</u>

कैलाश	गवैया	तैयार	दैनिक	नैतिक
मैथिली	रवैया	शैशव	सैनिक	

पाठ - 20
ओ - को

<u>दो अक्षरों को मिलाकर :</u>

कोख	कोप	कोरा	कोष	खोल	गोरा	गोल	घोल
चोर	छोले	ज़ोर	ठोस	ढोल	तोता	थोड़ा	धोखा
नोक	फोटो	बोल	भोग	मोह	योग	रोग	रोम
लोच	लोप	लोभ	शोध	सोना	सोम	क्षोभ	

<u>तीन अक्षरों को मिलाकर :</u>

आयोग	कटोरी	कोमल	कोयल	खोखला	गोमती	जोड़ना
ठोकर	तोड़ना	निरोग	पोटली	फोड़ना	बोलना	बोतल
मोड़ना	रोचक	रोशनी	लोचन	सोखना	सोचना	

<u>तीन अक्षरों को मिलाकर :</u>

कोमलता	नियोजन	भोजपुरी	मिजोरम
रोचकता	रोज़गार	सोमवार	

पाठ - 21

औ - कौ

<u>दो अक्षरों को मिलाकर :</u>

कौआ	कौन	गौर	ठौर	पौत्र
बौर	मौन	शौक	सौदा	सौर

<u>तीन अक्षरों को मिलाकर :</u>

कौशल	गौरव	चौखट	चौरस	नौकर	भौतिक
मौलिक	रौनक	शौक़ीन	सौरभ		

पाठ - 22
अं - कं

1. में मैं हैं

2. अंत अंश अंधा एवं कंघा कंस कांता खंड गंध
   घंटा चंदा दंगा दंड दंभ दंश नींव बंद बेंत
   मंत्री मंद मैंने शांत संत सायं सिंह हिंदी

3. अंधकार आतंकित आनंदित खंडहर घेराबंदी तटबंध
   दैनंदिनी नीलकंठ परंपरा प्रियंवदा रोमांचक लंबोदर
   संकलन संचालन संतुलन संपादक संसदीय
   सिकंदर सुंदरता सुगंधित

4. अंगरक्षक कंपायमान पारंपरिक पोरबंदर बंदरगाह सेहराबंदी सौरमंडल

5. अंधकारमय अपारंपरिक परंपरागत संवेदनशील

पाठ - 23
अँ - कँ चंद्रबिंदु (अनुनासिक)

1.	आँख	आँच	काँसा	चाँदी
	टाँग	साँचा	साँस	
2.	काँपना	कुँवर	चाँदनी	भँवर
	साँभर	हँसना	हँसिया	हाँकना

टिप्पणी: निम्नलिखित शब्दों से अनुस्वार और चंद्रबिंदु का अंतर पहचानें :

हँस	(हँसना)	हंस	(पक्षी)
अँगना	(आँगन)	अंगना	(सुन्दर नारी)
चाँद	(चंद्रमा)	चांद	(गंजा सिर)

पाठ - 24
अः - कः विसर्ग

1. अतः
2. प्रातः
3. अंतःपुर
4. फलतः
5. अंतःपुरवासी
6. प्रायः
7. स्वतः
8. निष्कर्षतः
9. क्रमशः
10. अंततः
11. सारांशतः

पाठ - 25

संयुक्त व्यंजन

क्	+	क	=	क्क	-	पक्का	....
ख	+	य	=	ख्य	-	मुख्य	....
ग्	+	य	=	ग्य	-	योग्य	....
घ्	+	न	=	घ्न	-	विघ्न	....
च्	+	च	=	च्च	-	कच्चा	....
ज्	+	य	=	ज्य	-	राज्य	....
ट्	+	ठ	=	ट्ठ	-	चिट्ठी	....
ट्	+	र	=	ट्र	-	राष्ट्र	....
ठ्	+	य	=	ठ्य	-	पाठ्य	....
ड्	+	ड	=	ड्ड	-	अड्डा	....
ड्	+	ढ	=	ड्ढ	-	गड्ढा	....
ढ्	+	य	=	ढ्य	-	धनाढ्य	....
त्	+	त	=	त्त	-	भत्ता	....
थ्	+	य	=	थ्य	-	तथ्य	....
द्	+	य	=	द्य	-	विद्या	....
ध्	+	य	=	ध्य	-	अध्ययन	....
न्	+	न	=	न्न	-	अन्न	....
प्	+	य	=	प्य	-	प्यास	....
फ्	+	त	=	फ्त	-	दफ़्तर	....
ब्	+	द	=	ब्द	-	शब्द	....
भ्	+	य	=	भ्य	-	अभ्यास	....
म्	+	ब	=	म्ब	-	अम्बर	....
य्	+	य	=	य्य	-	शय्या	....

र	+	य	=	र्य	-	कार्य	....
ल्	+	ल	=	ल्ल	-	मल्लाह	....
व्	+	य	=	व्य	-	व्यवहार	....
श्	+	य	=	श्य	-	श्याम	....
ष्	+	ट	=	ष्ट	-	नष्ट	....
स्	+	स	=	स्स	-	हिस्सा	....
ह्	+	न	=	ह्न	-	चिह्न	....
क्ष्	+	य	=	क्ष्य	-	लक्ष्य	....

कुछ अन्य मिश्रित संयुक्त व्यंजन

अ + प् + र् + आ + ह् + न् + अ	- अपराह्न	....
क् + अ + र् + म् + अ	- कर्म	....
क् + र् + अ + म् + अ	- क्रम	....
प् + ऊ + र् + व् + आ + ह् + न् + अ	- पूर्वाह्न	....
ब् + र् + अ + ह् + म् + आ	- ब्रह्मा	....
व् + ऋ + द् + ध् + अ	- वृद्ध	....

भाग - 2

शिक्षण पाठ

पाठ - 26
कक्षा में

मैं ....हूँ।
मैं ....रहता/रहती हूँ।
आप.................करते/करती हैं?

(प्राध्यापक का कक्षा में प्रवेश। सभी शिक्षार्थी नमस्कार करते हैं।)

प्राध्यापक : नमस्कार, मैं हिंदी प्राध्यापक हूँ। मेरा नाम गोपाल वर्मा है। आपका नाम क्या है?

कविता : मेरा नाम कविता है।

प्राध्यापक : आप कहाँ काम करती हैं?

कविता : मैं गृह मंत्रालय में काम करती हूँ।

प्राध्यापक : आप किस पद पर काम करती हैं?

कविता : मैं सहायक के पद पर काम करती हूँ।

प्राध्यापक : आप कहाँ रहती हैं?

कविता : मैं गाँधी नगर में रहती हूँ।

प्राध्यापक : आप यहाँ कैसे आती हैं?

कविता : मैं बस से आती हूँ।

प्राध्यापक : आपका नाम क्या है?

अहमद : मेरा नाम अहमद है।

प्राध्यापक : आप कहाँ काम करते हैं?

अहमद : मैं केंद्रीय लोक निर्माण विभाग में काम करता हूँ।

प्राध्यापक : आप किस पद पर काम करते हैं?

अहमद : मैं अभियंता के पद पर काम करता हूँ।

प्राध्यापक : आप कहाँ रहते हैं?

अहमद : मैं तिलक नगर में रहता हूँ।

प्राध्यापक : आप यहाँ कैसे आते हैं?

अहमद : मैं स्कूटर से आता हूँ। कभी कभी बस से भी आता हूँ।

प्राध्यापक : अच्छा कल मिलते हैं। नमस्कार।

सभी : नमस्कार।

<u>शब्दार्थ</u> :

प्राध्यापक	Lecturer/Professor	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग	C.P.W.D
गृह मंत्रालय	Ministry of Home Affairs	पदनाम	Name of Post
अभियंता	Engineer	सहायक	Assistant

<u>सांस्कृतिक टिप्पणी:</u>

नमस्कार - अभिवादन का तरीका। इसमें दोनों हाथ जोड़कर “नमस्कार" कहा जाता है। नमस्कार के लिए हिंदी में “नमस्ते" का भी प्रयोग किया जाता है।

<u>व्याकरणिक टिप्पणियाँ :</u>

सर्वनाम	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मैं	रहता हूँ।	रहती हूँ।
आप	रहते हैं।	रहती हैं।

मैं/आप तथा हूँ/हैं का पुल्लिंग और स्त्रीलिंग दोनों में प्रयोग किया जाता है।

<u>बोध प्रश्न :</u>

1. गोपाल वर्मा कौन हैं?
2. कविता कहाँ काम करती है?
3. कविता किस पद पर काम करती है?
4. अहमद कहाँ काम करता है?
5. अहमद कहाँ रहता है?

मौखिक अभ्यास

<u>स्थानापत्ति अभ्यास</u> :

1. मैं <u>गीता</u> हूँ।

   (सरला, राजेश, राघवन, जावेद, सरिता)
2. मैं <u>भारतीय</u> हूँ।

   (जापानी, चीनी, रूसी, नेपाली)
3. मैं <u>हिंदी</u> भाषी हूँ।

   (अंग्रेजी, तमिल, रूसी, बंगला, मलयालम)

4. मैं <u>गांधी नगर</u> में रहता/रहती हूँ।

   (सुल्तानपुर, पटेल नगर, अलीगंज, फ़िरोजाबाद)
5. मैं एक <u>स्कूल</u> में काम करता/करती हूँ।

   (दुकान, अस्पताल, दफ़्तर, फैक्टरी)

<u>**रूपांतरण अभ्यास :**</u>

नमूना : मेरा नाम सरला है।

मेरा नाम है सरला।

(राघव, गीता, कविता, प्रमोद)

टिप्पणी : (सहायक क्रिया पर अधिक बल देकर वाक्य बदला जा सकता है लेकिन अर्थ नहीं बदलता।)

परिचय : कक्षा में सब प्रशिक्षार्थी अपना परिचय देंगे।

(मेरा नाम, पता, टेलीफ़ोन नं०)

नमूना : मैं गोपाल हूँ, मैं दिल्ली में रहता हूँ। मेरा पता .... है।
मेरा टेलीफ़ोन नं० .... है। मैं......................भाषी हूँ।

<u>**स्थानापत्ति अभ्यास**</u> :

1. **कमला जी,** आप कहाँ रहती हैं?

   (सुशीला जी, गीता जी, शीला जी, राधा जी)
2. **कमला जी**, आप कहाँ काम करती हैं ?

   (सुशीला जी, गीता जी, शीला जी, राधा जी)
3. **अहमद जी**, आप कहाँ रहते हैं?

   (राघवन जी, अशोक जी, गौरव जी, डेविड साहब)
4. **अहमद जी**, आप कहाँ काम रहते हैं?

   (राघवन जी, अशोक जी, गौरव जी, डेविड साहब)
5. आप **बंगाली** हैं?

   (पंजाबी, गुज़राती, तमिल भाषी, बंगला भाषी)
6. आप **अध्यापक** हैं?

   (इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, सरकारी अधिकारी, प्रोग्रामर)

<u>प्रश्नोत्तर :</u>"जी हाँ" और "जी नहीं" का प्रयोग करते हुए उत्तर दीजिए।

1. आप अध्यापक हैं?

   जी हाँ, मैं अध्यापक हूँ।

   (इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, सरकारी अधिकारी, प्रोग्रामर)

2. जी नहीं, मैं अध्यापक नहीं हूँ।

   मैं इंजीनियर हूँ।

   (सहायक, टंकक, आशुलिपिक)

संवाद - छात्र परस्पर निम्नलिखित प्रश्नों पर बातचीत करेंगे ।

1. आप कहाँ काम करते हैं? (करना)

   (रहना/पढ़ना)

2. आपका टेलीफ़ोन नं० क्या है?

   (नाम, पता)

पाठ - 27
दिनचर्या

हम ....रहते/रहती हैं।
तुम ....रहते/रहती हो।

अंजलि : नमस्ते, क्या आप आजकल इस बस से नहीं आतीं?
शीला : नहीं, आजकल मैं अपनी सहेली राधा के साथ कार से आती हूँ।
अंजलि : क्या राधा आपके साथ ही रहती है ?
शीला : हाँ, हम दोनों यहाँ साथ ही रहती हैं।
अंजलि : इससे मिलो। यह मेरा छोटा भाई दिनेश है।
शीला : दिनेश, तुम भी नौकरी करते हो?
दिनेश : नहीं, मैं अभी नौकरी नहीं करता। मैं बी०ए० में पढ़ता हूँ।
अंजलि : शीला, आप राधा के साथ कभी घर आइए।
शीला : आजकल मैं सारा दिन बहुत व्यस्त रहती हूँ, सारा दिन कैसे बीतता है, पता ही नहीं चलता।
अंजलि : आप सारा दिन क्या करती हैं?
शीला : मैं सुबह छह बजे उठती हूँ, थोड़ी देर पार्क में टहलती हूँ। घर आकर नहाती हूँ। उसके बाद नाश्ता बनाती हूँ।
अंजलि : मैं भी अपनी माँ के साथ घर के काम में मदद करती हूँ।
शीला : नाश्ता करने के बाद मैं नौ बजे कार्यालय के लिए निकलती हूँ।
अंजलि : क्या आप दोपहर का खाना साथ लाती हैं?
शीला : नहीं, मैं दोपहर में कैन्टीन में खाती हूँ। कभी इडली, दोसा तो कभी सिर्फ फल खाती हूँ।
अंजलि : आप शाम को घर कब जाती हैं?
शीला : मैं शाम को कंप्यूटर सीखती हूँ, इसलिए देर से घर जाती हूँ।

<u>शब्दार्थ</u> :

आजकल	now-a-days	दोपहर का खाना	lunch
सहेली	friend (lady)	मदद	help
भाई	brother	फल	fruit
नौकरी	service	खाना	food/meal
व्यस्त	busy	नाश्ता	breakfast
पूजा	worship	कभी-कभी	sometimes
अक्सर	often	रोज़	daily
हमेशा	always		

<u>व्याकरणिक टिप्पणी</u> : क्रिया “रहना” के रूप में सर्वनाम के साथ परिवर्तन इस प्रकार होता है।

सर्वनाम	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
हम/आप	रहते हैं।	रहती हैं।
तुम	रहते हो।	रहती हो।

टिप्पणी : “हम” (स्त्रीलिंग) के साथ बोलचाल की हिंदी में पुल्लिंग रूप "रहते हैं” का ही प्रयोग आम तौर पर किया जाता है।

<u>सांस्कृतिक टिप्पणी</u> : “इडली/दोसा” प्रमुख दक्षिण भारतीय व्यंजन हैं।

<u>बोध प्रश्न :</u>

1. शीला किसके साथ रहती है?
2. दिनेश क्या करता है?
3. शीला दोपहर का खाना कहाँ खाती है?
4. शीला शाम को क्या सीखती है?
5. शीला सुबह कितने बजे उठती है?
6. राधा कार्यालय कैसे जाती है?

मौखिक अभ्यास

<u>स्थानापत्ति अभ्यास</u> :

1. आप कहाँ <u>काम करते</u> हैं? (काम करना)
   (रहना, जाना, पढ़ना, नौकरी करना)
2. हम दोनों <u>डाक विभाग</u> में हैं।
   (टेलीफ़ोन विभाग, बैंक, कॉलेज़, निदेशालय)
3. तुम कहाँ <u>खेलते/खेलती</u> हो? (खेलना)
   (पढ़ना, जाना, रहना)
4. हम <u>कभी-कभी</u> शतरंज खेलते हैं।
   (रोज़, हमेशा, आजकल)
5. क्या तुम <u>हॉकी</u> खेलते/खेलती हो?
   (क्रिकेट, फुटबाल, टेनिस)

रूपांतरण अभ्यास :

दोनों रेखांकित शब्दों के लिए क्रम से प्रश्न बनाइए।

नमूना : राघव शाम को बाजार जाता है।

1. राघव शाम को कहाँ जाता है।
2. राघव कब बाजार जाता है?

1. सुंदरम सुबह दफ़्तर जाता है।
2. राधा शाम को मंदिर जाती है।
3. वे दोनों रात को कैन्टीन में खाती हैं।
4. शीला शाम को पार्क में खेलती है।
5. भास्कर दोपहर को पुस्तकालय में पढ़ता है।

संवाद :

छात्र परस्पर प्रश्नोत्तर द्वारा अपने शौक के बारे में बातें करें। हॉकी खेलना, उपन्यास पढ़ना, फ़िल्म देखना, चित्र बनाना आदि शब्दों का प्रयोग करें।

नमूना : 1. आप क्या खेलते हैं?

मैं हॉकी खेलता हूँ।

2. आप टी०वी० पर क्या देखते हैं?

मैं टी०वी० पर फिल्म देखता हूँ।

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. मैं स्कूटर से दफ़्तर जाता/जाती हूँ।

   (कार, बस, ट्रेन, साइकिल)
2. हम बाजार जाते हैं।

   (स्कूल, दफ़्तर, अस्पताल, कॉलेज़, बैंक)
3. राधा जी, आप यहाँ काम करती हैं? (काम करना)

   (पढ़ना, खेलना, पढ़ाना, रहना)
4. हम दोनों एक ही कक्षा में पढ़ते हैं।

   (हम लोग, वे दोनों, गोपाल और मोहन, राधा और शीला, आप दोनों)
5. गीता और सीता, तुम लोग पुस्तक पढ़ती हो?

   (उपन्यास, कहानी, कविता, नाटक, लेख)
6. मैं यहाँ हिंदी सीखता/सीखती हूँ।

   (संगीत, तमिल, ड्राइविंग)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u> :

नमूना : मैं दफ़्तर स्कूटर से जाता हूँ।

मैं दफ़्तर स्कूटर से नहीं जाता।

1. मैं कॉलेज़ बस से जाता हूँ।
2. हम घर कार से जाते हैं।
3. आप दफ़्तर स्कूटर से जाते हैं?
4. तुम स्कूल पैदल जाते हो?

टिप्पणी : नित्य वर्तमान काल में निषेधात्मक वाक्यों में सहायक क्रिया 'हूँ, है, हो, हैं' का लोप हो जाता है।

<u>प्रश्नोत्तर अभ्यास</u> :

प्रत्येक प्रश्न के उत्तर "जी हाँ" और "जी नहीं" में दीजिए। पुरुषों के लिए "करते हैं" तथा महिलाओं के लिए "करती हैं " का प्रयोग करें।

1. क्या आप <u>रेल मंत्रालय</u> में काम करते हैं?

   (स्टेट बैंक, विधि मंत्रालय, एन०टी०पी०सी०, जीवन बीमा निगम)
2. क्या आप <u>गांधी नगर</u> में रहते हैं?

   (गोरखपुर, हैदराबाद, पटेल नगर, बेसेंट नगर)
3. क्या आप <u>डाक विभाग</u> में हैं?

   (इलाहाबाद बैंक, रक्षा मंत्रालय, एम०टी०एन०एल०, हथकरघा बोर्ड)
4. क्या आप <u>कॉलेज में पढ़ाते</u> हैं? (कॉलेज़ में पढ़ाना)

   (दुकान में काम करना, खेती करना, शतरंज खेलना, हिंदी सिनेमा देखना)

<u>संवाद</u>:

प्रशिक्षार्थी एक-दूसरे से अपनी दिनचर्या के बारे में बात करेंगे ।

(उठना, नहाना, सैर करना, पूजा करना, नाश्ता करना, अखबार पढ़ना, खाना खाना, सोना, जाना, खेलना, देखना)

हिंदी हमारी संस्कृति की वाणी है।

- शातानंद नाथ

वह ....जाता/जाती है।
वे ....जाते/जाती हैं।

पाठ - 28

घर पर मुलाकात

तनूजा : आओ सरला, बैठो।

सरला : नमस्ते। तुम कैसी हो?

तनूजा : नमस्ते। मैं अच्छी हूँ। इनसे मिलो, ये हैं मेरे पति श्री वर्मा और यह मेरा बेटा वरुण है।

सरला : नमस्ते।

वर्मा व वरुण : नमस्ते, अच्छा बैठिए। हम अभी आते हैं। बाज़ार में कुछ काम है।

(वर्मा और वरुण बाज़ार चले जाते हैं)

तनूजा : मैं तुम्हारे लिए शर्बत लाती हूँ।

सरला : श्री वर्मा कहाँ काम करते हैं?

तनूजा : वे दिल्ली हाईकोर्ट में काम करते हैं। तुम्हारे पति कहाँ काम करते हैं?

सरला : वे 'पोलर' कंपनी में मैनेजर हैं।

तनूजा : इस समय तुम्हारी दोनों बेटियाँ कहाँ हैं?

सरला : वे रोज़ इस समय संगीत विद्यालय जाती हैं तथा शास्त्रीय संगीत सीखती हैं।

तनूजा : वे दोनों किस स्कूल में पढ़ती हैं?

सरला : वे जवाहर विद्यालय में पढ़ती हैं। आपका बेटा वरुण किस स्कूल में पढ़ता है?

तनूजा : वरुण माडर्न स्कूल में पढ़ता है।

सरला : आजकल छुट्टियाँ हैं। वरुण सारा दिन क्या करता है?

तनूजा : सुबह वह आठ बजे से नौ बजे तक स्कूल में तैराकी सीखता है। घर आकर वह नहाता है, नाश्ता करता है फिर थोड़ी देर स्कूल का काम करता है।

सरला : शाम को वह खेलता है या नहीं?

तनूजा : शाम को वह चार से छह बजे तक चित्रकारी सीखता है। छह बजे के बाद वह पार्क में खेलने जाता है। कभी-कभी साइकिल भी चलाता है। तुम्हारी बेटियों की क्या दिनचर्या रहती है?

सरला : वे दोनों सुबह आठ बजे से नौ बजे तक कंप्यूटर सीखती हैं, फिर आकर नाश्ता करती हैं। कुछ देर पढ़ने के बाद टी॰वी॰ देखती हैं। शाम को वे पाँच से छः बजे तक संगीत सीखती है।

तनूजा : क्या वे कुछ खेलती भी हैं?

सरला : नहीं, वे रोज नहीं खेलती। कभी-कभी शाम को बैडमिंटन खेलती हैं।

तनूजा : किसी दिन तुम सबको लेकर घर आना।

सरला : ज़रूर, तुम भी सपरिवार मेरे घर आओ।

तनूजा : हाँ, आऊँगी।

<u>शब्दार्थ</u> :

शर्बत	:	juice	शास्त्रीय संगीत	:	classical music
तैराकी	:	swimming	चित्रकारी	:	drawing
दिनचर्या	:	daily routine			

सांस्कृतिक टिप्पणी :

शास्त्रीय संगीत (classical music) - हमारे देश की परंपरा से चली आ रही संगीत शैली।

<u>व्युत्पन्न शब्द</u> :

पढ़ना	पढ़ाना
सीखना	सिखाना

<u>विलोम शब्द</u> :

कभी-कभी	x	रोज़
दिन	x	रात
सुबह	x	शाम

<u>पर्यायवाची शब्द</u> :

रोज़	=	प्रतिदिन
बेटी	=	पुत्री
बेटा	=	पुत्र
स्कूल	=	विद्यालय

<u>व्याकरणिक रचना</u> : अब तक हमने सीखा है ।

नित्य वर्तमान काल

पुरुष	(पु०) एकवचन (स्त्री०)	(पु०) बहुवचन (स्त्री०)
उत्तम	मैं जाता/जाती हूँ।	हम जाते/जाती हैं।
मध्यम	तुम जाते/जाती हो।	आप जाते/जाती हैं। तुम लोग जाते/जाती हो। आप लोग जाते/जाती हैं।
अन्य	वह जाता/जाती है। राम जाता है/सीता जाती है।	वे जाते/जाती हैं। सीता और गीता जाती हैं। (स्त्री०) श्री दास जाते हैं। (आदर सूचक) श्रीमती दास जाती हैं। (आदर सूचक)

नित्य वर्तमान काल (निषेधात्मक वाक्य)

पुरुष	(पु०) एकवचन (स्त्री.)	(पु०) बहुवचन (स्त्री०)
उत्तम	मैं नहीं जाता/जाती।	हम नहीं जाते/जातीं।
मध्यम	तुम नहीं जाते/जाती।	आप नहीं जाते/जातीं। तुम लोग नहीं जाते/जातीं। आप लोग नहीं जाते/जातीं।
अन्य	वह नहीं जाता/जाती । राम नहीं जाता। (पु.) सीता नहीं जाती। (स्त्री.)	वे नहीं जाते/जातीं। सीता और गीता नहीं जातीं। (स्त्री०) श्री दास नहीं जाते। (आदर सूचक) श्रीमती दास नहीं जातीं। (आदर सूचक)

वचन

पुल्लिंग आकारांत शब्द :	**एकवचन**	**बहुवचन**
	लड़का	लड़के
	बेटा	बेटे
	पंखा	पंखे

कुछ पुल्लिंग शब्दों के बहुवचन रूप नहीं होते। जैसे :

	एकवचन	**बहुवचन**
	भाई	भाई
	आदमी	आदमी
	अध्यापक	अध्यापक
स्त्रीलिंग ईकारांत शब्द :	बेटी	बेटियाँ
	लड़की	लड़कियाँ
	रानी	रानियाँ
स्त्रीलिंग अकारांत शब्द :	बहन	बहनें
	गाय	गाएँ
	रात	रातें
	मेज़	मेज़ें
सर्वनाम :	यह	ये
	वह	वे

बोध प्रश्न :

1. सरला की बेटियाँ कहाँ पढ़ती हैं?
2. वरुण क्या सीख रहा है?
3. सरला की बेटियाँ क्या सीखती हैं?
4. वरुण कौन से स्कूल में पढ़ता है?
5. श्री वर्मा कहाँ काम करते हैं?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. मेरा भाई **शतरंज** खेलता है।
   (क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबाल, कैरम)
2. मेरी बहन **बाज़ार** जाती है।
   (बैंक, स्कूल, कॉलेज़, पार्क)
3. वह हिंदी **बोलता** है। (बोलना)
   (जानना, सीखना, लिखना, पढ़ना)
4. **वे** सितार सीखती हैं।
   (सीता और गीता, आप, वे दोनों, आप दोनों)
5. **मेरे पिता जी** रोज़ मंदिर जाते हैं।
   (हम, आप, रमेश जी, श्री दास, आप दोनों)

रूपांतरण/स्थानापत्ति अभ्यास :

नमूना : मेरा भाई शतरंज खेलता है।
मेरा भाई शतरंज नहीं खेलता।

1. मेरी माता जी रोज़ मंदिर जाती हैं।
   (बाज़ार, गाँव, स्कूल)
2. मेरे पिता जी अख़बार पढ़ते हैं।
   (किताबें, उपन्यास, पत्रिकाएँ)
3. गीता जी बैडमिंटन खेलती हैं।
   (क्रिकेट, फुटबाल, कैरम)
4. वरुण तैराकी सीखता है।
   (हिंदी, संगीत, कार चलाना, प्रोग्रामिंग)
5. सरला खाना बनाती है।
   (चाय, इडली, दोसा, गुलाब जामुन)

<u>संवाद</u> :

प्रशिक्षार्थी एक दूसरे की रुचि के बारे में सवाल-जवाब करें। जैसे- चित्रकारी, तैराकी, संगीत सीखना, बागवानी करना, नृत्य सीखना, फ़ोटोग्राफी, भ्रमण आदि।

<u>स्थानापत्ति अभ्यास</u> :

1. वे <u>रोज</u> चाय पीते हैं।

   (हमेशा, कभी-कभी, अक्सर, बिल्कुल नहीं)
2. पिताजी <u>बस</u> से दफ्तर जाते हैं।

   (कार, स्कूटर, साइकिल, गाड़ी)
3. वे लड़के शाम को <u>खेलते</u> हैं। (खेलना)

   (पढ़ना, जाना, गाना, नाचना)
4. <u>राजेश</u> शाम को यहाँ आता है।

   (राधा, शेखर, हम, तुम दोनों, गोपाल और मोहन, सीता और रमेश)
5. आपके <u>पिता जी</u> कितने बजे उठते हैं?

   (बेटा, बेटी, माँ, बहन, पति, पत्नी)

टिप्पणी : वाक्य चार और पाँच में क्रियाएँ भी बदलनी हैं।

<u>रूपांतरण अभ्यास</u> :

नमूना : राम का लड़का छोटा है।
राम के लड़के छोटे है।

1. गणेश का बेटा बड़ा है।
2. यह कमरा बड़ा है।
3. मेरी बेटी बड़ी है।
4. यह अलमारी बड़ी है।
5. यह लड़का चतुर है।
6. मेरी किताब मोटी है।

<u>प्रश्नोत्तर अभ्यास</u> :

नमूना : आप सवेरे कितने बजे उठते/उठती हैं?
मैं सवेरे पाँच बजे उठता/उठती हूँ।

1. आप सवेरे **<u>क्या</u>** करते/करती हैं? (करना)

   (चाय पीना, संगीत सीखना, अखबार पढ़ना)

2. आप **<u>कब</u>** दफ्तर जाते/जाती हैं?

   (सात, आठ, नौ, बजे)

3. आप **<u>कैसे</u>** दफ्तर जाते/जाती हैं?

   (पैदल, बस से, कार से, रेल गाड़ी से)

4. आप आजकल **<u>क्या</u>** सीखते/सीखती हैं?

   (चित्रकला, हिंदी भाषा, ड्रैस डिजाइनिंग)

<u>संवाद</u> :

प्रशिक्षार्थी एक दूसरे के आपसी शौक के बारे में बातचीत करेंगे।

नमूना : आप क्या खेलते/खेलती हैं?

(कब, कहाँ, किस के साथ, कितनी देर आदि)

<u>स्थानापत्ति अभ्यास</u> :

1. इनसे मिलिए, ये मेरे **<u>दोस्त</u>** हैं।

   (डॉक्टर, वकील, अध्यापक, पड़ोसी, पिताजी)

2. इससे मिलो,यह मेरा **<u>भाई</u>** है।

   (बेटा, भांजा, भतीजा, सहयोगी)

3. इनसे मिलिए, ये मेरी **<u>माताजी</u>** है।

   (बेटियाँ, सहेलियाँ, अध्यापिका)

4. इससे मिलिए, यह मेरी **<u>बेटी</u>** है।

   (सहेली, लड़की, दोस्त, भतीजी, पत्नी)

<u>प्रश्नोत्तर अभ्यास</u> :

"जी हाँ" और "जी नहीं" में उत्तर दीजिए।

1. क्या आप नौकरी करते हैं?
2. क्या आप रोज़ स्कूटर से आते हैं?
3. क्या आपकी माता जी आपके साथ रहती हैं?
4. क्या आपका भाई कॉलेज़ में पढ़ता है?
5. क्या आप हिंदी सिनेमा देखते हैं?

वाक्य विस्तार अभ्यास :

नमूना : मैं दफ़्तर जाता हूँ। (रोज़, सुबह, नौ बजे, बस से)

मैं रोज़ दफ़्तर जाता हूँ।

मैं रोज़ सुबह दफ़्तर जाता हूँ।

मैं रोज़ सुबह नौ बजे दफ़्तर जाता हूँ।

मैं रोज़ सुबह नौ बजे बस से दफ़्तर जाता हूँ।

1. वह तिलक नगर में रहता है। (आजकल, स्टेशन के पास)
2. वे हिंदी सीखती हैं। (रोज़, यहाँ)
3. शेखर कॉलेज जाता है। (सुबह, दस बजे, बस से)
4. बच्चे खेलते हैं। (शाम को, कभी-कभी, पार्क में)

संवाद:

शिक्षार्थी/विद्यार्थी एक दूसरे से अपने-अपने मित्रों के बारे में बातचीत करें। (नाम, पता, रुचि, कहाँ काम करते हैं, क्या खाते हैं? आदि।)

हिंदी पढ़ना और पढ़ाना हमारा कर्तव्य है। उसे हम सबको अपनाना है।

\- लाल बहादुर शास्त्री

पाठ - 29

आज्ञार्थक
आओ, आइए
न, नहीं, मत

जन्मदिन का निमंत्रण

गणेशन	:	नमस्ते, रमेश जी।
रमेश	:	गणेशन जी, आइए। लता जी, आप भी आइए। बैठिए।
सीमा	:	नमस्ते भाई साहब, नमस्ते बहन जी। आइए, स्वागत है।
गणेशन-लता	:	धन्यवाद।
रमेश	:	कहिए। चाय या काफी क्या लेंगे? (ड्राइंग रूम में बैठने के बाद)
गणेशन	:	बस पानी दीजिए। चाय-कॉफी न लाएँ।
सीमा	:	लीजिए, पानी लीजिए।
		(भूषण का प्रवेश)
भूषण	:	नमस्ते, अंकल। नमस्ते आंटी।
गणेशन	:	आओ बेटे। इधर आओ, यहाँ बैठो।
रमेश	:	बेटे भूषण। अपना एलबम लाओ, चाचा जी को दिखाओ।
		(भूषण एलबम लेकर आता है।)
भूषण	:	देखिए अंकल। यह मेरे जन्मदिन का एलबम है। यह देखिए, ये मेरी दादी हैं। ये मेरी बुआ जी हैं।
रमेश	:	भूषण, लाओ एलबम मुझे दो। लीजिए गणेशन जी, इसमें हमारे परिवार के चित्र भी हैं। ज़रा इन्हें भी देखिए।
गणेशन	:	चित्र बहुत सुन्दर हैं। अच्छा, कल मेरी बेटी का जन्मदिन है। आप लोग आइए। हमारे साथ भोजन कीजिए।
सीमा	:	अच्छा, आएँगे। कितने बजे ?
लता	:	कार्यक्रम सात बजे है। आप लोग जरूर आइए। भूलिएगा नहीं। अच्छा चलते हैं।
गणेशन	:	अच्छा, इजाज़त दीजिए। नमस्ते।

<u>शब्दार्थ</u> :

स्वागत	:	welcome	सुंदर	:	beautiful
धन्यवाद	:	thanks	परिवार	:	family
एलबम	:	album	भूलिए नहीं	:	don’t forget
इज़ाज़त	:	permission	जन्मदिन	:	birthday
कार्यक्रम	:	programme			

रिश्ते नाते के शब्द :

चाचा	=	पिता के छोटे भाई	चाची	=	चाचा की पत्नी
मामा	=	माँ के भाई	मामी	=	मामा की पत्नी
दादा जी	=	पिता के पिता	दादी जी	=	पिता की माता जी
नाना जी	=	माँ के पिता	नानी जी	=	माता जी की माँ
बुआ जी	=	पिता की बहन	मौसी जी	=	माँ की बहन

पर्यायवाची शब्द :

भोजन करना	=	खाना खाना	धन्यवाद	=	शुक्रिया
इजाज़त	=	अनुमति	चित्र	=	तस्वीर

विलोम शब्द:

इधर	X	उधर	छोटा	X	बड़ा
आओ	X	जाओ	लीजिए	X	दीजिए
देना	X	लेना	अपना	X	पराया

बोध प्रश्न :

1. गणेशन की पत्नी का नाम क्या है?
2. भूषण कौन है?
3. भूषण अंकल को क्या दिखाता है?
4. चित्र देखकर गणेशन क्या कहते हैं?
5. गणेशन रमेश और सीमा को क्यों बुलाते हैं?

व्याकरणिक टिप्पणी : आज्ञार्थक वाक्यों में क्रिया का रूप परिवर्तन इस प्रकार होता है :

क्रिया	तुम (ओ)	आप (इए)
आना	आओ	आइए
जाना	जाओ	जाइए
देखना	देखो	देखिए
करना	करो	कीजिए
लेना	लो	लीजिए
देना	दो	दीजिए
पीना	पिओ	पीजिए

<u>**स्थानापत्ति अभ्यास**</u> :

1. **गोपाल** तुम यहाँ आओ, **कुर्सी** पर बैठो।

   (रमेश, शीला, पीटर, अकरम : स्टूल, मेज़, पलंग)
2. **गोपाल** यहाँ मत बैठो, **वहाँ** बैठो।

   (रमेश, शीला, पीटर, अकरम : कोने में, बेंच पर, दरी पर)
3. **राजेश** तुम **जाओ**, अनवर तुम मत **जाओ**।

   (गोपाल, मोहन, शीला, पीटर, अकबर : आओ, नहाओ, खाओ, दौड़ो)
4. रतनलाल जी आप **जाइए**। (जाना)

   (घर जाना, चाय पीना, काम करना, चाय लेना, यहाँ आना)
5. रमेश जी **चाय पीजिए**, रमेश जी **चाय न पिएँ**। (पीना)

   (किताब लाना, पेंसिल से लिखना, पंखा चलाना, कार तेज चलाना, बाहर सोना)
6. **मुझे** पानी दीजिए।

   (पिता जी को, माता जी को, हमें)

<u>**संवाद**</u> :

प्रशिक्षार्थी नमूने के अनुसार वाक्य बनाकर बोलें।

मोहन- ज़रा एक <u>**कागज़**</u> दीजिए।

(पेन, पेंसिल, रबर, आलपिन)

सोहन- यह लीजिए <u>**कागज़**</u>।

1. <u>**रामू**</u>, बाजार जाओ,<u>**साबुन**</u> लाओ। (नमक, तेल, सब्ज़ी शब्दों का प्रयोग करें)

   (श्याम, माधव, भरत)
2. मोहन, ज़रा <u>**पानी**</u> लाओ।

   (किताब, नोट बुक, तौलिया का प्रयोग कर अभ्यास करें)

हिंदी को गंगा नहीं बल्कि समुद्र बनाना होगा।
- आचार्य विनोबा भावे

पाठ - 30

चाहिए।
पसंद है।

खाने की मेज़ पर

(दरवाजे की घंटी बजती है)

रमेश : (दरवाज़ा खोलते हैं) आइए, रंगनाथन जी। वाह! भाभी जी भी हैं। बड़ी खुशी हुई भाभी जी को देखकर। आपकी तबीयत तो ठीक है न?

रंगनाथन : हाँ, इनकी तबीयत पहले से बेहतर है। देरी से आने की माफी माँगता हूँ।

रमेश : कोई बात नहीं, रंगनाथन जी।
(आवाज़ देकर अपनी पत्नी सुषमा को बुलाते हैं।)

सुषमा : अरे! जयश्री भाभी! बड़ी खुशी हुई आपको स्वस्थ देखकर। चलिए, अंदर बैठें। बैठें। आज गर्मी बहुत है - आप लोगों के लिए मैंने एक पेय बनाया है। आप लोगों को पसंद आएगा।
(रसोईघर से चार गिलासों में भरकर पना लाती है)
लीजिए, इसे पना कहते हैं।

रंगनाथन : (पना पीते हुए) वाकई। यह बहुत स्वादिष्ट है। मुझे तो बहुत पसंद आया। मुझे एक गिलास पना और चाहिए। यह कच्चे आम का बना है न?

सुषमा : ठीक पहचाना आपने। मुझे अच्छा लगा कि आपको यह पसंद आया। मैं और पना लाती हूँ।

रमेश : चलिए। खाने की मेज़ पर बैठते हैं। वहीं बातचीत भी होगी और खाना भी।
(सभी खाने की मेज़ पर जाकर बैठते हैं। सुषमा पने के दो गिलास लाती है।)

सुषमा : लीजिए, भाई साहब पना, भाभी जी आप भी लीजिए।

जयश्री : धन्यवाद, सुषमा जी। मुझे उत्तर भारतीय खाना बहुत पसंद है।

सुषमा : अरे! जयश्री भाभी, मुझे दक्षिण भारतीय व्यजंन बहुत पसंद हैं। दोसा, इडली, उत्तपम तथा सांभर विशेष रूप से पसंद हैं।

रंगनाथन : भाभीजी, आज आपने मेरी पसंद की कौन-कौन सी चीज़ें बनाई हैं?

रमेश : रंगनाथन जी, अभी आपके सामने आपकी पसंद की चीज़ें आ जाएँगी-जमकर खाना खाइए।
(सुषमा मेज़ पर तरह-तरह के व्यंजन रखती है। सब खाना शुरू करते हैं।)

जयश्री : यह कौन सी दाल है? मुझे पसंद आई। सब्ज़ियाँ भी बहुत स्वादिष्ट हैं। मुझे दाल और सब्ज़ी थोड़ी और चाहिए।

सुषमा : यह लीजिए, यह अरहर की दाल है। उत्तर प्रदेश के लोग इसे बहुत पसंद करते हैं। थोड़ी मिठाई भी लीजिए न।

जयश्री : मुझे मिठाई पसंद नहीं है। मैं मिठाई नहीं खाती। एक दिन हमारे यहाँ खाने के लिए आइए। आपकी पसंद के दक्षिण भारतीय व्यंजन बनाऊँगी।

रमेश : हम दोनों अवश्य आएँगे। हम दोनों को दक्षिण भारतीय व्यंजन बहुत पसंद हैं।
रंगनाथन : अगले रविवार का दिन पक्का रहा। भाभी जी मुझे एक गिलास पानी चाहिए।
जयश्री : सुषमा जी, मुझे भी एक गिलास पानी चाहिए।

<u>शब्दार्थ</u> :

तबीयत	:	condition/health	स्वस्थ	:	healthy
खुशी होना	:	to be happy	व्यंजन	:	dishes
अगले	:	next	भाभी	:	elder brother's wife
अंदर	:	inside	पेय	:	drink
पसंद	:	liking	कच्चा आम	:	raw mango
दाल	:	pulse	अरहर की दाल	:	a kind of pulse

<u>टिप्पणियाँ</u> :

पना = In North India 'Pana' is a drink made of unriped mango. It is generally taken in summer season.

अरहर की दाल = A popular pulse of India that has a distinct flavour and taste.

<u>हालचाल जानने संबंधी शब्द</u> :

प्रश्न : कहिए कैसे हैं?
उत्तर : मैं ठीक हूँ। मैं अच्छा/अच्छी हूँ।
प्रश्न : क्या हाल है?
उत्तर : मैं ठीक हूँ। मैं अच्छा/अच्छी हूँ।
प्रश्न : अब आपकी तबीयत कैसी है?
उत्तर : ठीक/अच्छी है।
प्रश्न : घर में सब ठीक-ठाक हैं?
उत्तर : सब ठीक हैं।

<u>व्याकरणिक टिप्पणी</u> : " कर्ता" के साथ "को" विभक्ति का प्रयोग करने पर निम्नलिखित रूप बनते हैं।

कर्ता + को

मैं	+	को	=	मुझको/मुझे	हम	+	को	=	हमको/हमें
तुम	+	को	=	तुमको/तुम्हें	आप	+	को	=	आपको
वह	+	को	=	उसको/उसे	वे	+	को	=	उनको/उन्हें

<u>बोध प्रश्न</u> :

1. रंगनाथन देरी से आने के लिए क्या कहते हैं?
2. सुषमा किस बात पर खुश होती है?
3. पना किससे बनाया जाता है?
4. सुषमा को कौन-सा व्यंजन पसंद है?
5. अरहर की दाल कहाँ ज्यादा पसंद की जाती है?

मौखिक अभ्यास

<u>स्थानापत्ति अभ्यास</u> :

1. मुझे <u>आम</u> पसंद है।
   (सेब, लीची, संतरा, अनार)
2. मुझे <u>नीला</u> रंग बहुत पसंद है।
   (पीला, काला, हरा, गुलाबी)
3. हमें <u>करेला</u> बिल्कुल पसंद नहीं है।
   (भिंडी, गोभी, लौकी, बैंगन)
4. क्या आपको <u>गेंदे</u> का फूल पसंद है?
   (गुलाब, चमेली, कमल)
5. क्या तुम्हें <u>बर्फी</u> बहुत पसंद है?
   (रसगुल्ला, जलेबी, गुलाब जामुन)
6. <u>राधा</u> को भिंडी बहुत पसंद है।
   (मेरे भाई, मेरी बहन, चाचा जी)
7. <u>गोपाल</u> तुम्हें क्या चाहिए?
   (रमेश, विजयपाल, दिनेश, अजय)
8. <u>मीरा जी</u>, आपको पानी चाहिए?
   (राधा जी, श्रीमती कमला, सुमन जी)
9. मुझे <u>नई घडी</u> चाहिए।
   (नया सूट, नई चप्पल, नई कमीज़)
10. हमें <u>गरम पानी</u> बिल्कुल नहीं चाहिए।
    (ठंडा पानी, कॉफ़ी, चाय)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u> :

नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर बोलिए।

नमूना : राम पानी चाहता है।
राम को पानी चाहिए।

1. आप क्या चाहते हैं?
2. अनिल जी घड़ी चाहते हैं।
3. लक्ष्मी नई साड़ी चाहती है।
4. श्रीमती कश्यप स्कूटर चाहती हैं।
5. हम नई किताबें चाहते हैं।

<u>प्रश्नोत्तर अभ्यास</u> :

नमूने के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्द से उत्तर दीजिए।

नमूना : आपको कितने रुपये चाहिए? (दस)
मुझे दस रुपये चाहिए।

1. तुम्हें कैसा कपड़ा चाहिए? (रेशमी)
2. आपको कितना गेहूँ चाहिए? (दस किलो)
3. पार्थ को कितने बजे उठना चाहिए? (छह बजे)
4. राकेश को कौन सी किताब चाहिए? (हिंदी की)
5. श्रीमती नीता को कौन सी गाड़ी चाहिए? (मारूति)

<u>संवाद</u> : (खाने की मेज़ पर)

निम्नलिखित वाक्यों के उचित संयोग से शिक्षार्थी आपस में संवाद करें।

आपको गोभी पसंद है?	मुझे आलू बहुत पसंद है।
आपको चीनी चाहिए?	मुझे थोड़ा नमक चाहिए।
आप कॉफ़ी लेंगे/लेंगी?	मैं कॉफ़ी नहीं पीता/पीती।
बर्फी लीजिए।	थोड़ी दाल लीजिए।

> हिंदी की प्रगति से देश की सभी भाषाओं की प्रगति होगी।
>
> \- डॉ. जाकिर हुसैन

पाठ - 31

दुकान में

अच्छा लगता है।
मिलता है।

दुकानदार : आइए साहब आइए। आपको क्या चाहिए?

ग्राहक : हमें टूथपेस्ट, नहाने का साबुन और कपड़े धोने का पाउडर दिखाइए।

दुकानदार : यह देखिए, कोलगेट टूथपेस्ट, यह बबूल टूथपेस्ट और यह है डाबरलाल, कौन-सा दूँ।

ग्राहक : हमें कोलगेट दीजिए। दो सौ ग्राम ट्यूब का क्या दाम है?

दुकानदार : पैंसठ रुपए।

ग्राहक : यह तो महँगा लगता है।

दुकानदार : महँगा नहीं है साहब, दाम ठीक है। ले लीजिए।

ग्राहक : अच्छा दे दीजिए। साबुन दिखाइए।

दुकानदार : यह लीजिए। यह छोटा और यह बड़ा साबुन है। कौन-सा लेंगे?

ग्राहक : बड़ा दीजिए। कितने का है?

दुकानदार : बीस रुपए का।

ग्राहक : दो टिकिया दे दीजिए।

दुकानदार : साहब, मेरी बात मानिए तो आप यह साबुन लीजिए। इसके साथ साबुनदानी मुफ़्त मिलती है।

ग्राहक : ठीक है, इसकी दो टिकिया दे दीजिए।

दुकानदार : बहुत अच्छा। और बोलिए?

ग्राहक : अच्छा, कपड़े धोने का सबसे अच्छा पाउडर कौन-सा है।

दुकानदार : यह सबसे बढ़िया है।

ग्राहक : यही दीजिए।

दुकानदार : छोटा दूँ, मीडियम या बड़ा?

ग्राहक : बड़ा दीजिए।

दुकानदार : और क्या दूँ, साहब?

ग्राहक : चाय।

दुकानदार : चाय तो हमारे यहाँ नहीं मिलती, साहब। और कहिए?

ग्राहक : बस। बिल बना दीजिए।

दुकानदार : यह लीजिए आपका बिल।

ग्राहक : ये लीजिए पैसे।

दुकानदार : ये लीजिए बाकी पैसे, गिन लीजिए।

ग्राहक : (गिनकर) ठीक है।

दुकानदार : नमस्ते साहब।
ग्राहक : नमस्कार।

शब्दार्थ :

साबुन	:	soap	कपड़े धोने का पाउडर	:	washing powder
महँगा	:	costly	दाम/मूल्य/कीमत	:	price
साबुनदानी	:	soap case	सस्ता	:	cheap/not costly
मुफ़्त	:	free	सबसे बढ़िया/सबसे अच्छा	:	best
बाकी पैसे	:	balance	गिनना	:	to count

विलोम शब्द:

महँगा	x	सस्ता
अच्छा	x	बुरा
बढ़िया	x	घटिया

पर्यायवाची शब्द:

धन्यवाद	=	शुक्रिया
ग्राहक	=	खरीददार
कीमत	=	दाम, मूल्य

बोध प्रश्न:

1. ग्राहक को क्या-क्या सामान चाहिए?
2. दुकानदार बड़े साबुन की क्या कीमत बताता है?
3. ग्राहक कपड़े धोने के पाउडर का कौन-सा पैकेट खरीदता है?
4. दुकानदार के यहाँ क्या नहीं मिलता?
5. पैसों के बारे में दुकानदार क्या कहता है?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास:

1. साहब जी, यह कपड़ा लीजिए। (लेना)
   (देखना, खरीदना)
2. शीला, यहाँ आओ। (आना)
   (बैठना, खड़ा होना, पढ़ना, खेलना)
3. मुझे आम अच्छा लगता है।
   (केला, अनार, अंगूर, सेब, पपीता)
4. मुझे यह घड़ी महँगी लगती है।
   (कलम, अँगूठी, साड़ी)
5. मेरे पास कंप्यूटर भी है।
   (कार, मोबाइल फ़ोन, कैमरा, घड़ी, इंक पेन)

6. क्या तुम्हारे पास <u>पेंसिल</u> है?
   (रबर, पेन, शार्पनर, क्लिप)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u>

<u>नमूना:</u> मुझे यह कपड़ा पसंद है।
मुझे यह कपड़ा अच्छा लगता है।

1. राम को कॉफ़ी पसंद है।
2. उसे दूध पसंद है।
3. मुझे किताबें पसंद हैं।
4. तुम्हें क्या पसंद है?
5. उन्हें फ़िल्म देखना पसंद है।

<u>संवाद:</u>

कपड़े की दुकान पर बातचीत
(कितना, खरीदना, कौन-सा)

1. सूट का कितना कपड़ा चाहिए?
2. आपको कौन-सा रंग अच्छा लगता है?
3. पैंट के लिए कितना कपड़ा खरीदना है?

<u>स्थानापत्ति अभ्यास:</u>

1. सामान **पहले** प्लेटफार्म पर लाओ।
   (दूसरे, तीसरे, चौथे, पाँचवें)
2. ये लीजिए, **सौ** रुपए।
   (दस, ढाई, दो, साढ़े चार)
3. भाई साहब, थोड़ी **चाय** लीजिए।
   (कॉफी, मिठाई, चीनी, नमकीन)
4. सुनो, वहाँ मत **बैठो**। (बैठना)
   (जाना, खड़ा होना, देखना, खेलना, घूमना)

<u>रूपांतरण अभ्यास:</u>

1. मुझे यह **रंग** बहुत अच्छा लगता है।
   मुझे यह **रंग** बिल्कुल अच्छा नहीं लगता।
   (कमीज़, फ़िल्म, होटल)

2. मेरे पास **कंप्यूटर** नहीं है।
   मुझे एक **कंप्यूटर** चाहिए।
   (कार, बंगला, कैमरा, मोबाइल, फ़ोन)
3. मेरे पास **कंप्यूटर** है।
   मुझे **कंप्यूटर** नहीं चाहिए।
   (कार, कैमरा, मोबाइल, फ़ोन)

प्रश्नोत्तर अभ्यास:

नमूने के अनुसार उत्तर दें।

ग्राहक : आपके पास निप्पो सैल है?

दुकानदार : आजकल यह सैल नहीं मिलता।

संवाद:

छात्र ग्राहक और दुकानदार के पात्रों का अभिनय करें।

इसमें संदेह नहीं कि राष्ट्रीय एकता में हिंदी का स्थान महत्वपूर्ण है।
-निजलिंगप्पा

मैं करूँ।
हम करें।
मैं जाना चाहता हूँ।

पाठ - 32
यात्रा की तैयारी

पत्नी : उफ़, इस साल गर्मी बहुत है। बताइए, क्या करें?

पति : चलो, पहाड़ पर चलें। ठंडी-ठंडी हवा का आनंद लें। बोलो, कहाँ जाना चाहती हो- शिमला या अल्मोड़ा?

पत्नी : मैं तो कौसानी चलना चाहती हूँ। उसे भारत का स्विट्जरलैंड कहते हैं। कौसानी कवि सुमित्रानंदन पंत का जन्म स्थान भी है।

पति : तब तो अल्मोड़ा ठीक है। वहाँ से कोसानी पास है। वहाँ अच्छे होटल भी हैं।

पत्नी : सुझाव तो ठीक है, मगर गाड़ी में रिज़र्वेशन शायद न मिले?

पति : क्यों न हम बस से चलें?

पत्नी : न बाबा न, एक तो पहाड़ का रास्ता और दूसरे बस की यात्रा।

पति : कोई बात नहीं। हम टैक्सी से चलते हैं। मेरा एक मित्र है संजय कुमार। वह टैक्सी चलाता है। उसे फ़ोन करूँ?

पत्नी : यह भी कोई पूछने की बात है? अभी कीजिए।

पति : चिंता न करो। टैक्सी का इंतज़ाम पक्का समझो। अब यात्रा की तैयारी शुरू करें?

पत्नी : चार जोड़ी कपड़े काफी हैं। और क्या-क्या चीज़े लें?

पति : पहाड़ पर हल्की ठंड पड़ सकती है। स्वेटर और ऊनी शाल रख लो।

पत्नी : और क्या ले चलें?

पति : शायद वहाँ पर बारिश भी हो। छतरी या रेन-कोट रख लें। अच्छा, यह बताओ, कब लौटना चाहती हो?

पत्नी : शुक्रवार शाम को।

पति : अच्छी बात है। टैक्सी के लिए अभी फ़ोन करता हूँ।

शब्दार्थ :

गर्मी	heat/summer	ऊनी	woolen
इंतज़ाम	arrangement	सुझाव	suggestion
साल	year	न बाबा न	no-never/not at all
पक्का	sure	क्यों न	why not
जन्म स्थान	place of birth	छतरी	umbrella

टिप्पणी : सुमित्रानंदन पंत- हिंदी के मशहूर कवि। पंत जी की कविताओं में हिमालय और प्रकृति का सुंदर वर्णन मिलता है।

व्युत्पन्न शब्द :

विशेषण से संज्ञा:		संज्ञा से विशेषण:	
गर्म	- गर्मी	पहाड़ -	पहाड़ी
तैयार	- तैयारी	ऊन -	ऊनी
ठंडा	- ठंडक	मैदान -	मैदानी

पर्यायवाची शब्द :

साल	=	वर्ष	मित्र	=	दोस्त
ठंड	=	सर्दी	इंतज़ाम	=	प्रबंध
मगर	=	लेकिन	बारिश	=	वर्षा

विलोम शब्द :

गर्मी	x	सर्दी	शाम	x	सुबह
ठीक	x	गलत	शुरू करना	x	खत्म करना
हल्का	x	भारी	पक्का	x	कच्चा

व्याकरणिक टिप्पणी :

संभाव्य भविष्यत् काल का प्रयोग सुझाव तथा अनुमति में भी किया जाता है। संभाव्य भविष्यत काल में मूल धातु में ऊँ, ए, एँ तथा ओ जोड़ा जाता है।

उदाहरण :

जा	+	ऊँ	=	जाऊँ।			कर	+	ऊँ	=	करूँ।
जा	+	ए	=	जाए।			कर	+	ए	=	करे।
जा	+	एँ	=	जाएँ।			कर	+	एँ	=	करें।
जा	+	ओ	=	जाओ।			कर	+	ओ	=	करो।

अन्य क्रियाएँ:

मैं	लूँ	दूँ
हम/आप/ वे	लें	दें
तुम	लो	दो
वह	ले	दे
वे	लें	दें

ध्यान दें :

चलो, चलें	-	Let us go.
मैं चलूँ ?	-	May I go?
शायद बारिश हो	-	It may rain.

बोध प्रश्न :

1. गर्मी में लोग कहाँ जाना चाहते हैं?
2. कौसानी किसका जन्म स्थान है?
3. बस से अल्मोड़ा जाने में क्या परेशानी है?
4. पति-पत्नी क्या-क्या चीजें ले जा रहे हैं?
5. छतरी क्यों ले जानी चाहिए?

स्थानापति अभ्यास:

1. क्या, मैं पार्टी में **चावल** खाऊँ?
   (पूरी/ रसगुल्ला/ फल/ इडली/ गुलाब जामुन)
2. हम **शुक्रवार** शाम को निकलें?
   (कल/रविवार/बुधवार/परसों/सोमवार)
3. मैं वहाँ **बैठूँ**? (बैठना)
   (खाना खाना/ काम करना/ सोना/ किताब पढ़ना/ आराम करना)
4. हम कब **खाना खाएँ**? (खाना-खाना)
   (चाय पीना/ फ़िल्म देखना/ घूमना/ उठना/ लौटना)
5. **पिता जी** अखबार पढ़ें।
   (चाचाजी/ आप/ महिलाएँ/ हम/ वे लोग)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूना : अच्छा, मैं थोड़ी देर आराम करूँ।
अच्छा, हम थोड़ी देर आराम करें।

1. क्या, मैं यहाँ से जल्दी निकलूँ?
2. बताओ, अब मैं क्या करूँ?
3. चलो, आज मैं ही खाना बनाऊँ?
4. बोलो, घरवालों से मैं क्या कहूँ?
5. मैं थोड़ी देर टी०वी० देखूँ?

<u>संवाद</u> : प्रशिक्षार्थी आपस में अनुमति सूचक वाक्यों का प्रयोग करते हुए खरीददारी के सिलसिले में संवाद करेंगे। क्या वाले प्रश्न के तीन उत्तर हो सकते हैं।

हाँ/ नहीं/ तीसरा विकल्प। अपनी इच्छानुसार चयन करते हुए संवाद को आगे बढ़ाएँ।

क्या मैं आज शिमला जाऊँ? हाँ, आप आज ही शिमला जाइए।
नहीं, आप कल शिमला जाइए।
नहीं, आप शिमला नहीं नैनीताल जाइए।

<u>स्थानापत्ति/रूपांतरण अभ्यास</u> :

1. मैं यहाँ से सीधे **घर** जाना चाहता हूँ।
   (बाज़ार/ थिएटर/ रेलवे स्टेशन/ दफ़्तर/ माल रोड)
2. **आप** मैसूर में क्या-क्या देखना चाहते हैं?
   (वे लोग/ शीला/ तुम/ लड़कियाँ/ राकेश)
3. हम आज शाम को **फ़िल्म देखना** चाहते हैं।
   (गाना सुनना/ बाहर खाना खाना/ नाटक देखना/ पार्क में घूमना/ घर में आराम करना)
4. क्या तुम जयपुर में **साड़ी** खरीदना चाहती हो?
   (रजाई/ ऊनी शाल/ जयपुरी जूते/ चूड़ियाँ/ लाख के खिलौने)
5. लोग गर्मियों में **पहाड़ों पर** जाना चाहते हैं।
   (अल्मोड़ा/ ऊटी/ नैनीताल/ शिमला/ काठमांडू)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u> :

नमूना : मैं रोज़ फुटबाल नहीं खेलता।
मैं आज फुटबाल खेलना चाहता हूँ।

1. हम रोज़ भेलपुरी नहीं खाते।
2. लीला हमेशा फ़िल्म नहीं देखती।
3. जोसेफ रोज़ पियानो नहीं बजाता।
4. पिता जी अक्सर कविता नहीं सुनते।

<u>ट्रैवल एजेंट से संवाद</u> :

आप छुट्टियों में मैसूर जाना चाहते हैं। रिज़र्वेशन, होटल में कमरे का प्रबंध, देखने लायक स्थान आदि की जानकारी के लिए ट्रैवल एजेंट के पास जाते हैं। ट्रैवल एजेंट के साथ आपका जो संवाद होता है उसे लिखिए।
आपके प्रश्न इस प्रकार हो सकते हैं-

क्या मैसूर के लिए सीधी गाड़ी है? रिज़र्वेशन की क्या स्थिति है? क्या होटल में कमरा मिल सकता है? वृंदावन गार्डन कितनी दूर है?......................

ट्रैवल एजेंट के प्रश्न हो सकते हैं-

आप किस तारीख को जाना चाहते हैं? किस दर्ज़े में यात्रा करना चाहते हैं? कहाँ-कहाँ घूमना चाहते हैं? आप कितने दिन के लिए जाना चाहते हैं?.........................

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. मोहन लाल यहाँ नहीं है, शायद अंदर हो।
   (दफ़्तर में/ थिएटर में/ रेस्तरां में/ ऊपर वाले कमरे में)
2. नायर साहब दफ़्तर में नहीं हैं, शायद घर में हों।
   (खन्ना जी/ मोहन लाल/ श्रीमती सुधा/ खान साहब)
3. मंत्री जी शहर में नहीं हैं, शायद बाहर हों।
   (दौरे पर/ गाँव में/ अमरीका में)
4. आज बारिश नहीं हो रही है, शायद कल बारिश हो।
   (रविवार को/ परसों/ अगले सप्ताह)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूना: शायद **वह** रेस्तराँ में हो।

शायद **वे** रेस्तराँ में हों।

1. शायद **मेरा बेटा** घर में न हो।
2. शायद **वह लड़की** होस्टल में हो।
3. शायद दुकान में **अंडा** न हो।
4. शायद अलमारी में **कपड़ा** न हो।

संवाद:

व्यक्तियों के बारे में पूछताछ :

आपको ज़रूरी काम से नायर साहब से मिलना है। अपने मित्रों से उनके बारे में पूछें।
नायर साहब कहां हैं? घर में हैं? छुट्टी पर तो नहीं हैं? क्या वे गाँव गए हैं?

आपको तरह-तरह के उत्तर मिल रहे हैं।

एक कहता है शायद वे छुट्टी पर हों। दूसरा कहता है शायद वे बीमार हों।

हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।
- महर्षि दयानंद

पाठ - 33

डिस्पेंसरी में

मुझे दर्द है।
हमें भूख लगी है।

मेहता : नमस्ते, डॉक्टर साहब।

डॉक्टर : आइए, कहिए, आपको क्या तकलीफ़ है?

मेहता : डॉक्टर साहब, यह मेरा बेटा मोहन है। इसे कल से बुखार है। इसके शरीर में दर्द भी है। मुझे बहुत चिंता है।

डॉक्टर : बेटे, ज़रा मेरे पास आओ। तुम्हें क्या तकलीफ़ है, ...बताओ।

मोहन : डॉक्टर साहब, मुझे रात को खाँसी आती है। एक पल भी चैन नहीं आता। खाँसी से नींद भी नहीं आती।

(डॉक्टर स्टेथोस्कोप से मोहन की जाँच करते हैं।)

डॉक्टर : तेज़ साँस लो। अपनी जीभ दिखाओ बेटे, शाबाश।

मेहता : डॉक्टर साहब, कोई परेशानी की बात तो नहीं?

डॉक्टर : नहीं, चिंता की कोई बात नहीं। आपके बेटे का गला खराब है। छाती में शायद बलगम है। एक्सरे कराना ठीक रहेगा।

मेहता : डॉक्टर साहब, एक्सरे कहाँ कराएँ ?

डॉक्टर : क्यों? आपको सी०जी०एच०एस० डिस्पेंसरी की सुविधा मिलती ही है। आपको वहीं जाना चाहिए। मैं पर्ची पर लिख देता हूँ।

मेहता : मोहन को खाने में क्या दूँ, डॉक्टर साहब?

डॉक्टर : इसे फल और ताज़ी सब्ज़ियाँ दीजिए।

मोहन : डॉक्टर साहब, मुझे संतरा और सेब पसंद हैं। खा सकता हूँ?

डॉक्टर : हाँ, खूब फल खाओ।

मेहता : डॉक्टर साहब, इसे दूध दूँ या कॉफ़ी?

डॉक्टर : चाय-कॉफ़ी नहीं, सिर्फ दूध दीजिए।

मेहता : ठीक है, डॉक्टर साहब और कोई दवा?

डॉक्टर : तीन दवाएँ लिख रहा हूँ। चार-चार घंटे के अंतराल से ये दवाएँ मोहन को दीजिएगा।

मेहता : धन्यवाद, डॉक्टर साहब, नमस्ते।

डॉक्टर : नमस्ते।

<u>शब्दार्थ:</u>

तकलीफ	: problem	ठंड	: cold
बुखार/ज्वर	: fever	जांच	: test
शरीर	: body	सुविधा	: facility
चिंता	: anxiety/worry	सरकारी	: government
चैन	: relief	फल	: fruit
नींद	: sleep	सब्ज़ियाँ	: vegetables
जीभ	: tongue	संतरा	: orange
साँस लेना	: breathing	सेब	: apple
परेशानी	: worry	दवा	: medicine

<u>विलोम शब्द :</u>

तकलीफ़	x	आराम	तेज	x	धीरे
पास	x	दूर	सरकारी	x	गैर-सरकारी
चैन	x	बेचैन	ताज़ी	x	बासी

<u>बोध प्रश्न :</u>

1. मोहन को क्या तकलीफ़ है?
2. मोहन अपनी तकलीफ कैसे बताता है?
3. डॉक्टर सी.जी.एच.एस. डिस्पैंसरी जाने की सलाह क्यों देते हैं?
4. डॉक्टर साहब मोहन को क्या खाने-पीने को कहते हैं?
5. मोहन को दवाएँ कब-कब देनी हैं?

<u>सर्वनामों का वाक्यों में प्रयोग देखिए:</u>

1. मुझे बुखार है।
2. हमें खुशी है।
3. तुम्हें क्या तकलीफ है?
4. आपको खाँसी भी है।
5. उसे आराम है।
6. उन्हें कोई बीमारी नहीं है।

<u>ध्यान दें :</u>

चोट/ भूख/ प्यास	लगना
नींद/ याद/ बुखार/ खाँसी	आना
चिंता/ दर्द/ तकलीफ़	होना

मौखिक अभ्यास

<u>स्थानापत्ति अभ्यास :</u>

1. मोहन को <u>दो दिन से</u> बुखार है।
   (परसों से, कल शाम से, बुधवार से, चार दिन से, एक हफ़्ते से)
2. <u>पिताजी को</u> घुटनों में दर्द है।
   (श्री सक्सेना को, नीलम को, गणेशन को, श्रीमती वर्मा को, उनको)
3. <u>बच्चे को</u> बहुत बुखार है।
   (उसे, उन्हें तुम्हें, हमें, इन्हें)

<u>रूपांतरण अभ्यास :</u>

नमूना : मैं परेशान हूँ।
मुझे परेशानी है।

1. राम एक महीने से बीमार है।
2. वे बहुत दुखी हैं।
3. मेहमान रात में यहाँ परेशान होंगे।
4. गर्मी की वज़ह से मैं बेचैन हूँ।
5. गीता बहुत खुश है।
6. रमेश बहुत चिंतित है।

नमूना : मैं हिंदी जानता हूँ।
मुझे हिंदी आती है।

1. वह टाइपिंग जानता है।
2. गीता सिलाई जानती है।
3. रमेश तैरना जानता है।
4. हम जर्मन जानते हैं।
5. वे उर्दू लिखना जानते हैं।
6. तुम सितार बजाना जानते हो?
7. आप कार चलाना जानती हैं?

संवाद : दो मित्र एक दूसरे का हालचाल पूछ रहे हैं।
(क्या हाल है ? ठीक हूँ, तबीयत ठीक नहीं है, दो दिन से बुखार है, बढ़िया है आदि का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।)

नमूना :

1. क्या आपको सरदर्द है?
   हाँ, मुझे सरदर्द है।
   नहीं, मुझे सरदर्द नहीं है।
2. आपको हल्का बुखार है। (खाँसी, ज़ुकाम, फ्लू, बुखार, तकलीफ़)
   डॉक्टर को दिखाकर- (क्या खाऊँ, दफ़्तर जाऊँ, आराम करूँ, न खाऊँ, कब आऊँ आदि से वाक्यों को बनाकर बातचीत का अभ्यास कीजिए।)

हिंदी में अखिल भारतीय भाषा बनने की क्षमता है।
-राजा राम मोहन राय

पाठ - 34
क्रिकेट मैच
(आँखों देखा हाल)

सातत्यबोधक वर्तमान
वह ....रहा है /रही है।
वे ....रहे हैं/रहीं हैं।

यह आकाशवाणी है। इस समय आप भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल मैच का आँखों देखा हाल सुन रहे हैं। भारत, इंग्लैंड के तीन सौ पच्चीस रन का पीछा कर रहा है। एक-एक रन के साथ भारत जीत की तरफ बढ़ रहा है। दर्शक ढोल-नगाड़े पीट रहे हैं। कुछ दर्शक तिरंगा लेकर दौड़ रहे हैं। आकाश में तिरंगे गुब्बारे भी दिखाई दे रहे हैं। लॉर्डस के एतिहासिक मैदान में पहली बार इतना उत्साह दिखाई दे रहा है। तिरंगे को लहराता देखकर इंग्लैंड में लघु भारत का दृश्य दिखाई दे रहा है।

गेंदबाज हर तरह की गेंद फेंक रहे हैं लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज मोहम्मद कैफ़ आज गेंदबाजों की गेंदों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं। हर गेंद को वे आसानी से खेल रहे हैं। गेंदबाजों को कामयाबी नहीं मिल रही है। गेंद बल्ले से लगकर तेज गति से सीमा रेखा की ओर जा रही है, दो खिलाड़ी उसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं और भारत के खाते में दो और रन। अब भारत को जीत के लिए केवल एक रन की ज़रूरत है और यह रही गेंदबाज की अगली गेंद। गेंद बल्ले के निचले सिरे से लगकर तेज़ी से ऑफ़साइड की ओर सीमा रेखा की तरफ जा रही है। क्षेत्ररक्षक गेंद रोकने में असमर्थ, और यह रहा चौका। इसी के साथ भारत ने दो विकेट से जीत हासिल कर त्रिकोणीय श्रृंखला जीत ली है।

दर्शक उत्साहित हैं। भीड़ मैदान की ओर दौड़ रही है। भारतीय टीम के कप्तान सौरभ गांगुली भी खुद को संभाल नहीं पा रहे हैं। वे अब अपनी कमीज़ उतारकर हवा में लहरा रहे हैं। भीड़ तिरंगा लहराते हुए भारत माता की जय बोल रही है। इंग्लैंड के खिलाड़ी भी खड़े होकर भारतीय टीम का सम्मान कर रहे हैं। भारत की इस ऐतिहासिक जीत के साथ हम स्टूडियो वापस चलते हैं।

<u>शब्दार्थ :</u>

एक दिवसीय	:	one day	गेंदबाज़	:	bowler
आँखों देखा हाल	:	live commentary	गेंद	:	ball
पीछा करना	:	to follow/chase	मध्यक्रम	:	middle order
ढोल-नगाड़े	:	drums	धकेलना	:	to push
लहराना	:	to wave	तेज़ गति	:	high speed
पताका	:	flag	खाता	:	account
आकाश	:	sky	ज़रूरत	:	necessity
उत्साह	:	enthusiasm	क्षेत्ररक्षक	:	fielder

लघु भारत	:	mini India	असमर्थ	:	unable
दृश्य	:	scene	ऐतिहासिक	:	historical
जीत	:	victory	भीड़	:	crowd
कमीज़	:	shirt	तिरंगा	:	tricolour
त्रिकोणीय श्रृंखला	:	triangular series	खिलाड़ी	:	player
निचला हिस्सा	:	lower part	तरफ़	:	towards
सम्मान	:	honour	उतारकर	:	take off
दर्शक	:	viewer/spectator			

मुहावरे : धज्जियाँ उड़ाना -(किसी की) दुर्गति करना।

टिप्पणियाँ :

आकाशवाणी: 1. (स्त्री०)- वह शब्द जो आकाश से देवता लोग बोलें/देववाणी।
2. देश के समस्त रेडियो स्टेशनों का पारिभाषिक नाम आकाशवाणी है।

तिरंगा : भारत के राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा कहते हैं जो केसरिया, सफ़ेद और हरे तीन रंगों से बना है।

क्रिकेट संबंधी पारिभाषिक शब्द:

सलामी बल्लेबाज : (Opening batsman) जो बल्लेबाज पारी की शुरूआत करते हैं।

मध्यक्रम के बल्लेबाज : (Middle order batsman) तीन से सात नंबर तक के बल्लेबाजों को मध्यक्रम के बल्लेबाज कहा जाता है।

निचले क्रम के बल्लेबाज : (Lower order batsman) आठ से ग्यारह तक के नंबर के बल्लेबाजों को निचले क्रम के बल्लेबाज कहा जाता है।

गेंदबाजी : (Bowling)गेंदबाजी तीन तरह की होती है- तेज़, मध्यम और स्पिन गेंदबाजी।

बाउंसर : (Bouncer) जो गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बल्लेबाज के कंधे अथवा सिर के ऊपर से निकल जाए उसे बाउंसर कहते हैं।

नो बॉल : (No ball) गेंदबाज जब गेंदबाजी करते समय अपने अगले पैर को निर्धारित रेखा से पूरा आगे ले जाता है अथवा साइड वाली रेखा से बाहर की ओर निकलकर गेंद फेंकता है तो उसे नो बॉल कहते हैं।

चौका : (Four)जब गेंद बल्ले से लगकर अथवा किसी भी तरह से सीमा रेखा के अंदर कम से कम एक टप्पा पड़ने के बाद सीमा रेखा के बाहर चली जाए तो उसे चौका कहते हैं।

छक्का : (Sixer) जो गेंद गेंदबाज के हाथ से निकलने के बाद बल्ले से लगकर अथवा किसी भी प्रकार से मैदान में बिना अतिरिक्त टप्पा खाए, हवा में सीमा रेखा के ऊपर से बाहर चली जाए उसे छक्का कहते हैं।

वाइड बॉल : (wide ball)जो गेंद गेंदबाज के हाथ से निकलने के बाद बल्लेबाज की पहुँच से बाहर हो जिसे बल्लेबाज खेल न सकता हो, उसे वाइड बॉल कहते हैं।

ऑफ़ साइड : (Off side)जब बल्लेबाज खेलने के लिए खड़ा होता है तब उसके सामने की ओर की साइड को ऑफ़ साइड कहते हैं।

ऑन साइड : (On side) जब बल्लेबाज खेलने के लिए खड़ा होता है तो उसके पीछे (पीठ की ओर) की साइड को ऑन साइड कहते हैं। इसे ही लेग साइड भी कहते हैं।

<u>व्युत्पन्न शब्द</u> :

इतिहास - ऐतिहासिक	असमर्थ - असमर्थता
रक्षा - रक्षक	संभव - संभावना

<u>पर्यायवाची शब्द :</u>

आकाश = आसमान	दृश्य = नज़ारा
ज़रूरत = आवश्यकता	उत्साह = जोश
असमर्थ = लाचार	ध्वज = झंडा

<u>विलोम शब्द</u> :

समर्थ x असमर्थ	आकाश x पाताल
आवश्यक x अनावश्यक	उत्साहित x हतोत्साहित
तेज़ x मंद	लघु x विशाल
ज़रूरी x गैर ज़रूरी	प्रारंभ x अंत

<u>बोध प्रश्न :</u>

1. आप किसका आँखों देखा हाल सुन रहे हैं?
2. भारत इंग्लैंड के कितने रनों का पीछा कर रहा है?
3. लॉर्डस में कैसा दृश्य प्रतीत हो रहा है?
4. बल्लेबाज़ मोहम्मद कैफ़ किस क्रम में बल्लेबाज़ी कर रहे हैं?
5. भारतीय टीम के कप्तान सौरभ गांगुली ने भारत की जीत पर अपनी प्रतिक्रिया कैसे व्यक्त की?

सातत्यबोधक वर्तमान काल

(Present Continuous Tense)

पुरुष	(पु०) एकवचन (स्त्री०)	(पु०) बहुवचन (स्त्री०
उत्तम	मैं जा रहा/रही हूँ।	हम जा रहे/रही हैं।
मध्यम	तुम जा रहे/रही हो। आप जा रहे/रही हैं।	तुम लोग जा रहे/रही हो। आप लोग जा रहे/रही हैं।
अन्य	वह जा रहा/रही है। शेखर जा रहा है। (पु०) राधा जा रही है। (स्त्री०)	वे जा रहे/रही हैं। राम और श्याम जा रहे हैं। (पु०) सीता और गीता जा रही हैं। (स्त्री०) श्री दास जा रहे हैं। (आदरसूचक) श्रीमती दास जा रही हैं। (आदरसूचक)

मौखिक अभ्यास

<u>स्थानापत्ति अभ्यास :</u>

1. <u>सोहन</u> क्रिकेट खेल रहा है। (मोहन, गोपाल, बबलू, नागेश, धनपाल)
2. रोहन <u>शतरंज</u> खेल रहा है। (फुटबाल, हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन, लॉन टेनिस)
3. <u>शीला</u> दूरदर्शन पर फिल्म देख रही है। (राधा, अनुराधा, कोमल, सपना, रिंकी)
4. गीता <u>पत्रिका</u> पढ़ रही है। (मनोरमा, पुस्तक, सरिता, मुक्ता)
5. <u>वे</u> लखनऊ जा रहे हैं। (सोहन जी, निदेशक, पिता जी, सब लोग)
6. मेरे बड़े भाई साहब <u>इलाहाबाद</u> जा रहे हैं। (पटना, लखनऊ, वैशाली, लुंबिनी)
7. <u>मेरी माता जी</u> गाड़ी से आ रही हैं। (ममता और शीला, दोनों सहेलियाँ, भाभी जी, बहन जी, दादी जी)

रूपांतरण अभ्यास:

नमूना : वह पत्र टाइप कर रही है।
वे पत्र टाइप कर रही है।

1. वह गाड़ी चला रहा है।
2. वह गीत गा रही है।
3. लड़की खाना बना रही है।
4. लड़का किताब पढ़ रहा है।
5. मेरा भाई कानपुर जा रहा है।

प्रश्नोत्तर अभ्यास :

1. आपके पिता जी/चाचा जी क्या कर रहे हैं?
2. आपकी माँ/पत्नी/बहन क्या कर रही है?
3. आपका भाई/बेटा/लड़का क्या कर रहा है?
4. आपकी बहन/लड़की/बेटी क्या कर रही है?

(काम करना, अखबार पढ़ना, शतरंज खेलना, टी.वी. देखना)

संवाद :

कक्षा में क्या-क्या हो रहा है? (अध्यापक प्रशिक्षार्थियों से परस्पर वार्तालाप कराएँ)

नमूना : अध्यापक पढ़ा रहे हैं। पंखे चल रहे हैं। बत्तियाँ जल रही हैं।

रूपांतरण अभ्यास :

नमूना : मोहन रोज़ क्रिकेट खेलता है।
मोहन इस समय क्रिकेट खेल रहा है।

1. अहमद और नागेश रोज़ शतरंज खेलते हैं।
2. गीता रोज़ दूरदर्शन पर फ़िल्म देखती है।
3. मेरा भाई रोज़ भजन गाता है।
4. वे रोज़ बैडमिंटन खेलते हैं।
5. माता जी रोज़ मंदिर जाती हैं।
6. वे लोग रोज़ रेडियो पर समाचार सुनते हैं।
7. राधा और कमला रोज़ शास्त्रीय संगीत का अभ्यास करती हैं।

नमूना : मोहन इस समय क्रिकेट खेल रहा है।
मोहन रोज़ क्रिकेट खेलता है।

1. अहमद और नागेश इस समय बैडमिंटन खेल रहे हैं।
2. गीता इस समय नृत्य कर रही है।
3. वह इस समय कार चला रहा है।
4. वे इस समय शतरंज खेल रहे हैं।
5. माता जी इस समय घर की सफ़ाई कर रही हैं।
6. लोग इस समय क्रिकेट कमेंट्री सुन रहे हैं।
7. राधा और कमला इस समय खाना बना रही हैं।

प्रश्नोत्तर अभ्यास :

(फ़ोन पर बातचीत)

आप क्या कर रहे/रही हैं?

(टी.वी. देखना, अख़बार पढ़ना, खाना बनाना, घर का काम करना)

संवाद : (सड़क के यातायात का आँखों देखा हाल बताएँ)

पाठ - 35

फ़ोन पर

सातत्यबोधक वर्तमान
मैं जा रहा/रही हूँ।
हम जा रहे/रही हैं।
तुम जा रहे/रही हो।
आप जा रहे/रही हैं।

पात्र : मोहन (भाई)
रेणु (बहन)
मीरा (बड़ी बहन)
अमरनाथ (नौकर)
("ट्रिन-ट्रिन" घंटी बजती है)

नौकर : (फ़ोन उठाकर) हैलो। कौन बोल रहे हैं?

मीरा : मैं मीरा बोल रही हूँ। अमरनाथ बोल रहे हो?

अमरनाथ : हाँ, दीदी जी नमस्ते। मैं अमरनाथ बोल रहा हूँ। आप लोग कैसे हैं?

मीरा : अमरनाथ तुम कैसे हो?...हाँ, हम सब ठीक हैं। अच्छा, ज़रा रेणु को बुलाओ।

अमरनाथ : बहन जी, आपकी जीजी फ़ोन पर हैं।

रेणु : अभी आ रही हूँ। (आकर फ़ोन उठाती है) हैलो दीदी, नमस्ते। क्या हाल हैं? सब ठीक है?

मीरा : सब मज़े में हैं। तुम लोग क्या कर रहे हो ?

रेणु : आज छुट्टी है न। घर पर ही हैं। अभी तो कुछ कर नहीं रही हूँ। नाश्ता कर रही हूँ और रेडियो पर गाने सुन रही हूँ। हाँ, आजकल एक चित्र बना रही हूँ। कैनवस पर तैल चित्र है। समुद्र तट का दृश्य बना रही हूँ।

मीरा : बहुत अच्छा। तुम तो आजकल चित्रकारी सीख रही हो न?

रेणु : हाँ, तीन-चार महीने से सीख रही हूँ। हमारे घर के पास कला महाविद्यालय है, वहीं सीख रही हूँ।

मीरा : रोज़ चित्र बनाने का अभ्यास करती हो न?

रेणु : हाँ दीदी। रोज़ थोड़ी देर अभ्यास करती हूँ। फिर गुरू जी का दिखाती हूँ। वे मुझे सुझाव देते हैं। दीदी, मुझे लगता है कि मैं तेज़ी से सीख रही हूँ।

मीरा : बहुत अच्छा। और तुम्हारी पढ़ाई?

रेणु : ठीक चल रही है दीदी। आप क्या कर रही हैं?

मीरा : मैं एक उपन्यास पढ़ रही हूँ। भीष्म साहनी का उपन्यास है "तमस"। बहुत अच्छा है। दो-तीन दिन से पढ़ रही हूँ। इस पर फ़िल्म भी बनी है। आज शाम को देखने जा रही हूँ। अच्छा, मोहन कहाँ है?

रेणु : अभी बुलाती हूँ। भैया, जल्दी आओ। दीदी बात करना चाहती हैं।

मोहन : (फ़ोन उठाकर) हैलो दीदी। कैसे हैं आप सब? क्या चल रहा है?

मीरा : सब बढ़िया है। तुम बताओ, अभी क्या कर रहे हो?

मोहन : खास कुछ नहीं, अख़बार देख रहा हूँ।

मीरा : तुम्हारे संगीत का अभ्यास ठीक चल रहा है न?

मोहन : हाँ दीदी। अगले महीने कॉलेज़ में संगीत की प्रतियोगिता है। उसी की तैयारी कर रहा हूँ।

मीरा : क्या 'आइटम' पेश कर रहे हो? भजन?

मोहन : नहीं दीदी। इस बार रवींद्र संगीत की प्रतियोगिता है। हमारी टीम एक गीत गा रही है।

मीरा : बहुत अच्छा तुम रवींद्र संगीत कब से सीख रहे हो ?

मोहन : करीब चार महीने से। इसके लिए मैं बंगला भाषा भी सीख रहा हूँ।

मीरा : बढ़िया। तुम्हें अभी से हार्दिक बधाई। अच्छा, फ़ोन रखती हूँ।

मोहन : अच्छा दीदी।

<u>शब्दार्थ :</u>

नाश्ता करना :	to have breakfast	तैल चित्र	: oil painting
समुद्र तट :	beach	कला महाविद्यालय	: arts college
अभ्यास करना :	to practice	सुझाव	: suggestion
उपन्यास :	novel	खास कुछ नहीं	: nothing special
प्रतियोगिता :	competition	तैयारी	: preparation
तैयारी करना :	to prepare	पेश करना	: to present
करीब/लगभग :	approximately/about	हार्दिक बधाई	: hearty congratulation

<u>संबोधन के शब्द :</u>

भैया	: brother	दीदी	: sister

<u>सांस्कृतिक टिप्पणी :</u>

नृत्य (dance) : नृत्य के प्रकार हैं- भरत नाट्यम, कत्थक, कुचिपुड़ि, ओडिसी लोक नृत्य (folk dance)

संगीत (music): संगीत के प्रकार हैं - कर्नाटक संगीत (दक्षिणी), हिंदुस्तानी (उत्तरी), रवींद्र संगीत (पश्चिम बंगाल), गीत (song), लोकगीत (folk song) शास्त्रीय संगीत (classical music)

व्याकरणिक रचना:

सर्वनाम	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	सर्वनाम	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मैं	रहा हूँ	रही हूँ	हम	रहे हैं	रही हैं
तुम	रहे हो	रही हो	आप	रहे हैं	रही हैं
वह/यह	रहा है	रही है	वे/ये	रहे हैं	रही हैं

बोध प्रश्न:

1. अमरनाथ कौन है?
2. मीरा आज शाम को कहाँ जा रही हैं?
3. मीरा घर पर क्या कर रही है?
4. रेणु आजकल क्या सीख रही है?
5. मीरा आजकल क्या पढ़ रही है?
6. मोहन आजकल क्या सीख रहा है?
7. मोहन कौन-सी भाषा सीख रहा है?
8. मोहन किसकी तैयारी कर रहा है?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति/ रूपांतरण अभ्यास :

(क)
1. मैं अभी एक किताब पढ़ रहा/रही हूँ। (उपन्यास, कविता, कहानी)
2. मैं इन दिनों हिंदी भाषा सीख रहा/रही हूँ। (बंगला, मराठी, जर्मन)
3. मैं रोज़ शाम को टी.वी. पर फिल्म देखता/देखती हूँ। (सीरियल, समाचार, कार्टून)
4. मैं इस समय काम कर रहा/रही हूँ।(काम करना) (खेलना, पढ़ना, सोना)
5. हम लोग रोज़ शाम को क्रिकेट खेलते हैं। (टेनिस, फुटबॉल, हॉकी)

(ख)
1. मैं आज शाम को मंदिर जा रहा/रही हूँ। (घर, सिनेमा, होटल)
2. मैं अभी खाना खाने जा रहा/रही हूँ।(खाना-खाना) (पढ़ना, नहाना, सोना)
3. हम अगले साल लंदन जा रहे हैं। (न्यूयार्क, पेरिस, रोम)
4. हम ओडियन में फ़िल्म देखने जा रहे हैं। (वह, तुम, आप)
5. मेरा भाई शादी करने जा रहा है। (रमेश, शीला, दास साहब)

रूपांतरण अभ्यास:

नमूना : मैं रोज पाठ पढ़ता हूँ।
मैं इस समय पाठ पढ़ रहा हूँ।

1. हम हमेशा हिंदी फ़िल्म देखते हैं।
2. तुम शाम को क्या करते हो?
3. मैं सवेरे दूध पीता/पीती हूँ।
4. मैं रात को ब्रश करता/करती हूँ।
5. आप इन दिनों देर से क्यों आते हैं?

प्रश्नोत्तर अभ्यास:

1. आप कितने बजे उठते हैं?	(छह, सात, साढ़े छह)
2. आप कितने दिन से हिंदी सीख रहे हैं?	(दो महीने से, तीन महीने से,चार महीने से)
3. क्या आपके यहाँ बारिश हो रही है?	(हाँ/नहीं)
4. क्या इस वक्त हवा चल रही है?	(हाँ/नहीं)
5. आप टी.वी. पर सीरियल देखते/देखती हैं?	(हाँ/नहीं)
6. अभी आप क्या कर रहे/रही हैं?	(खाना बनाना, टी.वी. देखना)

संवाद :

अपने शौक आदि के बारे में परस्पर चर्चा करें। इन दिनों कौन-सा उपन्यास/ किताब पढ़ रहे हैं आदि।

क्रियाएँ- टी.वी. सीरियल देखना, सीखना, खेल सीखना, घर सजाना, लिखना आदि।

पाठ - 36
पिकनिक

भविष्यत
मैं ...... ऊँगा / ऊँगी
हम ऐंगे / ऐंगी
तुम ओगे / ओगी
आप एँगे / एँगी
वह एगा / एगी
वे एँगे / एँगी

अध्यापक : अगले रविवार को हम लोग कहीं पिकनिक के लिए चलें।

सुभाष : तब तो मज़ा आएगा सर, कहाँ चलेंगे?

अध्यापक : कहाँ चलेंगे, यह तो आप लोग ही तय करेंगे।

जावेद : सर, सूरजकुंड ठीक रहेगा।

गीता : नहीं सर, आगरा अच्छा रहेगा।

अध्यापक : नहीं गीता, हम इतनी दूर नहीं जाएँगे। सूरजकुंड चलेंगे।

गीता : कब चलेंगे?

अध्यापक : हम सुबह नाश्ता करके नौ बजे निकलेंगे और दस बजे वहाँ पहुँचेंगे, वहाँ घूमेंगे, खेलेंगे और गाना गाएँगे। बड़ा ही सुंदर पहाड़ी क्षेत्र है। बीच में कुंड बना है।

जावेद : अच्छा, खाने का क्या प्रबंध होगा?

सुभाष : दो विद्‌यार्थी मिठाई लाएँगे। दो विद्‌यार्थी नमकीन और दो विद्‌यार्थी फल लाएँगे।

अध्यापक : गीता और शीला पूड़ियाँ बनाकर लाएँगी और सुरेंद्र छोले लाएगा। रीटा केक लाएगी।

जावेद और सुरैया : और हम खीर लाएँगे।

अध्यापक : रविवार को बस साढ़े आठ बजे आ रही है। आप सब आठ बजे यहाँ पहुँचिए।

सुभाष : क्या सुषमा मैडम भी चलेंगी?

अध्यापक : नहीं, वे नहीं आएँगी। उनको कुछ काम है।

अध्यापक : क्या मीरा जी आएँगी।

सुभाष : मुझे मालूम नहीं। शायद नहीं आएँगी।

जावेद : सर, वहाँ मौसम कैसा रहेगा?

अध्यापक : आजकल बारिश हो रही है, इसलिए वहाँ मौसम सुहावना होगा।

शब्दार्थ :

कहीं	: somewhere	अच्छा	: good
ठीक	: good/all right	नाश्ता	: breakfast
दूर	: far/distant	पहुँचना	: to arrive/to reach
निकलना	: to start/to depart	कुंड	: pond
पहाड़ी क्षेत्र	: hilly area	मिठाई	: sweet
इंतज़ाम	: arrangement	छोले	: chickpeas/gram
अच्छा लगना	: to feel good	सुहाना/सुहावना	: pleasant
तय करना	: to fix/ to decide	मौसम	: climate
शायद	: probably/perhaps	मज़ा	: enjoyment

पर्यायवाची शब्द | **विलोम शब्द**

प्रबंध	=	इंतज़ाम	दूर	x	पास/नज़दीक
तय करना	=	निश्चित करना	अच्छा	x	बुरा
रविवार	=	इतवार	ठीक	x	गलत
सुबह	=	सवेरे	पहुँचना	x	निकलना/लौटना
विद्यार्थी	=	छात्र	सुबह	x	शाम

मौसम से संबंधित शब्द :

बारिश	-	rain	बारिश होना
हवा	-	wind/air	हवा चलना
धूप	-	sunlight	धूप होना/खिलना
बर्फ	-	snow	बर्फ पड़ना/गिरना

दिनों के नाम :

रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार।

महीनों के नाम :

जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्तूबर, नवंबर, दिसंबर।

व्याकरणिक रचना :

मुझे काम है	I have work.
मुझे जल्दी है	I am in a hurry.
मुझे मालूम है	I know.

बोध प्रश्न :

1. सब लोग पिकनिक पर कहाँ जाएँगे?
2. सब लोग पिकनिक पर कैसे जाएँगे?
3. सब लोग सूरजकुंड के लिए कब निकलेंगे?
4. क्या सब लोग खाना बाहर खाएँगे?
5. गीता और शीला क्या-क्या बनाकर लाएँगी?
6. सूरजकुंड में कैसा मौसम होगा?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. मोहन शाम को मंदिर जाएगा।
   (राकेश, दिलीप, राजीव, सुहेल, गोपाल)
2. राकेश सुबह सात बजे स्कूल जाएगा।
   (मंदिर, घर, दुकान, बाज़ार, पाठशाला)
3. सीता सवेरे सैर करेगी।
   (मोहिनी, रीता, कुसुम, तनूजा, स्नेह)
4. लड़कियाँ पार्क में खेलने जाएँगी। (खेलना)
   (पढ़ना, लिखना, देखना, घूमना, दौड़ना)
5. बच्चे रात में पाठ पढ़ेंगे।
   (किताब, कहानी, कविता, लेख, निबंध)
6. आज बारिश होगी।
   (कल, परसों, सुबह, रात को, शाम को)
7. मुझे मालूम नहीं।
   (नीता, राजेश, तुम, वह, वे)

प्रश्नोत्तर अभ्यास :

नमूना : गोपाल कितने बजे यहाँ आएगा?
वह सात बजे यहाँ आएगा।

1. राधा कितने बजे कॉलेज जाएगी?
   (सात बजे, आठ बजे, नौ बजे, दस बजे)
2. राधा और सीता कितने बजे स्कूल जाएँगी?
   (सात बजे, आठ बजे, नौ बजे)
3. कपूर साहब कब कॉलेज़ जाएँगे?
   (सुबह, दोपहर को, शाम को, सात बजे, आठ बजे)
4. बच्चे कहाँ खेलेंगे?
   (पार्क में, मैदान में, स्टेडियम में, छत पर)

संवाद :

आपके/आपकी मित्र यात्रा पर जा रहे/रही हैं। यात्रा संबंधी जानकारी के लिए बातचीत करें। (वे किस दिन जाएँगे, कैसे जाएँगे, कहाँ रहेंगे, कहाँ रुकेंगे, क्या-क्या देखेंगे, कब लौटेंगे, कैसे लौटेंगे आदि)

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. <u>उत्तर भारत</u> में दिसंबर-जनवरी में बहुत ठंड पड़ती है।
   (कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा)
2. भारत में <u>आंध्र प्रदेश</u> में बहुत गर्मी पड़ती है ।
   (राजस्थान, दिल्ली, तमिलनाडु, हरियाणा, उड़ीसा)
3. आज यहाँ बहुत <u>बारिश</u> हो रही है।
   (गर्मी, सर्दी, बरसात)
4. कल यहाँ बहुत <u>गर्मी</u> पड़ेगी। (गर्मी पड़ना)
   (बर्फ पड़ना, बारिश होना, सर्दी होना)
5. क्या <u>आज</u> बारिश होगी?
   (परसों, कल, सुबह, शाम को, रात को)

<u>**रूपांतरण अभ्यास**</u> :

नमूना : लिपिक रोज़ पत्र टाइप करता है।
लिपिक आज पत्र टाइप नहीं करेगा।

1. चेरापूंजी में रोज़ बारिश होती है।

2. श्री अमर्त्य सेन रोज़ शाम को घूमते हैं।
3. आप रोज़ टी.वी. देखते हैं।
4. नौकरानी रोज़ खाना बनाती है।
5. गोपाल रोज़ पाठ पढ़ता है।

नमूना : क्या वे आएँगे?
शायद नहीं आएँगे।
शायद न आएँ।

1. क्या यहाँ दूध का पैकेट मिलेगा?
2. क्या आप बैठक में भाग लेंगे?
3. क्या नीता बाज़ार जाएगी?
4. क्या वे लोग फ़िल्म देखेंगे?
5. क्या तुम कंप्यूटर सीखोगे?

नमूना : वह आज बाज़ार जा रहा है।
वह कल बाज़ार नहीं जाएगा।

1.	गणेशन इस साल विदेश जा रहा है।	(अगले साल)
2.	निदेशक आज काम कर रहे हैं।	(कल)
3.	वे आज मुंबई जा रहे हैं।	(कल)
4.	हम आज सिनेमा देखने जा रहे हैं।	(कल)
5.	लता इस साल पत्रकारिता में डिप्लोमा कर रही है।	(अगले साल)
6.	शोभा आज अंग्रेज़ी सिनेमा देखने जा रही है।	(कल)

संवाद :

अपने-अपने प्रदेश के बारे में परस्पर चर्चा करें।
जैसे : मौसम, खान-पान, रहन-सहन, त्योहार आदि।

पाठ - 37

क्रिया - सकर्मक
मैं हिंदी जानता हूँ।
मुझे हिंदी आती है।

साक्षात्कार

उम्मीदवार : नमस्ते।

बोर्ड का अध्यक्ष : नमस्ते, आप प्रियरंजन मुखर्जी हैं न? बैठिए।

मुखर्जी : धन्यवाद।

अध्यक्ष : अच्छा, आप नागपुर यूनिवर्सिटी के स्नातक हैं। बी.ए. में आपके विषय कौन-कौन से थे?

मुखर्जी : अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अंग्रेज़ी और हिंदी।

अध्यक्ष : क्या आपको मराठी भी आती है?

मुखर्जी : जी हाँ, मुझे मराठी भी आती है। अच्छी तरह लिख-पढ़ सकता हूँ।

सदस्य 1 : क्या आप टंकण, मेरा मतलब है, टाइपिंग जानते हैं?

मुखर्जी : जी हाँ, मैं हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों में टाइप कर सकता हूँ।

सदस्य : क्या आपको आशुलिपि यानी शार्टहैंड भी आती है?

मुखर्जी : जी, आजकल मैं हिंदी आशुलिपि सीख रहा हूँ। अंग्रेज़ी शार्टहैंड भी जानता हूँ।

सदस्य 2 : मुखर्जी यह बताइए, आपको लेखा का काम आता है?

मुखर्जी : इस समय मैं एक निजी कंपनी में काम कर रहा हूँ। वहाँ लेखा का काम का काम मैं ही देखता हूँ।

सदस्य 2 : अच्छा, बैलेंस शीट को हिंदी में क्या कहते हैं?

मुखर्जी : (ज़रा सोचकर) तुलन-पत्र।

सदस्य 2 : ठीक है। बताइए, हिंदी को संघ की राजभाषा कब बनाया गया?

मुखर्जी : क्षमा करें, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

अध्यक्ष : आप निजी कंपनी की नौकरी क्यों छोड़ना चाहते हैं?

मुखर्जी : कंपनी मुझे इटली भेजना चाहती है, लेकिन मेरे पिताजी का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। इसलिए इस समय मैं विदेश नहीं जा सकता।

अध्यक्ष : हम अहमदाबाद में एक शाखा खोलना चाहते हैं। यह पद अहमदाबाद के लिए हैं। क्या आप अहमदाबाद जा सकेंगे?

मुखर्जी : जी हाँ, खुशी से जा सकता हूँ। मेरी पत्नी गुज़राती है। उसका मायका अहमदाबाद में ही है।

अध्यक्ष : बहुत अच्छा, अब आप जा सकते हैं।

मुखर्जी : धन्यवाद।

शब्दार्थ:

स्नातक	graduate	राजनीति शास्त्र	political science
निजी	private	इतिहास	history
विषय	subject	पद	post
जानकारी	information/knowledge	क्षमा करें	excuse me
अर्थशास्त्र	economics	गति	speed
स्वास्थ्य	health	शाखा	branch

<u>सांस्कृतिक टिप्पणी</u> : जब उत्तर न मालूम हो या जानकारी लेनी हो तो हम आमतौर पर बातचीत "माफ कीजिए/क्षमा करें" (Pardon me/Excuse me) से शुरू करते हैं।

<u>पर्यायवाची शब्द</u> :

धन्यवाद	=	शुक्रिया	यूनिवर्सिटी	=	विश्वविद्यालय
यानी	=	अर्थात	क्षमा करना	=	माफ़ करना
स्वास्थ्य	=	तंदुरुस्ती	खुशी से	=	प्रसन्नता से

<u>विलोम शब्द</u> :

निजी	x	सरकारी/सार्वजनिक	खूब	x	थोड़ा/कम
ठीक	x	गलत	स्वस्थ	x	अस्वस्थ
देश	x	विदेश			

(1) क्रिया : जानना (to know)

पुरुष	पुल्लिंग/स्त्रीलिंग	पुरुष	पुल्लिंग/स्त्रीलिंग
मैं	जानता/जानती हूँ।	हम	जानते/जानती हैं।
तुम	जानते/जानती हो।	आप	जानते/जानती हैं।
वह	जानता/जानती है।	वे	जानते/जानती हैं।

(जब कर्ता के साथ "को" विभक्ति आती है, तब क्रिया कर्म के अनुसार आती है।)

1. मुझे <u>हिंदी</u> आती है ।
2. उसे <u>कार</u> चलानी आती है।
3. उन्हें <u>तैरना</u> आता है।
4. शीला को <u>गाना</u> आता है।
5. मोहन को <u>चित्रकारी</u> आती है।

(2) क्रिया : "सकना" (can)

जहाँ "सक" क्रिया आती है वहाँ कर्ता के साथ "को" का प्रयोग नहीं होता।)

1. मैं गाना गा सकता हूँ।
2. नीता मसौदा बना सकती है।

<u>बोध प्रश्न</u> :

1. मुखर्जी किस यूनिवर्सिटी से स्नातक हैं ?
2. मुखर्जी को मराठी कितनी आती है?
3. शार्टहैंड को हिंदी में क्या कहते हैं?
4. मुखर्जी इस समय कहाँ काम कर रहे हैं?
5. मुखर्जी विदेश क्यों नहीं जाना चाहते?
6. कंपनी कहाँ शाखा खोलना चाहती है?

मौखिक अभ्यास

<u>स्थानापत्ति अभ्यास</u> :

1. मुझे मराठी <u>ख़ूब</u> आती है।
   (थोड़ी-थोड़ी/ कम/अच्छी तरह/ बहुत कम)
2. क्या तुम्हें <u>तैरना</u> आता है?
   (कार चलाना/ लेखा का काम/ अंग्रेज़ी बोलना/ संगीत)
3. <u>शीला</u> को जर्मन आती है।
   (मोहन/ सुधा/ चाचाजी/ मैनेजर/ हम दोनों)
4. मेरी बहन को <u>चित्रकारी</u> आती है।
   (फ्रैंच/ तैराकी/ तमिल)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u> :

1. नमूना : <u>हम</u> हिंदी खूब <u>जानते</u> हैं।
   <u>हमें</u> हिंदी खूब <u>आती</u> है।

1. सुधा अच्छी तरह तैरना जानती है।
2. मोहन फ्रैंच बोलना जानता है।
3. मैं उर्दू पढ़ना जानता हूँ।
4. यह लड़की कंप्यूटर चलाना जानती है।
5. पिता जी तबला बजाना जानते हैं।

2. **<u>नमूना</u>** : <u>वह</u> टाइप कर <u>सकता</u> है।
<u>उसे</u> टाइप करना <u>आता</u> है।

1. लीला जर्मन बोल सकती है।
2. क्या तुम समुद्र में तैर सकते हो?
3. सीमा बॉटिक बना सकती है।
4. मेरी माँ वीणा बजा सकती हैं।

<u>संवाद</u> :

दो दिन बाद पदोन्नति के लिए साक्षात्कार होने वाला है। प्रशिक्षार्थी एक-दूसरे से प्रश्न पूछकर इंटरव्यू की तैयारी करें। इस बातचीत में आता है/जानता है/सकता है तीनों क्रियाओं का प्रयोग कर सकते हैं।

जैसे- क्या आपको ऑडिट का काम आता है?/ क्या आप हिंदी टाइपिंग जानते हैं?/ क्या आप गुज़राती बोल सकते हैं?

उत्तर में इस तरह के वाक्य बोल सकते हैं-

मैं ऑडिट का काम कर सकता हूँ। मुझे हिंदी टाइपिंग आती है। मुझे गुज़राती बिल्कुल नहीं आती। क्षमा करें, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

उत्तर और दक्षिण भारत का सेतु हिंदी ही हो सकती है।
-प्रो. चन्द्र हासन

पाठ - 38

विवाह का निमंत्रण

भविष्यत
जाऊँगा / जाऊँगी
जाओगे / जाओगी
जाएँगे / जाएँगी

(घर के ड्राइंगरूम में परिवार के सदस्यों के बीच बातचीत)

माँ : परसों राजीव की शादी है। शादी में क्या सब लोग चलेंगे?

पार्थ : माँ, मैं तो शादी में ज़रूर चलूँगा।

माँ : शादी से एक दिन पहले महिला संगीत का कार्यक्रम है। मुझे तो महिला संगीत में भी जाना होगा।

अनु : महिला संगीत में मैं भी चलूँगी, माँ। वहाँ ढोलक बजेगी, सब गीत गाएँगे और खूब नाचेंगे। माँ, वहाँ मेंहदी भी लगेगी?

माँ : हाँ, वहाँ मेंहदी भी लगेगी। दूसरे दिन राजीव की बारात जाएगी ।

पार्थ : मैं बारात में खूब नाचूँगा। माँ, मैं राजीव भैया के साथ घोड़ी पर भी बैठूँगा। द्वार-चार में भी भैया के साथ रहूँगा। अनु दीदी, बारात में तुम भी डांस करना।

अनु : नहीं, मैं डांस नहीं करूँगी। बारात में, मैं दुल्हन की तरह लहँगा-चुनरी पहन कर जाऊँगी तो डांस कैसे करूँगी? पार्थ तुम शादी में क्या पहनोगे?

पार्थ : मैं अपनी शेरवानी पहनूँगा पर उसके साथ नई जूतियाँ खरीदनी होंगी। पिताजी, हम बाजार कब जाएँगे।

पिताजी : बाज़ार तो कल ही जाना है। राजीव की शादी के लिए कोई अच्छा-सा उपहार भी लेना है।

माँ : हाँ, मैं राजीव और उसकी दुल्हन को शादी की यादगार के तौर पर एक बहुत सुंदर सा उपहार देना चाहूँगी।

अनु : माँ, मैं अपने लिए एक नई ड्रेस भी खरीदूँगी।

माँ : ठीक है, तुहारे लिए एक नई ड्रेस भी देखेंगे।

पार्थ : शादी में बहुत मज़ा आएगा। हम खूब गोलगप्पे, आलू की चाट और आइसक्रीम खाएँगे।

अनु : माँ, क्या हम रातभर वहीं रुकेंगे? फेरे तो देर से होंगे और उसके बाद ही जूता छुपाई की रस्म होगी। दूल्हे की सालियाँ मिलकर गाएँगी 'पैसे दे दो, जूते ले लो' शादी का असली मज़ा तो वहाँ आएगा।

माँ : हाँ, हम लोग विदाई तक वहीं रहेंगे। विदाई तो सुबह चार बजे तक ही हो पाएगी।

पिताजी : मैं और पार्थ तो खा-पीकर घर आ जाएँगे। तुम माँ-बेटी विदाई तक रुक जाना। अनु को अपने दूल्हे भैया और नई दुल्हन भाभी के साथ रहना अच्छा लगेगा।

माँ : ठीक है, फिर हम दोनों अगली सुबह दुल्हन की मुँह-दिखाई की रस्म के बाद ही घर लौटेंगी।

पिताजी : हाँ, यही अच्छा रहेगा।

<u>शब्दार्थ</u> :

विवाह/शादी	:	marriage	कार्यक्रम	:	programme
रस्म	:	ritual	दूल्हा-दुल्हन	:	bridegroom-bride
उपहार	:	gift/present	गीत	:	song
यादगार	:	memorable	शेरवानी	:	party wear for male
ढोलक	:	a kind of drum	असली मज़ा	:	real joy
लहँगा/चुनरी	:	party wear for female	गोलगप्पे, चाट	:	snacks

<u>सांस्कृतिक टिप्पणी</u> :

महिला संगीत - शादी से एक-दो दिन पहले परिवार की महिलाएँ मिलकर ढोलक बजाती हैं और विवाह में मंगल गीत गाती हैं।

मेंहदी - विवाह में मेंहदी लगाने की एक रस्म होती है।

बारात - वर-पक्ष के लोगों का धूमधाम से गाते-बजाते-नाचते हुए वधू पक्ष के घर जाना।

घुड़चढ़ी - दूल्हे का घोड़ी पर बैठना।

द्वार-चार - शुभ मंत्रों के उच्चारण के साथ वधू-पक्ष के लोगों द्वारा द्वार पर बारात और दूल्हे का स्वागत करना।

फेरे - विवाह की एक रस्म। इसमें दूल्हा-दुल्हन अग्नि के चारों ओर चक्कर लगाते हैं।

जूता-छिपाई - फेरों के समय दुल्हन की सभी बहनें मिलकर दूल्हे का जूता छिपा देती हैं और दूल्हे से पैसे लेकर ही जूता वापस देती हैं।

विदाई - विवाह की सभी रस्में पूरी होने के बाद दुल्हन ससुराल के लिए विदा होती है।

मुँह-दिखाई - दुल्हन के ससुराल में परिवार के लोग और सभी रिश्तेदार दुल्हन से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उसका स्वागत करते हैं और उसे आशीर्वाद/ उपहार देते हैं।

खाने-पीने की चीज़ें - मिठाइयाँ-बरफी, रसगुल्ला, पेड़ा, लड्डू। नमकीन-गोलगप्पे, चाट, टिक्की, भेलपूरी

<u>व्याकरणिक टिप्पणी</u> :

'जा' और 'चल' हिंदी की दो अलग-अलग क्रियाएँ हैं। 'चलना' क्रिया 'जाना' के अर्थ में भी प्रयुक्त होती है। 'चल' को 'जा' क्रिया के रूप में केवल उत्तम और मध्यम पुरुष के संदर्भ में प्रयुक्त किया जाता है लेकिन अन्य पुरुष में केवल 'जा' क्रिया का ही प्रयोग होता है।

जैसे- अब मैं चलता हूँ।
तुम मेरे साथ चलो। वह तुम्हारे साथ जाएगा।

व्युत्पन्न शब्द :

ससुर - ससुराल   याद - यादगार

पर्यायवाची शब्द :

शादी - विवाह   डांस - नाच, नृत्य

व्याकरणिक रचना

पुरुष	*(पु.) एकवचन (स्त्री.)*	*(पु.) बहुवचन (स्त्री.)*
उत्तम	मैं जाऊँगा/ जाऊँगी।	हम जाएँगे/जाएँगी।
मध्यम	तुम जाओगे/जाओगी।	आप जाएँगे/जाएँगी। आप लोग जाएँगे/जाएँगी। तुम लोग जाओगे/जाओगी।
अन्य	वह जाएगा/जाएगी। राम जाएगा। (पु.) सीता जाएगी। (स्त्री.) श्रीमती दास जाएँगी। (आदरसूचक)	वे जाएँगे/जाएँगी। राम और श्याम जाएँगे। (पु.) सीता और गीता जाएँगी। (स्त्री.) श्री दास जाएँगे। (आदरसूचक)

बोध प्रश्न :

1. राजीव की शादी कब है?
2. शादी से एक दिन पहले क्या कार्यक्रम है?
3. शादी में बच्चे क्या-क्या खाएँगे?
4. जूता-छिपाई की रस्म कब होगी?
5. अनु और माँ घर कब लौटेंगी?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति/रूपांतरण अभ्यास :

1. मैं दोसा खाऊँगा/खाऊँगी।
   (हम, तुम, आप, वह, वे, राधा, राजेश)
2. क्या आप कल आगरा चलेंगे/चलेंगी?
   (तुम, हम, वे, गीता, पिता जी, रमेश)
3. तुम रविवार को फ़िल्म देखोगी/ देखोगे?
   (सर्कस, प्रदर्शनी, म्यूज़ियम, बिड़ला मंदिर)

4. हम <u>किताब</u> पढ़ेंगे/ पढ़ेंगी।
   (उपन्यास, कहानी, पाठ, कविता, लेख)
5. <u>आप लोग</u> बैठक में नहीं आएँगे/ आएँगी।
   (आप, हम लोग, वे, श्रीमती मेनन, निदेशक)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u> :

नमूना : मैं बात करना चाहूँगा।
मैं बात करूँगा।

1. आप चाय पीना चाहेंगे।
2. तुम छुट्टी लेना चाहोगे।
3. श्री दास जाना चाहेंगे।
4. माता जी फ़ोन करना चाहेंगी।
5. हम काम करना चाहेंगे।

नमूना : मैं <u>ज़रूर</u> आऊँगा।
शायद मैं न आऊँ।

1. हम यह काम ज़रूर पूरा करेंगे ।
2. मैं छुट्टी ज़रूर लूँगी।
3. निदेशक महोदया दौरे पर ज़रूर जाएँगी।
4. श्रीनिवासन और रमेश हिंदी ज़रूर सीखेंगे।
5. वह किताबें ज़रूर खरीदेगा।

<u>संवाद</u> :

कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए सभी मित्र यात्रा पर जाने संबंधी तैयारी की चर्चा करें।
(चलेंगे, कैसे, कब, कितने दिन के लिए, लाएँगे, देखेंगे, वापसी में, लौटेंगे)

<u>स्थानापत्ति/रूपांतरण अभ्यास</u> :

1. **<u>गीता जी</u>**, क्या आप मेले में जाना चाहेंगी?
   (दिनेश साहब, दीपक, श्री नरेश, मुकुल, रंजीता, श्रीमती नीना)
2. क्या **<u>आप</u>** कल मुझ से मिलेंगे?
   (वर्मा जी, हिंदी प्राध्यापक, वे लोग, निदेशक)
3. **<u>वे</u>** जर्मन सीखेंगे।
   (हम, आप, श्री सिन्हा, रमेश और अनिल)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूना : राजधानी एक्सप्रेस दो घंटे देर से **आ रही** है।
राजधानी एक्सप्रेस दो घंटे देर से **आएगी**।

1. मोलिना कल आस्ट्रेलिया जा रही है।
2. निदेशक दौरे पर जा रहे हैं।
3. अनिल प्रबोध परीक्षा में बैठ रहा है।
4. श्रीमती कमलेश खाना बना रही हैं।
5. वह कल बेंगलूरु से लौट रहा है।
6. जी.टी. एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर चार पर आ रही है।

नमूना : लिपिक **रोज़** पत्र टाइप **करता है**।
लिपिक **आज** पत्र टाइप **नहीं करेगा**।

1. श्री मंडल रोज़ शाम को घूमते हैं।
2. तनूजा रोज़ अंग्रेज़ी बोलती है।
3. रामन ओर वेंकट रोज़ क्रिकेट मैच देखते हैं।
4. नौकरानी रोज़ खाना बनाती है।
5. क्या तुम रोज़ समाचार-पत्र पढ़ते हो?

संवाद :

अपने बच्चों से भविष्य को योजना के संबंध में बात करें।
(पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, खेलकूद, शौक, शादी)

प्रश्नोत्तर अभ्यास :

"जी हाँ" और "जी नहीं" का प्रयोग करते हुए उत्तर दें।

1. क्या आप घर चलेंगे?
2. क्या तुम अवर सचिव से मिलना चाहोगे?
3. क्या श्रीमती शोभा मकान देखेंगी?
4. क्या राधा साड़ी खरीदेगी?
5. क्या आप प्रबोध परीक्षा देंगे?
6. क्या वे हमारे घर आएँगे?
7. क्या वह "देवदास" फ़िल्म देखेगा?

संवाद :

परिवार के सभी सदस्य पिकनिक पर जाने का इंतज़ाम करने के संबंध में बात करें।
(बस, टैक्सी, चाय, कॉफ़ी, ताश, बैडमिंटन, रेडियो, फल, खाना, नमकीन आदि)

पाठ - 39
पर्यटन

सामान्य भूतकाल अकर्मक
मैं ....आया/ आई।
हम ......आए/ आईं।
तुम ......आए/ आईं।
आप .....आए/ आईं।
वह ......आया/ आई।
वे .... आए/ आईं।

अमर : राघवन, तुम मैसूर से कब लौटे? यात्रा कैसी रही?

राघवन : आज ही सुबह लौटा। यात्रा बहुत अच्छी रही।

अमर : पूरे समय मैसूर में ही रहे या कहीं और भी गए?

राघवन : इस बार तो मैं खूब घूमा। यहाँ से सीधे हैदराबाद गया। वहाँ दो दिन रुका। हैदराबाद में बहुत हरियाली है।

अमर : इतने बड़े साइबर सिटी में इतनी हरियाली कैसे है?

राघवन : वहाँ वृक्षारोपण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। मैं जब विश्वविद्यालय पहुँचा तो देखा कि वहाँ के विद्यार्थी भी पेड़ लगा रहे थे।

अमर : अच्छा, इसीलिए हैदराबाद में इतनी हरियाली है। क्या तुम तिरुपति भी गए?

राघवन : हाँ, हैदराबाद से मैं तिरुपति गया और तिरुपति होकर बैंगलूरु पहुँचा। बैंगलूरु एक साफ-सुथरा शहर है।

अमर : ये शहर इतने साफ-सुथरे कैसे हैं?

राघवन : वहाँ लोग जागरूक हैं। वे कूड़ा-कचरा कूड़े-दान में ही डालते हैं, इधर-उधर नहीं। सड़क पर यहाँ-वहाँ थूकते भी नहीं।

अमर : अच्छा यह बताओ, तुम बैंगलूरु में कहाँ रहे?

राघवन : वहाँ मेरी चाची रहती हैं। उनके यहाँ ठहरा।

अमर : क्या तुम 'नंदी हिल' नहीं गए ?

राघवन : नहीं, समय कम था। वहाँ से मैसूर गया। मैसूर में एक सप्ताह रहा। वहाँ कई दर्शनीय स्थल हैं - चामुंडी हिल, मैसूर महाराज का पैलेस, वृंदावन गार्डन आदि। मैं श्रीरंगपट्टणम भी गया।

अमर : श्रीरंगपट्टणम? वहाँ क्या है?

राघवन : वहाँ टीपू सुल्तान का किला है। श्रीरंगनाथ का मंदिर भी है।

अमर : मैसूर से ऊटी तो पास है, वहाँ नहीं गए?

राघवन : बारिश के कारण ऊटी नहीं जा पाया।

अमर : मैं भी अगली छुट्टियों में दक्षिण भारत जाऊँगा। वहाँ कोई दिक्कत तो नहीं होगी?

राघवन : नहीं, दक्षिण में कोई दिक्कत नहीं है। होटल वगैरह काफी सस्ते हैं। खाना भी सस्ता मिलता है।

अमर : तुम मैसूर से कुछ लाए?

राघवन : वहाँ से मैं पिता जी के लिए चंदन की एक मूर्ति लाया और हाथियों का यह जोड़ा तुम्हारे लिए लाया हूँ।

अमर : धन्यवाद, राघवन।

शब्दार्थ :

हरियाली	greenery	थूकना	to spit
रुचि	interest	होकर	via, through
साफ़-सुथरा	neat and clean	वगैरह	etc.
किला	fort	मूर्ति	idol/statue
जागरूक	aware	दर्शनीय	worth seeing
दिक्कत	difficulty		

टिप्पणी:-

नंदी हिल : बेंगलूरु से कुछ दूर पर एक पहाड़ी है। इस पहाड़ी पर नंदी की बड़ी मूर्ति है। इसलिए इसे नंदी हिल कहते हैं। भगवान शिव के वाहन बैल का नाम नंदी है।

व्युत्पन्न शब्द :

विशेषण से संज्ञा :		संज्ञा से विशेषण :	
जागरूक	: जागरुकता	दर्शन	: दर्शनीय
विशेष	: विशेषता	पठन	: पठनीय
सरल	: सरलता	पूजन	: पूजनीय

पर्यायवादी शब्द :

लौटना	= वापस आना	रुकना	= ठहरना
सड़क	= मार्ग	सप्ताह	= हफ़्ता
दर्शनीय	= देखने लायक	दिक्कत	= कठिनाई

विलोम शब्द :

पूरा	x आधा/अधूरा	उत्तर	x दक्षिण
साफ	x गंदा	पूर्व	x पश्चिम

<u>बोध प्रश्न</u> :

1. राघवन मैसूर से कब लौटा?
2. हैदराबाद को आजकल कौन-सा सिटी कहा जाता है?
3. क्या राघवन तिरुपति गया?
4. श्रीरंगपट्टणम में क्या है?
5. मैसूर के प्रमुख दर्शनीय स्थल कौन-कौन से हैं?
6. राघवन मैसूर से पिता जी के लिए क्या लाया?

व्याकरणिक रचना

अपूर्ण भूतकाल (अकर्मक क्रिया) :

पुरुष	***(पु.) एकवचन (स्त्री.)***	***(पु.) बहुवचन (स्त्री.)***
उत्तम	मैं गया/ गई।	हम गए / गईं।
मध्यम	तू गया/ गई। तुम गए/ गई।	आप लोग गए /गईं। आप गए /गईं। तुम लोग गए /गईं।
अन्य	वह गया/गई। राम गया। (पु.) सीता गई। (स्त्री.)	वे गए /गईं। रमेश और नरेश गए। (पु.) श्रीमती खन्ना और श्रीमती साहनी गईं। (स्त्री.) श्री दास गए। (आदरसूचक) श्रीमती राव गईं। (आदरसूचक)

मौखिक अभ्यास

<u>स्थानापत्ति/रूपांतरण अभ्यास</u> :

1. अयोध्या में <u>दशरथ</u> नाम का एक राजा था।
   (चित्रसेन/ प्रसेनजित/ दिलीप/ नहुष/ रघु)
2. चाचा जी दोपहर को <u>नागपुर</u> से आए।
   (कानपुर/ मैसूर/ अंबाला/ गुवाहाटी/ पुणे)
3. शीला भी मुंबई से <u>पहुँची</u>। (पहुँचना)
   (लौटना/ निकलना/ आना/ चलना/ रवाना होना)
4. हम लोग शाम को <u>रामलीला मैदान</u> गए।
   (थिएटर/ मंदिर/ नेहरु पार्क/ माल रोड/ समुद्र तट)
5. <u>कार्यक्रम</u> देर से शुरु हुआ।
   (नाटक/भाषण/खेल/समारोह)

6. कल शाम को <u>आप</u> कहाँ थे?
   (पिता जी/ सुरेश/ वे लोग/ लीला/ ये लड़कियाँ)
7. <u>संगोष्ठी</u> देर से शुरु हुई ।
   (फ़िल्म/ बैठक/ दौड़/ बातचीत)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u>

नमूना : गाड़ी <u>रोज</u> दस बजे <u>आती</u> है।
<u>आज</u> गाड़ी ग्यारह बजे <u>आई</u>।

1. बच्चा रोज़ नौ बजे सोता है।
2. पिता जी रोज़ सुबह पाँच बजे घूमने जाते हैं।
3. माँ रोज़ सुबह पाँच बजे उठती हैं।
4. रमेश रोज़ सुबह छह बजे जिम जाता है।
5. हमारी कक्षा रोज़ दस बजे शुरु होती है।

नमूना : मेरा बेटा <u>आज</u> लंदन में <u>है</u>।
मेरा बेटा <u>कल</u> लंदन में <u>था</u>।

1. आज का समारोह विज्ञान भवन में है।
2. सड़क पर काफी भीड़ है।
3. आपके सभी उत्तर ठीक हैं।
4. नाटक बहुत ही बढ़िया है।

<u>संवाद</u> :

कार्यालय के चार-पाँच मित्र सरकारी काम से अंडमान-निकोबार गए थे। उनके लौटने पर कार्यालय के दूसरे मित्र यात्रा के बारे में पूछताछ कर रहे हैं।

आप पोर्टब्लेयर कैसे गए, कब पहुँचे, कहाँ-कहाँ घूमें, समुद्र तट कैसा था, भोजन कैसा था, किस होटल में ठहरे, वहाँ से क्या-क्या लाए आदि?

इसके उत्तर के वाक्य इस तरह हो सकते हैं- यात्रा बढ़िया थी/ हवाई जहाज से गए/ होटल में सभी सुविधाएँ थीं आदि।

<u>स्थानापत्ति/रूपांतरण अभ्यास</u> :

1. मैं <u>आज</u> सुबह देर से उठा।
   (कल/ सोमवार को/ परसों/ उस दिन/ शनिवार को)
2. <u>पिताजी</u> आज घूमने नहीं गए।
   (लाला जी/ राजन/ जया/ वे लोग/ पंडित जी)

3. मैं साढ़े पांच बजे दफ़्तर से लौटा। (लौटना)
   (चलना/पहुँचना/रवाना होना/आना)
4. आज मुझे चार्टर्ड बस नहीं मिली।
   (गाड़ी/ मोटर की चाबी/ भोजन/ कॉफ़ी)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूना : मैं रोज दूध लाता हूँ।
आज भी मैं दूध लाया।

1. यह बस रोज ठीक आठ बजे आती है।
2. यह लड़का हमेश झूठ बोलता है।
3. मंदिर में रोज़ आरती होती है।
4. पिता जी रोज़ थोड़ी देर छत पर बैठते हैं।

संवाद :

(रोज़ के काम)

प्रशिक्षार्थी एक दिन समय-पालन के बारे में बातचीत करने बैठे। उनमें आपस में कल के काम के बारे में चर्चा शुरू हुई। इसी सिलसिले में वे एक-दूसरे से पूछने लगे।

कल आप कितने बजे उठे?/ घूमने गए थे या नहीं?/ उसके बाद क्या किया?

देश को एकता के सूत्र में आबद्ध करने की शक्ति केवल हिंदी में है।
- इंदिरा गांधी

पाठ - 40

मुंबई की बारिश

नित्य भूतकाल
जाता था/ जाती थी
जाते थे/ जाती थीं
कृदंत कर

बचपन से लेकर अठारह वर्ष की आयु तक मैं मुंबई में रही हूँ। मुंबई एक सुंदर महानगर है। यहाँ ऊँची-ऊँची इमारतें हैं साथ ही समुद्रतट, हरियाली तथा सुंदर पार्क भी हैं।

मुंबई में जून से अगस्त माह तक खूब बारिश होती है। बारिश भी ऐसी कि हफ़्ते-दस दिन तक सूरज के दर्शन नहीं होते। मुंबई में हम उन दिनों आरे मिल्क कॉलोनी में रहते थे। यह कॉलोनी एक पहाड़ी पर बसी है। कॉलोनी के बीच-बीच में यहाँ जंगल भी संरक्षित है। बारिश के दिनों में यह कॉलोनी खूब हरी-भरी हो जाती थी। सड़क के दोनों तरफ गुलमोहर के पेड़ थे। गुलमोहर के फूलों से ढकी सड़कें बहुत सुंदर लगती थीं। हमारी कॉलोनी के पास ही फ़िल्म सिटी थी। फ़िल्म सिटी तथा कॉलोनी में फिल्मों की शूटिंग होती थी। हम लोग भी अक्सर शूटिंग देखने जाते थे।

बचपन में बारिश के दिनों में स्कूल जाने में खूब आनंद आता था। हम सब बच्चे गमबूट और बरसाती पहनकर स्कूल जाते थे। बारिश अधिक होने पर रेलवे लाइन पर पानी भर जाता था। ट्रेनें रुक जाती थीं। बसें धीरे-धीरे चलती थीं। हम लोगों को आने-जाने में असुविधा होती थी, फिर भी हम लोग इस मौसम का खूब आनंद उठाते थे।

बारिश के दिनों में मुंबई के लोग खूब पिकनिक मनाते हैं। यहाँ का हाजी अली, जुहू बीच, चौपाटी का समुद्रतट, जहाँगीर आर्ट गैलरी, प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूज़ियम, गेटवे-ऑफ़ इंडिया, जीजा माता उद्यान, नेहरू विज्ञान केंद्र, मछलीघर, तथा महालक्ष्मी मंदिर पर्यटन के प्रमुख स्थल हैं। मैं भी परिवार के साथ अक्सर जुहू बीच जाती थी। घंटों हम समुद्र में उठने वाली ऊँची-ऊँची लहरें देखते रहते थे। कभी-कभी हम समुद्र में नहाते भी थे। रेत के घरौंदे बनाकर उन्हें रंग-बिरंगी कागज़ की झंडियों से सजाते थे। शाम होने के बाद समुद्रतट पर भीड़ बढ़ने लगती थी। खाने-पीने की दुकानों पर भी खूब भीड़ हो जाती थी। हम मुंबई की मशहूर "भेलपूरी" और "पानी पूरी" (गोलगप्पे) अवश्य खाते थे। मिर्च लगने पर सब नारियल पानी पीते थे।

समुद्रतट पर होने वाले सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देखकर ही हम सब घर लौटते थे। आज भी मुझे बचपन के उन दिनों की याद आती है।

<u>शब्दार्थ</u> :

बचपन	childhood	संरक्षित	protected/conserved
आयु	age	बरसाती	raincoat
महानगर	metropolitan city	असुविधा	inconvenience
इमारत	building	मौसम	season
समुद्रतट	shore/sea coast	रंग-बिरंगी	colourful
हरियाली	greenery	घरौंदे	mud-houses
बारिश	rain		

<u>सांस्कृतिक टिप्पणी</u> :

महालक्ष्मी - धन/ वैभव की देवी

<u>शब्द रचना</u> :

विशेषण	**संज्ञा**	**संज्ञा**	**विशेषण**
सुंदर	सुंदरता	बरसात	बरसाती
बदसूरत	बदसूरती	दुख	दुखी
परेशान	परेशानी	सुख	सुखी

<u>पर्यायवाची शब्द</u>

सुंदर	=	खूबसूरत	आनंद	=	खुशी
बारिश	=	बरसात	अक्सर	=	प्रायः
दृश्य	=	नज़ारा	समुद्र	=	सागर
तट	=	किनारा			

<u>विलोम शब्द</u>

ऊँचा	x	नीचा	पहाड़ी	x	मैदानी
अक्सर	x	कभी-कभी	सुविधा	x	असुविधा
सुंदर	x	कुरूप/बदसूरत	जल	x	थल

<u>व्याकरणिक रचना</u>

मूल धातु - पूर्वकालिक कृदंत

खा	+	कर	=	खाकर
जा	+	कर	=	जाकर
पी	+	कर	=	पीकर

नित्य भूतकाल (Habitual Past Tense)

पुरुष	(पु.) एकवचन (स्त्री.)	(पु.) बहुवचन (स्त्री.)
उत्तम	मैं जाता था/ जाती थी।	हम जाते थे/ हम जाती थीं।
मध्यम	तुम जाते थे/ जाती थी।	आप जाते थे/ जाती थीं। तुम लोग जाते थे/ जाती थीं। आप लोग जाते थे/ जाती थीं।
अन्य	वह जाता था/ जाती थी। राम जाता था। (पु.) सीता जाती थी। (स्त्री.)	वे जाते थे/ जाती थीं। राम और श्याम जाते थे। (पु.) सीता और गीता जाती थीं। (स्त्री.) श्री दास जाते थे। (आदर सूचक) श्रीमती दास जाती थीं। (आदर सूचक)

बोध प्रश्न

1. लेखिका पहले कहाँ रहती थीं?
2. मुंबई में बारिश कब होती है?
3. मुंबई में बारिश के दिनों में आने-जाने में असुविधा क्यों होती थी?
4. लेखिका का परिवार पिकनिक मनाने कहाँ जाता था?
5. लेखिका का परिवार जुहू बीच पर अपना समय कैसे बिताता था?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. मैं पहले **मुंबई** में रहता था।
   (दिल्ली, नागपुर, रायपुर, नोएडा, लखनऊ)
2. सीता पहले **गृह मंत्रालय** में काम करती थी।
   (वित्त मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, उद्योग मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय)
3. तुम पहले **मुंबई** जाते थे।
   (हैदराबाद, चेन्नै, कोलकाता, बेंगलूरु, अहमदाबाद)
4. **वे** हिंदी पढ़ाते थे।
   (हम, तुम, तुम दोनों, आप, श्री अय्यर)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u>

नमूना : मैं मनाली में रहता हूँ।
मैं <u>पहले</u> मनाली में रहता <u>था</u>।

1. राजेश कहाँ रहता है? (इससे पहले)
2. वह कहाँ नौकरी करती है? (उन दिनों)
3. मैं होस्टल में रहता हूँ। (पिछले महीने)
4. यहाँ रोज़ बारिश होती है। (पिछले साल)
5. ये सभी लड़कियाँ यहाँ पढ़ती हैं। (पहले)

नमूना : मैं **<u>बचपन</u>** में चित्रकारी करता **<u>था</u>**।
मैं **<u>अब</u>** चित्रकारी नहीं करता।

1. तुम पहले क्रिकेट खेलते थे।
2. गीता पहले मराठी उपन्यास पढ़ती थी।
3. वह पहले व्यापार करता था।
4. वे पहले जर्मन सीखते थे।
5. लड़कियाँ पहले खाना बनाती थीं।

<u>संवाद</u> :

प्रशिक्षार्थी आपस में अपने बचपन के बारे में बातचीत करें, जिसमें उनकी दिनचर्या, आदतें आदि से संबंधित वाक्य हों।

जैसे: आप कहाँ रहते थे? मैं गाँधी नगर में रहता था।
इसी तरह निम्नलिखित क्रियाओं का प्रयोग कर बातचीत करें -
पढ़ना, सीखना, दौड़ना तैरना, चित्रकारी करना।

<u>स्थानापत्ति अभ्यास</u> :

मैं <u>खाना बनाने</u> लगा था।
(अख़बार पढ़ना, फाइल निपटाना, कार चलाना, हॉस्टल में रहना, जल्दी उठना, मैस में जाना)

<u>रूपांतरण अभ्यास</u>

नमूना : मैं सुबह उठती थी। मैं अख़बार पढ़ती थी।
मैं सुबह उठकर अख़बार पढ़ती थी।

1. मैं मजबूर होता था। मैं उसके यहाँ जाता था।

2. शीला सब्ज़ी बनाती थी। वह रोटी के साथ खाती थी।
3. माता जी मंदिर जाती थीं। वे पूजा करती थीं।
4. वह दूध पीता था। वह सो जाता था।
5. पिता जी नाश्ता करते थे। वे अख़बार पढ़ते थे।

संवाद :

प्रशिक्षार्थी अपने शौक, पसंद आदि पर आपस में बातचीत करेंगे।

नमूना :

क्या आप पहले हिंदी जानते थे/ जानती थीं?

(ज्यादा नहीं, समझ लेता था, थोड़ी-थोड़ी बोल लेता था।)

आप हिंदी फिल्में नहीं देखते थे?

(हाँ, बहुत देखता था, गाने भी सुनता था लेकिन अर्थ नहीं समझता था।)

इसी तरह खेलकूद, कलाएँ सीखना, भाषाएँ सीखना आदि के बारे में प्रशिक्षार्थी बातचीत करेंगे।

पाठ - 41
अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में

पूर्ण वर्तमान/ पूर्ण भूत
आया/ आए हैं। आया था/ आए थे।
आई है/ हैं। आई थी/ थीं।

हर साल की तरह इस साल भी प्रगति मैदान में 14 नवंबर से अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला लगा है। हमने पिछले साल यह मेला देखा था। इस बार भी बच्चों ने आग्रह किया। इसलिए हम पिछले रविवार को मेला देखने गए।

इस बार मेले में भारत के सभी राज्यों के साथ-साथ कई अन्य देशों ने भी हिस्सा लिया। यहाँ चीन, जापान तथा कोरिया आदि देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ अपना सामान लेकर आई हैं। पिछले साल कुछ विदेशी कंपनियाँ मेले में नहीं आई थीं।

पिछली बार भीड़ की वजह से हम जापान पैवेलियन नहीं देख सके थे इसलिए सबसे पहले हम जापान के पैवेलियन में गए। जापानी मंडप में मशीनें देखने लायक थीं व इसमें हर तरह के इलैक्ट्रोनिक सामान जैसे टी०वी०, वाशिंग मशीनें तथा फ्रिज आदि का प्रदर्शन किया गया था। हमने भी यहाँ से "सोनी" का फ्लैट स्क्रीन टी०वी० खरीदा। मेले में कोरिया का मंडप बहुत अच्छा था।

इसके बाद हम मेले का मुख्य आकर्षण चीन का पैवेलियन देखने गए थे। यहाँ के सस्ते बिजली के सामान तथा खिलौनों ने सबको आकर्षित किया। हमने भी यहाँ से "एलईडी" लाइट्स लीं जिससे बिजली की बचत हो सके।

पिछले साल मुझे आंध्र प्रदेश के मोतियों से बने गहनों ने बहुत आकर्षित किया था लेकिन मैं ले नहीं सकी थी। इस बार मैंने यहाँ से पटोला की एक साड़ी और मोतियों का हार लिया।

हमने गुज़रात के मंडप में जाने की कोशिश की लेकिन अंदर नहीं जा सके। भीड़ बहुत थी। हमने बाहर ही "पाव-भाजी" और "ढोकला" खाया।

इसके बाद खूबसूरत गरम शालें खरीदने के लिए हम हिमाचल प्रदेश के पैवेलियन में गए। जम्मू-कश्मीर के पैवेलियन में कश्मीरी कढ़ाई के गरम शूट, शालें तथा अखरोट की लकड़ी का फर्नीचर देखने लायक था। पिछले साल यहाँ से हमने कश्मीरी कालीन लिया था। इस बार मैंने यहाँ से एक गरम सूट खरीदा।

इसके पश्चात हम असम तथा नागालैंड के पैवैलियन में भी गए। वहाँ बेंत का बना हुआ आकर्षक फर्नीचर देखा। पिछली बार बच्चों ने यहाँ से जूट का बना झूला खरीदा था। इस बार उन्होंने यहाँ से सूखे हुए फूल, आकर्षक और रंग-बिरंगी पत्तियाँ तथा फूलदान खरीदा।

सारा दिन घूमते-घूमते हम लोग थक चुके थे लेकिन मन अभी नहीं भरा था। मेले का समय समाप्त हो रहा था, इस वजह से हम अन्य पैवेलियन नहीं देख सके। शाम के आठ बजे हम मैदान से बाहर आ गए।

शब्दार्थ :

अंतरराष्ट्रीय	international	आकर्षण	attraction
व्यापार	business	कढ़ाई	embroidery
मेला	fair	सस्ता	cheap
ज़िद करना	to insist	फूलदान	flower pot
प्रदर्शनी	exhibition	मंडप	pavilion
प्रदर्शन	demonstration		

पर्यायवाची शब्द :

प्रदर्शनी	-	नुमाइश	कोशिश	-	प्रयत्न
अंदर	-	भीतर	खूबसूरत	-	सुंदर
वजह	-	कारण			

विलोम शब्द :

अगला	X	पिछला	महँगा	X	सस्ता
सुंदर	X	कुरूप	देश	X	विदेश

व्याकरणिक टिप्पणी :

इस पाठ में भूत काल के संदर्भ में “ने” का प्रयोग आया है। अध्यापक इसके प्रयोग पर अभी बल न दें।

<u>व्याकरणिक रचना :</u>

(क) **पूर्ण वर्तमान**

पुरुष	(पु०) एकवचन (स्त्री०)	(पु०)बहुवचन (स्त्री०)
उत्तम	मैं गया/ गई हूँ।	आप गए/ गई हैं।
मध्यम	तुम गए/ गई हो।	आप गए/ गई हैं। तुम लोग गए/ गई हो। आप गए/ गई हैं। (आदर सूचक) आप लोग गए/गई हैं। (आदर सूचक)
अन्य	वह गया/गई है। राम गया है। (पु०) सीता गई है। (स्त्री०)	वे गए हैं । राम और श्याम गए हैं। (पु०) सीता और गीता गई हैं। (स्त्री०) श्री शर्मा गए हैं। (आदर सूचक) श्रीमती शर्मा गई हैं। (आदर सूचक)

(ख) **पूर्ण भूतकाल**

पुरुष	(पु०) एकवचन (स्त्री०)	(पु०) बहुवचन (स्त्री०)
उत्तम	मैं गया था /गई थी।	हम गए थे/गई थीं।
मध्यम	तुम गए थे/ गई थी।	तुम लोग गए थे/गई थीं। आप गए थे/गई थीं। (आदर सूचक) आप लोग गए थे/गई थीं।(आदर सूचक)
अन्य	वह गया था/गई थी। राम गया था। (पु०) सीता गई थी। (स्त्री०)	वे गए थे/गई थीं। राम और श्याम गए थे। (पु०) सीता और गीता गई थीं। (स्त्री०) श्री नायक गए थे। (आदर सूचक) श्रीमती नायक गई थीं। (आदर सूचक)

(ग) अपूर्ण भूत,पूर्ण भूत तथा पूर्ण वर्तमान काल में जहाँ "<u>सक</u>" क्रिया आती है वहाँ कर्ता के साथ "ने" विभक्ति का लोप हो जाता है।

1. मैं खाना नहीं खा सका हूँ/ सका था।
2. राधा सारी रात सो नहीं सकी है/ सकी थी।

बोध प्रश्न :

1. दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला कब और कहाँ लगता है?
2. इस मेले में किन-किन देशों ने भाग लिया?
3. आंध्र प्रदेश के पैवेलियन से लेखिका ने क्या-क्या खरीदा?
4. जम्मू-कश्मीर के पैवेलियन में क्या-क्या देखने लायक था?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति/रूपांतरण अभ्यास :

1. गोपाल **एक बार** मेले में गया है।
   (पहले भी, कितनी बार, कई बार)
2. राधा **अभी-अभी** लौटी है।
   (आज ही, सुबह ही, कल ही)
3. **हम** आज मेले से एक फ्रिज लाए हैं।
   (मैं, तुम, आप, हम, वह, वे)
4. सिन्हा साहब **कल** मुम्बई गए हैं।
   (पिछले इतवार को, कुछ दिन पहले, पिछले साल)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूनाः गोपाल कल अमेरिका से आया है।
गोपाल कल अमेरिका से नहीं आया था।

1. वे कल मुम्बई से आए हैं।
2. हम दोनों आगरा गए हैं।
3. शीला कल कोलकाता से लौटी है।
4. श्री भट्ट आज जयपुर गए हैं।
5. वह कल लखनऊ से आया है।

संवाद :

प्रशिक्षार्थी के घर मेहमान आए हैं अतः वह प्राध्यापक के साथ चर्चा करेंगे कि मेहमान कब आए हैं? उनके साथ कितने लोग आए हैं? वे अपने साथ क्या-क्या लाए हैं? आदि।

<u>स्थानापत्ति / रूपांतरण अभ्यास</u>

1. **राजेश** मुम्बई गया था।
   (गीता, राम, तुम, वह, वे, आप दोनों)
2. गीता **कोलकाता** से कुछ दिन पहले लौटी थी।
   (चेन्नै, इंदौर, भुवनेश्वर)
3. **तुम दोनों** कहाँ से आए थे?
   (तुम, आप दोनों, वे, वह, शीला, सीता और गीता)

<u>रूपांतरण अभ्यासः</u>

नमूनाः मैं दिल्ली से आया हूँ।
मैं दिल्ली से नहीं आया था।

1. वे गांधीनगर गए हैं।
2. वह कोलकाता से आया है।
3. दास साहब दफ़्तर से लौटे हैं।
4. सीता और गीता बाज़ार गई हैं।
5. क्या आप बाजपेयी जी से मिले हैं?

<u>प्रश्नोत्तर अभ्यासः</u>

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर "जी हाँ" या "जी नहीं" के साथ दें।

1. क्या आप मुम्बई से आज ही लौटे हैं?
2. क्या तुम मेले से साड़ी लाई हो?
3. क्या कल बच्चे स्कूल गए थे?
4. क्या पिछले साल उसके घर मेहमान आए थे?
5. क्या पिछले साल मेले में झूले लगे थे?
6. क्या शीला कल सात बजे उठी थी?

<u>संवाद :</u>

प्रशिक्षार्थी के घर कल मेहमान आए थे। उनके स्वागत के लिए उसने क्या-क्या तैयारी की थी, मेहमानों के लिए वह बाज़ार के क्या-क्या लाया था, क्या-क्या व्यंजन बनाए थे। मेहमान कितने बजे आए थे, वे अपने साथ क्या-क्या लाए थे, आदि बताएँगे।

<u>स्थानापत्ति / रूपांतरण अभ्यासः</u>

1. कल बारिश थी, **हम** बाहर नहीं जा सके।
   (बच्चे, लड़कियाँ, शर्मा जी, मोहन, राधा)
2. पिछले साल गर्मियों में **वह** पहाड़ पर नहीं जा सका था।
   (शर्मा जी, मोहन, लड़कियाँ, आप, तुम)
3. **बच्चे** आज आठ बजे नहीं उठ सके।
   (नंदिता जी, तुम, राधा, वह, आप)

<u>रूपांतरण अभ्यासः</u>

नमूनाः वह **<u>कल</u>** छह बजे उठा **<u>था</u>**।
वह <u>आज</u> छह बजे उठा <u>है</u>।

1. राधा कल पाँच बजे लौटी थी।
2. तुम कल घर से कितने बजे निकले थे?
3. खान साहब कल समोसे लाए थे।
4. कमलेश जी कल बाज़ार गई थीं।
5. हरीश कल दफ्तर नहीं जा सका था।
6. आप कल मंत्री से मिले थे।

<u>संवादः</u>

प्रशिक्षार्थियों ने फ़िल्म पुरस्कार वितरण समारोह देखा था, पुरस्कार किसे-किसे मिले थे, वे इस संबंध में चर्चा करेंगे ।

पाठ - 42
पाँच प्रश्न

ने कि रचना
कर्म + को
कहा कि......

एक बार बादशाह अकबर का दरबार लगा हुआ था। बीरबल सहित सभी दरबारी वहाँ उपस्थित थे। बादशाह ने दरबारियों की बुद्धि-परीक्षा लेने के लिए कुछ प्रश्न पूछने शुरू किए। उनका पहला प्रश्न था "फूलों में सबसे सुंदर फूल कौन सा है?" एक दरबारी तुरन्त बोला "जहाँपनाह, गुलाब"। दूसरे ने कहा, "कमल"। बीरबल ने इस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया।

बादशाह ने दूसरा प्रश्न किया। "सबसे पौष्टिक दूध किसका होता है?" एक दरबारी ने तपाक से कहा "जहाँपनाह गाय का दूध"। दूसरे ने कहा "बकरी का दूध"। कुछ दरबारियों ने भैंस के दूध को सबसे उत्तम बताया। बीरबल केवल मुस्कुराते रहे, कुछ बोले नहीं।

अकबर ने अगला सवाल किया "सबसे मीठी चीज़ क्या है?" एक दरबारी ने कहा- हुज़ूर बरफी। दूसरे ने कहा, "रसगुल्ला"। अन्य दरबारियों ने किसी न किसी मिठाई को सबसे मीठी बताया। अकबर अब भी बीरबल की चुप्पी पर हैरान थे।

बादशाह ने अगला प्रश्न पूछा, "सबसे अच्छा पत्ता कौन सा है?" किसी ने भी तुरन्त जवाब नहीं दिया। कुछ सोचने के बाद एक दरबारी ने कहा, "बादशाह, नीम का पत्ता"। इसका पत्ता अनेक बीमारियों को दूर करता है। कुछ ने तुलसी तो किसी ने केले के पत्ते को अच्छा बताया। उन्होंने कहा ये पवित्र हैं, पूजा के काम आते हैं।

अकबर ने मुस्कुराते हुए पाँचवाँ प्रश्न किया "सभी बादशाहों में सर्वश्रेष्ठ बादशाह कौन है?" सभी ने एक स्वर में कहा "बादशाह अकबर"।

अंतिम प्रश्न का उत्तर सुनकर बादशाह को बहुत प्रसन्नता हुई। फिर भी बीरबल चुप थे। बादशाह ने कहा "बीरबल तुमने कुछ भी नहीं कहा?" इस पर बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा "महाराज, कपास का फूल सबसे सुंदर होता है। इसके रेशों से बने कपड़े मनुष्य के शरीर को ढकते हैं।" जवाब सुनकर सभी दरबारी एक-दूसरे का मुँह ताकने लगे।

बीरबल ने आगे कहा, "माँ का दूध सबसे उत्तम होता है। मिठास ज़बान में होती है जिससे मीठे शब्द निकलते हैं।" उत्तर सुनकर अकबर भी मुस्कुराने लगे। बीरबल ने पत्तों में पान के पत्ते को सर्वश्रेष्ठ बताया। पूजा में काम आने के साथ रिश्तेदारों और मेहमानों का स्वागत "पान" से किया जाता है।

अंतिम प्रश्न का उत्तर सुनने के लिए सारा दरबार उत्सुक था। बीरबल ने कहा "सभी राजाओं में इंद्र सर्वश्रेष्ठ हैं।" दरबारियों ने हैरानी से पूछा "कैसे?" बीरबल बोले "इंद्र वर्षा के देवता हैं, वर्षा से वनस्पतियाँ पैदा होती हैं, जीव जन्तु जीवित रहते हैं।"

बीरबल के बुद्धिमत्तापूर्ण जवाब सुनकर अकबर और सभी दरबारियों को अपार प्रसन्नता हुई, सबके चेहरे खिल उठे।

शब्दार्थ :

उपस्थित	:	present	सर्वश्रेष्ठ	:	the best
बुद्धि-परीक्षा	:	intelligence test	कपास	:	cotton seed
पौष्टिक	:	nutritious	रेशे	:	fibre
उत्तम	:	best	ज़बान	:	tongue
चुप्पी	:	silence	पान का पत्ता	:	betal leaf
हैरान	:	surprised	देवता	:	God
पत्ता	:	leaf	वनस्पति	:	vegetation
पवित्र	:	sacred	जीव-जन्तु	:	wild life
पूजा	:	worship	स्वागत	:	welcome

व्याकरणिक टिप्पणीः

सकर्मक क्रिया के प्रयोग में कर्म के बाद 'को' आने पर क्रिया हमेशा एकवचन पुल्लिंग में ही आती है।

उदाहरणः मैंने बाज़ार में राधा को देखा। (मोहन को, बच्चों को)

जातिवाचक संज्ञा के बाद कोई भी विभक्ति आने पर उनका रूप बदल जाता है जिसे तिर्यक रूप कहते हैं।

प्रत्यक्ष रूप		**तिर्यक रूप**	
एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
लड़का	लड़के	लड़के को	लड़कों को
लड़की	लड़कियाँ	लड़की को	लड़कियों को
कमरा	कमरे	कमरे में	कमरों में
घोड़ा	घोड़े	घोड़े पर	घोड़ों पर
आदमी	आदमी	आदमी को	आदमियों को
महिला	महिलाएँ	महिला को	महिलाओं को

सांस्कृतिक टिप्पणियाँ :

1. बादशाह, जहाँपनाह आदि शब्दों का प्रयोग सम्राट के लिए किया जाता है।
2. बरफी, रसगुल्ला आदि मिठाइयों के नाम हैं।
   अन्य मिठाइयाँ- गुलाब जामुन, जलेबी, लड्डू, पेड़ा आदि।
3. स्वाद के शब्द : मीठा- मिठास, कड़वा-कड़वाहट, तीखा-तीखापन ,खट्टा-खटास।

मुहावरे : मुँह ताकना, चेहरा खिल उठना।

बोध प्रश्न:

1. बादशाह अकबर ने दरबारियों से कितने प्रश्न किए?
2. दरबारियों ने फूलों में सबसे सुंदर फूल किसे कहा?
3. बादशाह का दूसरा प्रश्न क्या था?
4. कौन- सा पत्ता अनेक बीमारियों को दूर करता है?
5. दरबारियों ने सर्वश्रेष्ठ बादशाह किसे माना?
6. बीरबल ने राजा इंद्र को श्रेष्ठ क्यों माना?

पर्यायवाची शब्द :

बादशाह	-	राजा	ज़बान	-	जीभ/जिह्वा
मौज़ूद	-	उपस्थित	मेहमान	-	अतिथि
सवाल	-	प्रश्न	रिश्तेदार	-	संबंधी
जवाब	-	उत्तर	आदमी	-	पुरुष
गुल	-	फूल	खूबसूरत	-	सुंदर
हैरान	-	आश्चर्य	खुशी	-	प्रसन्नता
आवाज़	-	स्वर	आखिरी	-	अंतिम

विलोम शब्द :

उपस्थित	x	अनुपस्थित	मेहमान	x	मेजबान
अंतिम	x	पहला	प्रसन्नता	x	अप्रसन्नता

स्थानापत्ति/रूपांतरण अभ्यास :

1. राम ने कहा कि <u>मैं</u> बाज़ार नहीं जाऊँगा।
   (वह, वे, तुम, हम, आप)
2. अध्यापक ने पूछा कि आज <u>नीना</u> क्यों नहीं आई?
   (रमेश, लड़कियाँ, बच्चे, श्री घोष, श्रीमती कानन)

3. माता जी ने देखा कि बच्चे <u>किताब</u> पढ़ रहे हैं।
   (नाटक, उपन्यास, कहानी, कविता)
4. हमने पढ़ा कि <u>"महाबलीपुरम"</u> दर्शनीय स्थल है।
   (कांचीपुरम, मदुरै, जगन्नाथपुरी, सारनाथ)
5. मैंने सुना है कि <u>विज्ञान</u> कठिन विषय है।
   (गणित, इतिहास, भूगोल, अंग्रेज़ी)

<u>रूपांतरण अभ्यासः</u>

नमूनाः शिक्षक ने <u>लड़की</u> को बुलाया।
शिक्षक ने लड़कियों को बुलाया।

1. दुकानदार ने <u>बक्से को</u> नीचे उतारा।
2. लोगों ने <u>चोर को</u> भागते हुए देखा।
3. मैंने मैदान में <u>बच्चे को</u> देखा।
4. बच्चों ने चिड़ियाघर में <u>हाथी</u> को देखा।

<u>संवादः</u> किसी घटना के संबंध में बातचीत करें जिसमें 'कि' के प्रयोग पर विशेष बल दें।
जैसे - मैंने देखा कि वहाँ बहुत भीड़ लगी थी।
(देखा कि, सुना कि, कहा कि आदि)

<u>स्थानापत्ति/रूपांतरण अभ्यासः</u>

1. मैंने बच्चों को <u>सुलाया</u>।
   (पढ़ाना, लिखना, खिलाना, सिखाना, दिखाना)
2. हमने चिड़ियाघर में <u>हाथी</u> को देखा।
   (बंदर, चिड़िया, लोमड़ी, भालू, शेर)
3. माता जी ने <u>दूध</u> को ठंडा किया।
   (खीर, रोटी, पानी, सब्ज़ी)
4. पिता जी ने नौकर को <u>सब्जी</u> खरीदने के लिए भेजा।
   (टिकट, घड़ी, मिठाई, बिजली का सामान)

<u>रूपांतरण अभ्यास :</u>

नमूना : मैंने स्टेशन पर कुछ <u>लड़कियों को</u> देखा। (एक लड़की)
मैंने स्टेशन पर <u>एक लड़की को</u> देखा।

1. उसने बाज़ार में <u>कई विदेशी महिलाओं को</u> देखा। (एक महिला)
2. पुलिस ने कल <u>तीन चोरों को</u> पकड़ा। (एक चोर)

3. नायक ने <u>रमेश को</u> पार्टी में बुलाया। (सब लोगों)
4. क्या आपने <u>नौकर को</u> बाज़ार भेजा? (बच्चे)
5. रमा ने <u>राधा को</u> कॉलेज़ में देखा। (डोरथी और विजया)

<u>संवाद :</u> प्रशिक्षार्थी आपस में बातचीत करें कि मेले में उन्होंने क्या-क्या देखा, क्या खाया, क्या खरीदा - कितने में, कहाँ से, क्या, किसके लिए आदि।

पाठ - 43
जयपुर की सैर

ने की रचना
अन्वितियुक्त

पिछले महीने एल.टी.सी. लेकर मैं अपने परिवार के साथ जयपुर की यात्रा पर गया। जयपुर के लिए हमने रात की गाड़ी पकड़ी। सुबह पाँच बजे हम जयपुर पहुंच गए। कुछ-कुछ अंधेरा था। हमने अपना सामान क्लोक-रूम में जमा किया। थोड़ी देर हमने प्रतीक्षालय में विश्राम किया। वहीं पर नहा-धोकर तैयार हो गए।

इतने में दिन निकल आया। हम लोग बाहर निकले। सामने कई दुकानें थीं। कुछ होटल भी थे। एक होटल में हमने नाश्ता किया। मैंने मावाबाटी खाई। मेरी पत्नी ने परांठा खाया। बच्चों ने बीकानेरी रसगुल्ले खाए।

जयपुर से लगभग चौदह किलोमीटर की दूरी पर आमेर का किला है। यह बहुत पुराना और बड़ा किला है। हमने टैक्सी ली और आमेर पहुँचे। आमेर में शीशमहल देखने लायक है। शीशमहल के पास ही देवी का मंदिर है। हमने मंदिर में देवी के दर्शन किए। वहाँ हमने मंदिर के पास बाज़ार देखा। बाज़ार से मेरी पत्नी ने चूड़ियाँ खरीदीं। हमने टैक्सी की और शहर वापस आए।

हमने एक होटल में खाना खाया। उसके बाद हमने हवामहल देखा। हवामहल के पास ही जंतर-मंतर है। यहाँ एक वेधशाला है। इसका निर्माण राजा जयसिंह ने किया था। हमने घूम-घूम कर जंतर-मंतर देखा। इसके बाद हम राम निवास बाग गए। वहाँ कला संग्रहालय है जो बड़ा दर्शनीय है। वहाँ हमने सुंदर कलाकृतियाँ देखी। संग्रहालय में जयपुर के राजा-महाराजाओं के कपड़े, अस्त्र-शस्त्र और उनके चित्र रखे गए हैं। राजस्थान को पहले राजपूताना कहा जाता था। राजपूत अपनी आन, बान और शान के लिए प्रसिद्ध थे। राजस्थान अतिथि सत्कार के लिए भी जाना जाता है। “पधारो म्हारे देश” लोकप्रिय गीत इसी भावना पर लिखा गया है।

शाम को “बड़ा बाज़ार” में हमने खरीददारी की। मेरी पत्नी ने बंधेजी साड़ियाँ खरीदी। बच्चों ने लकड़ी का सामान और खिलौने खरीदे। मैंने जयपुरी जॉकेट खरीदी।

एक मित्र ने हमें शहर से दस कि.मी. स्थित “चोखी ढाणी” में आमंत्रित किया। चोखी ढाणी राजस्थानी जीवन शैली का जीता जागता उदाहरण है। हमने वहाँ लोक नृत्य देखे। फिर हमने राजस्थानी व्यंजन दाल-बाटी-चूरमा खाया।

दूसरे दिन हमने झीलों के शहर उदयपुर के लिए प्रस्थान किया।

शब्दार्थ :

यात्रा	travel	वेधशाला	observatory
नाश्ता	breakfast	कलाकृतियाँ	art works
गाड़ी	train	संग्रहालय	museum
पुराना	old	चित्र	portrait
अंधेरा	darkness	अस्त्र-शस्त्र	arms/weapons
मंदिर	temple	प्रसिद्ध	famous
प्रतीक्षालय	waiting room	लोकगीत	folk songs
चूड़ियाँ	bangles	खिलौने	toys
विश्राम	rest	जीवन शैली	life style
शहर	city	व्यजंन	food items
निर्माण	construction	झील	lake

सांस्कृतिक टिप्पणी :

मावाबाटी - खोए की बाटी।

बीकानेरी रसगुल्ले - बीकानेर में खासतौर से बनने वाले रसगुल्ले।

हवामहल - जयपुर में स्थित ऐतिहासिक इमारत।

अतिथि सत्कार - घर आए मेहमान का आदर करना।

पधारो म्हारे देश - मेरे देश आइए।

बंधेजी साड़ियाँ - साड़ी में जगह-जगह सूती डोरियों को बाँधकर और रंगकर तैयार की जाने वाली विशिष्ट प्रकार की साड़ियाँ ।

आन, बान, शान - राजपूत अपनी आन(गरिमा), बान(वचन) और शान के लिए प्रसिद्ध थे।

व्युत्पन्न शब्द :

दर्शन - दर्शनीय   वंदन - वंदनीय   पठन - पठनीय

विलोम शब्द :

पुराना x नया   बड़ा x छोटा   प्रस्थान x आगमन

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यासः

1. राम ने **किताब** पढ़ी ।
   (कविता, कहानी, उपन्यास, लेख, नाटक)
2. राधा ने **खाना** खाया।
   (मिठाई, रोटी, सब्ज़ी, फल, दोसा)
3. क्या आपने **फ़िल्म** देखी?
   (नाटक, सर्कस, मेरा प्रमाणपत्र, मेरी कार, किताबें)
4. **मैंने** आज का अख़बार नहीं पढ़ा।
   (राघव ने, सरला ने, हमने, पिता जी ने, उसने)
5. उन्होंने बाज़ार से **दवाई** खरीदी।
   (स्कूटर, टेलीविज़न, कपड़े, फ़र्नीचर)

रूपांतरण अभ्यासः

नमूनाः मैं नौकरी नहीं छोड़ूँगा।
मैंने नौकरी नहीं छोड़ी।

1. मैं किताब नहीं पढ़ूँगा।
2. शर्मा जी अपना सामान नहीं बेचेंगे।
3. आप यह पत्र कब भेजेंगे ?
4. क्या तुम पार्टी में कुछ नहीं खाओगे?
5. वे इस चिट्ठी का जवाब कब देंगे ?

संवादः प्रशिक्षार्थी आपस में सुबह से उन्होंने क्या-क्या किया, इस संबंध में चर्चा करें।

शीला : तुमने सुबह क्या **किया**?
(बनाया, खाया, पकाया)

लता : मैंने सुबह **नाश्ता** बनाया। (बनाना)
(परांठा, सब्ज़ी, पूरी, दोसा)

शीला : उसके बाद क्या **किया?**

लता : उसके बाद बच्चों को तैयार किया। (तैयार करना)
(कपड़े धोना, सफाई करना, अख़बार पढ़ना)

<u>स्थानापत्ति अभ्यास :</u>

1. आपने **राधा** को पत्र लिखा।
   (पिता जी, माता जी, दोस्त, गोपाल, शीला)
2. उसने बाज़ार से **साड़ी** खरीदी।
   (किताब, कलम, सब्ज़ी, घड़ी, कमीज़)
3. गोपाल ने **दूध** पिया।
   (लस्सी, चाय, रस, शर्बत, कॉफी)
4. श्रीमती सुजाता ने किताब **पढ़ी**। (पढ़ना)
   (खरीदना, बेचना, लिखना, लेना, देना)

नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूनाः मेरी पत्नी ने चूड़ियाँ.................................. (खरीदना)
मेरी पत्नी ने चूड़ियाँ खरीदीं।

1. रमा ने मूर्ति .... (बनाना)
2. गोपाल ने रोटी .... (खाना)
3. बच्चों ने किताब .... (पढ़ना)
4. अधिकारी ने घंटी .... (बजाना)
5. आपने बाज़ार से फर्नीचर .... (खरीदना)
6. हमने कल एक नाटक .... (देखना)

<u>संवाद :</u>

प्रशिक्षार्थी किसी दर्शनीय स्थल के बारे में चर्चा करें जिसमें क्या देखा, कहाँ ठहरे, क्या-क्या खरीदा, क्या-क्या खाया आदि पर चर्चा करें।

पाठ - 44
आतिथ्य

चुक
किया है/ किया था।
रंजक क्रिया

रतनपुर गाँव में रामदीन पटेल का घर मंदिर वाली सड़क पर है। रामदीन का एक बेटा है- किसन। पिछले साल रामदीन ने बेटे की शादी की है। बहू सुशीला गुणवती है। उसने जल्दी ही पूरा घर संभाल लिया। रामदीन दो साल पहले सेवामुक्त हो चुके हैं। किसन की पक्की नौकरी नहीं लगी है। घर का खर्च मुश्किल से चलता है।

घर के सामने सड़क पर नीम का एक पेड़ है। रास्ता चलने वाले पेड़ की छाया में बैठकर आराम करते हैं और चले जाते हैं। एक दिन सुशीला ने देखा, तीन महिलाएँ आकर बैठी हैं। दोपहर को वहाँ से बाकी लोग जा चुके हैं लेकिन महिलाएं अब भी बैठी हैं। उन्होंने न कुछ खाया है, न पिया है। सुशीला ने यह बात अपनी सास को बताई। सास ने कहा, जाओ बेटी, उनसे निवेदन करो कि हमारे घर पधारकर भोजन करें।

सुशीला ने जाकर उनको प्रणाम किया और घर आने का निमंत्रण दिया। तीनों महिलाओं ने आशीर्वाद दिया। उनमें से एक ने कहा- मैं भाग्यलक्ष्मी हूँ, ये समृद्धि हैं और ये शांति हैं। हम तीनों एक साथ नहीं चल सकतीं। किसी एक को तुम बुला सकती हो। घर में पूछ आओ कि हममें से कौन तुम्हारे घर आए।

सुशीला ने सास को पूरा हाल बता दिया। रामदीन भी घर पर थे। तीनों विचार करने लगे, किसे बुलाएँ। रामदीन ने अपने अनुभव से कहा- भाग्यलक्ष्मी को बुला लाओ। भाग्य से ही सब कुछ मिलता है। सास ने कहा- मेरे विचार में समृद्धि को बुलाना ठीक है। समृद्धि रहेगी तो खुशहाली होगी।

सास-ससुर अपनी राय दे चुके तो बहू सुशीला बोली- मेरे विचार में हमें शांति को बुलाना चाहिए। घर में शांति रहेगी तो सुख और समृद्धि भी आ जाएगी। रामदीन ने कहा- तुम्हारी बात ठीक लगती है। शांति को बुला लाओ।

सुशीला फिर तीनों महिलाओं के सामने खड़ी थी। उसने बड़े आदर के साथ शांति देवी को बुलाया। सुशीला का निमंत्रण सुनकर शांति देवी उठकर उसके पीछे चलने लगी। सुशीला ने मुड़कर देखा। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि शांति के पीछे समृद्धि और भाग्यलक्ष्मी भी चली आ रही थीं। उसे बहुत पहले पढ़ी पंक्तियाँ याद आ गईं-

गोधन गजधन वाजिधन और रतन धन खान।
जब आए संतोष धन, सब धन धूल समान।।

शब्दार्थ :

आतिथ्य	hospitality	राय	opinion
अनुभव	experience	निमंत्रण	invitation
गुणवती	virtuous	आदर	respect
खुशहाली	prosperity	आशीर्वाद	blessing
निवेदन	request	आश्चर्य होना	to be surprised

सांस्कृतिक टिप्पणी :

सौभाग्य की देवी, ऐश्वर्य की देवी और शांति की देवी। भारतीय परंपरा में विद्या, समृद्धि, ऐश्वर्य, भाग्य आदि को देवी के रूप में मानते हैं।

शब्द रचना :

व्युत्पन्न शब्द :

गुण - गुणवान - गुणवती

रूप - रूपवान - रूपवती

शील - शीलवान - शीलवती

खुश - खुशहाली

अतिथि - आतिथ्य

तीन - तीनों

पाँच - पाँचों

विलोम शब्द :

पहले	x	बाद में	आदर	x	अनादर
मुश्किल	x	आसान	भाग्य	x	दुर्भाग्य
शांति	x	अशांति			

पर्यायवाची शब्द :

आतिथ्य	=	मेहमाननवाज़ी	भाग्य	=	किस्मत
निमंत्रण	=	बुलावा	समृद्धि	=	खुशहाली
बाकी	=	शेष			

व्याकरणिक रचना :

पूर्ण वर्तमान काल

पुरुष	(पु०)एकवचन(स्त्री०)	(पु०)बहुवचन(स्त्री०)
उत्तम	मैं खाना खा चुका /चुकी हूँ।	हम खाना खा चुके/चुकी हैं।
मध्यम	तुम खाना खा चुके/चुकी हो।	आप खाना खा चुके/चुकी हैं। तुम लोग खाना खा चुके/ चुकी हो। आप लोग खाना खा चुके /चुकी हैं।
अन्य	वह खाना खा चुका/चुकी है। नवीन खाना खा चुका है। (पु०) रत्ना खाना खा चुकी है। (स्त्री०)	वे खाना खा चुके /चुकी हैं। अजय और सौरभ खाना खा चुके हैं।(पु०) दीपा और रत्ना खाना खा चुकी हैं। (स्त्री०) श्री गुप्ता खाना खा चुके हैं।(आदरार्थ बहुवचन) श्रीमती गुप्ता खाना खा चुकी हैं। (आदरार्थ बहुवचन)

नोटः "सकर्मक या अकर्मक क्रिया" के साथ जब "चुक" का प्रयोग होता है तब कर्ता के साथ "ने" विभक्ति का प्रयोग नहीं होता।

बोध प्रश्न :

1. रतनपुर में रामदीन का घर कहाँ है?
2. रामदीन के घर का हालत कैसी है?
3. सुशीला ने अपनी सास को क्या बात बताई?
4, रामदीन किसे बुलाना चाहते थे?
5. सुशीला शांति को क्यों बुलाना चाहती थी?
6. सुशीला ने मुड़कर देखा तो उसे क्यों आश्चर्य हुआ?

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. <u>गीता</u> पत्र पढ़ चुकी है।
   (सौमित्र, श्रीमती केहर, श्री शर्मा)
2. <u>हम</u> "हेरा फेरी" फ़िल्म देख चुके हैं।
   (तुम लोग, शुभम और काशिफ, मीता और सोनम)
3. <u>पिता जी</u> खाना खा चुके हैं।
   (दादा जी, चाचा जी, वह, वे)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूना : लीला ने पत्र पढ़ लिया है।
लीला पत्र पढ़ चुकी है।

1. हमने रामेश्वरम देखा है।
2. निदेशक ने फाइल देख ली है।
3. अवर सचिव ने टिप्पणी लिख ली है।
4. गणेशन ने शादी कर ली है।

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. क्या आप कादम्बिनी का नया अंक पढ़ चुके हैं।
   (आज का अख़बार, इतिहास की किताब, उपन्यास, कहानी)
2. मैं आगरा देख चुका हूँ।
   (शिमला, मनाली, देहरादून, मसूरी)
3. (श्रीमती दीपा खाना खा चुकी हैं।
   (जलेबी, आइसक्रीम, गोलगप्पे, चाट)
4. वे पहले स्कूटर चला चुके हैं।
   (साइकिल, मोटर साइकिल, बस, कार)

प्रश्नोत्तर अभ्यास :

नमूना : क्या आपने लस्सी पी ली है?
जी हाँ, मैं लस्सी पी चुका हूँ।
जी नहीं, मैंने लस्सी नहीं पी।

1. क्या सारे कर्मचारी आ गए हैं?
2. क्या खान साहब ने नया पाठ बना लिया है?
3. क्या अवर सचिव ने मसौदा देख लिया है?
4. क्या नौकर ने खाना बना लिया है?
5. क्या धोबी ने कपड़े धो लिए हैं?

संवादः

प्राध्यापक प्रशिक्षार्थी से उसकी पिछली यात्रा के संबंध में बातचीत करें। प्रशिक्षार्थी ने कहाँ की यात्रा की, क्या-क्या देखा, क्या इससे पहले भी यह स्थान घूम चुका है, कितने साल पहले गया था? आदि।

हिंदी विश्व की सरलतम भाषाओं में एक है।
-आचार्य क्षितिज मोहन सेन

पाठ - 45

त्योहार

जब - तब
जहाँ - वहाँ

भारतीय संस्कृति में त्योहारों का बड़ा महत्व है। भारत को कृषि तथा त्योहार प्रधान देश कहा जाता है। यहाँ जब-जब कोई त्योहार आता है तब-तब लोग खुशियाँ मनाते हैं। त्योहार पर बच्चे बहुत खुश होते हैं, क्योंकि उन्हें उपहार मिलते हैं, नए कपड़े मिलते हैं, खाने को मिठाइयाँ मिलती हैं। सभी धर्मों के लोग त्योहार मनाते हैं।

दीवाली हिन्दुओं का त्योहार है। क्रिसमस को हम बड़ा दिन भी कहते हैं। यह ईसाईयों का बड़ा त्योहार है। ईद मुसलमानों का त्योहार है। ये सब धार्मिक त्योहार हैं।

कुछ त्योहार कृषि से संबंधित हैं जैसे- संक्रांति। जब फसल कटती है तो किसानों का मन खुशी से भर उठता है। वे ही क्यों, सारे लोग खुशियाँ मनाते हैं, वे नए अनाज से पकवान बनाते हैं और ईश्वर की प्रार्थना करते हैं। इसी तरह जब मौसम बदलता है तब भी लोग खुशियाँ मनाते हैं। होली इसी तरह का त्योहार है। जब जाड़े का मौसम खत्म हो जाता है और बसंत का मौसम शुरू होता है तब होली का त्योहार आता है। जहाँ ज्यादा ठंड नहीं पड़ती वहाँ होली का त्योहार नहीं होता जैसे दक्षिण में।

त्योहार में लोग खुशियाँ मनाते हैं और खुशियाँ बांटते हैं। लोग एक-दूसरे को त्योहार की शुभकामनाएँ देते हैं, "मुबारक" कहते हैं। लोग एक-दूसरे को उपहार देते हैं। जो अमीर हैं वे गरीबों को दान देते हैं। जो गरीब हैं, वे भी एक दूसरे की सहायता करते हैं। त्योहार का दिन भाईचारे का दिन होता है। लोग त्योहारों पर शत्रुता भूल जाते हैं और प्यार का व्यवहार करते हैं। जहाँ हिन्दू, मुसलमान, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध और जैन एक साथ रहते हैं, वहाँ एक-दूसरे की खुशी में भी भाग लेते हैं।

त्योहार हमारे जीवन में नवीनता लाते हैं। जब त्योहार आते हैं, तब लोग घर में नई चीज़ें, नए कपड़े और नए बर्तन आदि लाते हैं। जिस तरह नई चीजें आती हैं, उसी तरह मन में नया उल्लास और नई उमंगे भर जाती हैं।

<u>शब्दार्थ</u> :

त्योहार	festival	भाईचारा	brotherhood
खुशी/उल्लास	happiness	गरीब	the poor
खुशियाँ मनाना/खुश होना	to celebrate	भूलना	to forget
प्रकृति	nature	शत्रुता	enmity
धार्मिक	religious	भाग लेना	to take part/
संबंधित	related		to participate
पकवान	dishes	त्योहार मनाना	to celebrate festival
अनाज	grain	बांटना	to share(distribute)
शुभकामनाएँ	good wishes	नवीनता	newness
अमीर	the rich	फसल कटती है	crop is harvested
उपहार	gift	उमंग	enthusiasm

<u>व्युत्पन्न शब्द</u> :

नवीन	-	नवीनता	शत्रु	-	शत्रुता
धर्म	-	धार्मिक	प्रकृति	-	प्राकृतिक
बनना	-	बनाना			

<u>विलोम शब्द</u> :

दुख	x	सुख/ आनंद/उल्लास	पुराना	x	नया/नवीन
शत्रु	x	मित्र	अमीर	x	गरीब

<u>व्याकरणिक रचना</u> : वाक्यों पर ध्यान दीजिए-

<u>जहाँ</u> मेरा घर है **<u>वहाँ</u>** पास में एक मंदिर है।

<u>जब</u> बारिश होती है, **<u>तब</u>** मोर नाचते हैं।

<u>जो</u> लड़का वहाँ बैठा है, **<u>वह</u>** मेरा भाई है।

वहाँ **<u>जो</u>** लड़की बैठी है, **<u>वह</u>** मेरी बेटी है।

<u>जिस तरह</u> मैं लिखता हूँ, **<u>उस तरह</u>** तुम नहीं लिख सकते।

<u>बोध प्रश्न</u> :

1. दीवाली किसका त्योहार है?
2. मुसलमानों का बड़ा त्योहार कौन-सा है?
3. क्रिसमस का दूसरा नाम क्या है?
4. त्योहार पर बच्चे क्यों खुश होते हैं?

5. हम त्योहार में खुशियाँ कैसे बाँटते हैं?
6. प्रकृति संबंधी एक त्योहार का नाम बताइए?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. जहाँ मैं रहता हूँ वहाँ पास में **मंदिर** है।
   (अस्पताल, स्कूल, दुकान, बस स्टॉप)
2. जहाँ गीता रहती है, वहीं पास में **मेरा घर** है।
   (अस्पताल, स्कूल, दुकान, बस स्टॉप)
3. मैं जब **घर** पहुँचा, तब पाँच बज रहे थे।
   (अस्पताल, स्कूल, दुकान, बस स्टॉप)
4. जो लड़का वहाँ बैठा है वह मेरा **भाई** है।
   (बेटा, भतीजा, पड़ोसी, दोस्त, छात्र
5. जो लड़की गाना गा रही है, वह मेरी **बहन** है।
   (बेटी, भांजी, पड़ोसी, मित्र, छात्रा)
6. आप जो **किताब** माँग रहे हैं, वह हमारे पास नहीं है।
   (कमीज़, कपड़ा, छतरी, खिलौने, साड़ियाँ)
7. हमीदा जिस तरह **बोलती** है, उसी तरह लूसी भी बोलती है। (बोलना)
   (लिखना, गाना, काम करना, बात करना)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूना : अध्यापक अंदर आए। बच्चों ने "नमस्ते" की।
जब अध्यापक अंदर आए तब बच्चों ने "नमस्ते" की।

1. बारिश शुरू हुई। सब भागने लगे।
2 .घंटी बजी। अध्यापक अंदर आए।
3. फ़िल्म खत्म हुई। सब बाहर निकले।

नमूना : हमारा घर स्टेशन के पास है।
जहाँ स्टेशन है, वहाँ पास में हमारा घर है।

1. हमारी दुकान बस स्टाप के पीछे है।
2. मेरा स्कूल मंदिर के सामने है।
3. तुम्हारा घर अस्पताल से आगे है।

नमूना : मेरा दोस्त कुर्सी पर बैठा है।
जो कुर्सी पर बैठा है, वह मेरा दोस्त है।

1. मेरे भाई गाना गा रहे हैं।
2. तुम्हारी बहन स्टेज पर बैठी हैं।
3. आपकी माँ खाना बना रही हैं।

संवाद : निम्नलिखित स्थितियों में बातचीत करें -

(क) जब बुखार आता है, जब बच्चा रोता है, जब बारिश होती है, जब बिजली चली जाती है।

(ख) अपने घर में त्योहार के बारे में आपस में बातचीत कीजिए।

पाठ - 46
भारत देश

तुलना
संज्ञा + से ज्यादा
सबसे से ज्यादा

भारत एक विशाल देश है। यह एक प्रायद्वीप है। इसके तीन ओर समुद्र है, उत्तर की तरफ हिमालय पर्वत है। भारत के पूर्व में बंगाल की खाड़ी है, दक्षिण में हिंद महासागर है और पश्चिम में अरब सागर है।

भारत के पड़ोस में कई देश हैं। पश्चिम में पाकिस्तान है, पूर्व में बंगला देश है, उत्तर में चीन, नेपाल और भूटान हैं। पूर्व में म्यांमार (बर्मा देश) भी भारत की सीमा पर है। दक्षिण में हिंद महासागर में श्रीलंका है।

भारत में 29 राज्य हैं और सात केंद्र शासित क्षेत्र हैं। ये केंद्र शासित क्षेत्र हैं चंडीगढ़, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप आदि। नई दिल्ली भारत की राजधानी है। भारत के उत्तर में उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, पश्चिम में महाराष्ट्र, गुज़रात, पूर्व में असम, पश्चिम बंगाल और दक्षिण में तमिलनाडु, केरल आदि राज्य हैं। भारत में क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान सबसे बड़ा राज्य है। इसका क्षेत्रफल 342239 वर्ग किलोमीटर है। गोवा सबसे छोटा राज्य है। इसका क्षेत्रफल 3702 वर्ग किलोमीटर है। आबादी की दृष्टि से उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है। 2001 में इसकी आबादी 16.61 करोड़ थी। सिक्किम की आबादी सबसे कम है, 5.40 लाख। भारत दुनिया के देशों में जनसंख्या की दृष्टि से दूसरे स्थान पर है।

भारत में कई नदियाँ हैं। गंगा, यमुना उत्तर की हैं। नर्मदा, ताप्ती मध्य और गोदावरी, कृष्णा, तुगभद्रा, कावेरी दक्षिण की बड़ी नदियाँ हैं। गंगा भारत की सबसे बड़ी नदी है। यह हिमालय से निकलती है और उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल में बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

भारत में लोग कई भाषाएँ बोलते हैं। यहाँ लगभग 1650 भाषाएँ हैं। इनमें 20-25 भाषाएँ प्रमुख हैं। सबसे ज्यादा लोग हिंदी भाषा बोलते और जानते हैं। भारत में कई धर्मों के लोग रहते हैं। यहाँ हिंदु, बौद्ध, सिख, जैन, ईसाई, इस्लाम और पारसी कई धर्म हैं।

भारत में सब जगह मौसम की स्थिति अलग-अलग है। जैसे-जैसे हम उत्तर भारत से दक्षिण भारत की तरफ जाते हैं, वैसे-वैसे मौसम भी बदलता जाता है। उत्तर भारत में दिसंबर-जनवरी में बहुत ठंड पड़ती है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर आदि प्रदेशों में बर्फ पड़ती है। दक्षिण में ठंड नहीं होती। भारत में मसाई राम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है। राजस्थान में सबसे कम बारिश होती है। उत्तर भारत में मई-जून में बहुत गर्मी पड़ती है। चैन्ने, मुम्बई, विशाखापट्टनम, कोचीन में शाम को समुद्र से ठंडी हवा आती है। इसलिए वहाँ रात में ज्यादा गर्मी नहीं पड़ती। आंध्र प्रदेश में रामागुंडम भारत का सबसे गर्म स्थान है।

भारत विविधता का देश है। भारत में जितने विविध धर्म हैं उतनी ही विविध भाषाएँ एवं संस्कृतियाँ हैं। पोशाकें विविध हैं, खान-पान में विविधता है। फिर भी देश एक है, लोगों में एकता है। इसलिए कहते हैं कि भारतीय संस्कृति में अनेकता में एकता है।

शब्दार्थ :

विशाल	large	वर्ग किलोमीटर	square km
प्रायद्वीप	peninsula	आबादी /जनसंख्या	population
समुद्र	sea	वर्षा/बारिश	rain
पर्वत	mountain	विविध	various
खाड़ी	bay	विविधता	variety
महासागर	ocean	संस्कृति	culture
सागर	sea	पोशाक	dress
सीमा	frontier	खान- पान	(the style of) food
क्षेत्र	region	एक	one
क्षेत्रफल	area (measured)	एकता	unity
अनेक	many	अनेकता	diversity

संख्याएँ :

100	-	सौ	1000	-	हज़ार
1,00,000	-	लाख	1,00,00,000	-	करोड़
1,00,00,00,000	-	अरब			

व्याकरणिक रचना :

राम श्याम से बड़ा है। श्याम राम से छोटा है।
राम, श्याम और रहीम में रहीम सबसे छोटा है, राम सबसे बड़ा है।
राम अपनी कक्षा में सबसे बड़ा है।

बोध प्रश्न :

1. भारत की सबसे बड़ी नदी कौन-सी है?
2. भारत में किस प्रदेश की आबादी सबसे अधिक है?
3. भारत की किस प्रदेश की आबादी सबसे कम है?
4. भारत में कहाँ सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है?
5. भारत में सबसे ज्यादा लोग कौन-सी भाषा जानते और बोलते हैं?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1.	राम उम्र में सबसे बड़ा है ।	(गीता, वह, रमेश)
2.	रतन कक्षा में सबसे छोटा है ।	(परिवार में, दफ्तर में, घर में, भाइयों में)
3.	गंगा गोदावरी से बड़ी नदी है ।	(यमुना, नर्मदा, ताप्ती)
4.	राजस्थान गोवा से बड़ा प्रदेश है ।	(हिमाचल, पंजाब, केरल)
5.	तमिलनाडु में कश्मीर की तरह ठंड नहीं पड़ती।	(केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक)
6.	महाराष्ट्र में दिल्ली से ज्यादा बारिश होती है।	(उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब)
7.	आंध्र प्रदेश में केरल से अधिक गर्मी पड़ती है।	(पं.बंगाल, गुज़रात, हिमाचल प्रदेश)

रूपांतरण अभ्यासः

नमूनाः राम श्याम से बड़ा है।
श्याम राम से छोटा है।

1. उत्तर प्रदेश आबादी में राजस्थान से बड़ा है।	(बड़ा-छोटा)
2. मेरी गाड़ी तुम्हारी गाड़ी से नई है।	(नई- पुरानी)
3. कश्मीर में नागपुर से ज्यादा ठंड पड़ती है।	(ठंड-गर्मी)
4. भारत में तमिल भाषियों से ज्यादा हिंदी बोलने वाले हैं।	(ज़्यादा-कम)
5. एवरेस्ट कंचनजंगा से ऊंची चोटी है।	(ऊँची-छोटी)

प्रश्नोत्तर अभ्यास :

अपने ज्ञान के आधार पर उत्तर दें ।

1. दुनिया का सबसे बड़ा देश कौन-सा है?
2. भारत की सबसे बड़ी मस्ज़िद कौन-सी है और कहाँ है?
3. समुद्र में सबसे बड़ा प्राणी कौन सा है?
4. पृथ्वी पर सबसे बड़ा प्राणी कौन सा है?
5. संसार में सबसे ज्यादा ठंड कहाँ होती है?
6. भारत में किस धर्म के लोग सबसे ज्यादा हैं?

संवाद :

अपने प्रदेश के मौसम की अन्य प्रदेशों से तुलना करते हुए प्रशिक्षार्थी आपस में बातचीत करें।

नागरी लिपि से बढ़कर वैज्ञानिक लिपि मैंने दुनिया में कोई दूसरी पाई नहीं।

आचार्य विनोबा भावे

पाठ - 47

जीने की कला

> **अनुरोध है कि आएँ।**
> **चाहता हूँ कि जाऊँ।**

(सद्भावना दिवस पर कार्यालय प्रमुख का भाषण)

आधुनिक युग में हमारा जीवन जटिल हो गया है। औद्योगिक क्रांति के बाद जीवन में सुख-सुविधाएँ बढ़ गई हैं। मशीनों ने हमारा जीवन सरल बना दिया है। शारीरिक श्रम कम हो गया है लेकिन मानसिक रूप से हम आज तनावग्रस्त हो गए हैं। आज हम भौतिक सुविधाओं को पाने के लिए एक अंतहीन दौड़ में शामिल हो गए हैं। जीवन में सुख और संतोष नहीं रह गया है। हमारा मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है।

कभी-कभी एक-दूसरे से आगे बढ़ने की चाह में हम अपने व्यवहार व आचरण से दूसरों के लिए तनावपूर्ण स्थिति पैदा कर देते हैं। एक संयत व्यक्तित्व के विकास के लिए हमें प्रयास करना चाहिए। हम अपने घर में परिजनों के साथ हों या दफ़्तर में अपने सहयोगियों के साथ, एक स्वस्थ एवं खुशहाल माहौल बनाए रखने के लिए हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सर्वप्रथम हम कार्यालय में अनुशासन बनाए रखें। हम खुद अनुशासन का पालन करें तथा दूसरों को अनुशासन में रहने के लिए प्रेरित करें।

हम हर छोटे-बड़े कर्मचारी/अधिकारी के मान-सम्मान का ध्यान रखें। उसके काम के महत्व को समझें।

अधीनस्थ कर्मचारियों से अधिकतम काम करवाने के लिए टीम भावना का विकास करें तथा उनके सुख-दुख में उनका साथ दें। उनके प्रति सहानुभूति एवं अपनत्व की भावना रखें। उनका मनोबल बढ़ाने के लिए उनके अच्छे कामों की तारीफ़ करें।

प्रशासन से जुड़े कर्मचारियों को अनुभवी, कार्यकुशल तथा निष्ठावान होना चाहिए। उन्हें नियमों की अद्यतन जानकारी होनी चाहिए। यही ज्ञान कर्मचारी में आत्मविश्वास पैदा करता है।

दफ़्तर में काम को सुचारू रूप से चलाने के लिए मेरा आप सबसे विशेष अनुरोध है कि कभी लकीर के फ़कीर न बनें और नकारात्मक सोच से बचें।

दफ़्तर के वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग दें।

<u>शब्दार्थ :</u>

आधुनिक युग	modern age	महत्व	importance
जटिल	complex/complicated	अधीनस्थ	subordinate
औद्योगिक क्रांति	industrial revolution	अधिकतम	maximum
शारीरिक श्रम	physical labour	टीम भावना	team spirit
मानसिक	mental	सहानुभूति	sympathy
तनावग्रस्त	tense	अपनत्व	sense of belonging
भौतिक सुविधाएं	luxuries	मनोबल	morale
अंतहीन दौड़	endless race	गुणी	able
संतुलन	balance	अनुभवी	experienced
चाह	wish	कार्यकुशल	efficient
आचरण	conduct	निष्ठावान	sincere
संयत व्यक्तित्व	balance personality	अद्यतन	up to date
उपलब्ध	available	ज्ञान	knowledge
सहयोगी	colleague	आत्मविश्वास	self confidence
खुशहाल माहौल	pleasant atmosphere	चुनौती	challenge
अनुशासन	discipline	सुचारू रूप से	smoothly
प्रेरित करना	to inspire	नकारात्मक सोच	negative approach/ thinking
मान-सम्मान	self respect		

<u>व्याकरणिक टिप्पणी:</u>

हिंदी में सुझाव, निदेश, आज्ञा, अनुमति, प्रार्थना, इच्छा, संभावना आदि के लिए संभाव्य भविष्यत काल का प्रयोग करते हैं। इन वाक्यों में क्रिया कर्ता के वचन के अनुसार परिवर्तित होती है, लिंग के अनुसार नहीं।

<u>व्याकरणिक रचना :</u>

<table>
<tr><td>मैं</td><td>चाहता हूँ।
सोचता हूँ।</td><td rowspan="2">कि</td><td rowspan="2">मैं (न) जाऊँ।
हम (न) जाएँ।
तुम (न)जाओ।
आप (न) जाएँ।
वह (न) जाए।
वे (न) जाएँ।</td></tr>
<tr><td colspan="2">मेरी इच्छा है।
मेरा अनुरोध है।
मेरा सुझाव है।</td></tr>
</table>

<u>पर्यायवाची शब्दः</u>

आचरण	=	व्यवहार	प्रयास	=	प्रयत्न
दफ़्तर	=	कार्यालय	स्वस्थ	=	तंदुरुस्त
खुद	=	स्वयं	तारीफ़	=	प्रशंसा

<u>विलोम शब्द</u> :

आधुनिक	x	प्राचीन/पुरातन	जटिल	x	आसान
सुविधा	x	असुविधा	शारीरिक	x	मानसिक
संतोष	x	असंतोष	स्वस्थ	x	अस्वस्थ
मान	x	अपमान	विशेष	x	सामान्य

<u>बोध प्रश्न</u> :

1. आज हमारा मानसिक संतुलन क्यों बिगड़ रहा है?
2. हमारा व्यक्तित्व कैसा होना चाहिए?
3. घर और दफ़्तर का माहौल कैसा होना चाहिए?
4. अधीनस्थ कर्मचारियों से अधिकतम काम कैसे लिया जा सकता है?
5. प्रशासन से जुड़े कर्मचारियों में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

<u>मौखिक अभ्यास</u>

<u>स्थानापत्ति अभ्यास</u> :

1. मेरा सुझाव है कि आप कुछ दिन <u>आराम करें</u> (आराम करना)
   (छुट्टी लेना, बाहर जाना, योगाभ्यास करना, किताब पढ़ना)
2. सभी सदस्यों से अनुरोध है कि <u>बैठक में</u> समय पर उपस्थित हों।
   (कार्यक्रम में, समारोह में, सम्मेलन में, संगोष्ठी में, विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में)
3. <u>निदेशक महोदय</u> की राय है कि इस संबंध में एक बैठक बुलाएँ।
   (सचिव महोदय, मंत्री महोदय, अध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री जी, मंत्रिमंडल के सभी मंत्री)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूनाः हम अतिरिक्त स्टाफ की म़ाँग कर सकते हैं।
क्यों न हम अतिरिक्त स्टाफ की माँग करें।

1. इसके बारे में आप संयुक्त सचिव से मिल सकते हैं।
2. हम शुक्ला जी को दौरे पर भेज सकते हैं।
3. हम पूरे साल की लेखन सामग्री की माँग तैयार कर सकते हैं।
4. आप अनुभागों के प्रगति विवरण मँगा सकते हैं।
5. इस काम को निपटाने के लिए स्टाफ को छुट्टी वाले दिन बुला सकते हैं।

संवाद :

डॉक्टर के रूप में मरीज़ से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य की देखभाल के लिए आवश्यक सुझाव दें।

(सुबह, शाम को, देर तक, चाय-कॉफी, सिगरेट, फल-दूध, हरी सब्ज़ियाँ, दवाइयाँ)

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. अच्छा हो कि आप संयुक्त निदेशक से खुद बात कर लें।
   (तुम, राम, गीता जी, वे, वह, श्री कठैत)
2. क्यों न हम इस मामले में अधिकारियों से बात करें?
   (उप सचिव, मंत्रालय, विभागाध्यक्ष, संबंधित सहायक)
3. मेरा विचार है कि हम अतिरिक्त स्टाफ की माँग करें।
   (अनुभागों से सुझाव माँगना, लेखा अनुभाग को टिप्पणी भेजना, अपेक्षित सामग्री भेजना, सदस्यों के ठहरने का प्रबंध करना)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूना : अवर श्रेणी लिपिक इन पत्रों को टाइप करेगा।
अवर श्रेणी लिपिक इन पत्रों को टाइप करे।

1. डायरी लिपिक आवतियों को डायरी करेगा।
2. सहायक आवतियों का निपटान करेंगे।
3. बच्चे कक्षा में शोर नहीं करेंगे।
4. टंकक कार्यसूची टाइप करेगा।
5. सीता आज कार्यभार ग्रहण करेगी।

नमूना : पुस्तकालय में शोर करना मना है।
पुस्तकालय में शोर न करें।

1. यहाँ सिगरेट पीना मना है।
2. दस अगस्त तक परीक्षा फार्म जमा करने हैं।
3. कल तक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है।
4. इस माह के अंत तक आवश्यक सूचना भेजनी है।
5. नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित होना है।

संवाद :

विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने के लिए आवश्यक निदेश देते हुए आपस में संवाद करें।

(समय की पाबंदी, बिजली-पानी की बचत, स्वच्छता रखना, शोर न करना, आपस में लड़ाई-झगड़ा न करना, गंदगी न फैलाना)

पाठ - 48

पर्यावरण

सुबह-सुबह मुहल्ले में खबर फैली कि रामू की गाय सड़क पर मरी पड़ी है। लोगों को लगा कि किसी ने ज़हर खिला दिया है। एकदम जवान गाय, अब तक ठीक-ठाक थी। खूब दूध देती थी। अचानक मर कैसे गई? बेचारे रामू का बुरा हाल था। वह दूध बेचकर घर चलाता था। अब क्या होगा?

रामू रोजाना दूध दुहता और फिर गाय को खुला छोड़ देता। वह दिन भर गलियों में घूमती और कूड़े-कचरे के ढेर से सड़ी-गली चीजें खाती, फिर शाम को घर आ जाती। रामू खुश था। उसे गाय को खिलाना नहीं पड़ता था।

शाम को पुलिस इंस्पेक्टर सावंत वहाँ आए और लोगों को एकत्रित किया। उन्होंने बताया कि गाय के पेट से 10 कि०ग्रा० पॉलीथीन निकला है। यही उसकी मौत का कारण है। लोग पॉलीथीन बैग में बचा-खुचा खाना, सब्ज़ी के टुकड़े भरकर कूड़े में फैंक देते हैं। ऐसे बैग पशु खा जाते हैं। इन्हीं को खाकर यह गाय मर गई। यानी लोग लापरवाही से प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल करेंगे तो यही होगा। अच्छा हो कि हम प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल कम से कम करें।

***

कौसानी लौटते ही मोहन जी को लगा जैसे स्वर्ग में आ गए हों। ऊँचे-ऊँचे पर्वत, सुंदर हरे-भरे जंगल। मोहन जी लखनऊ से लौटे थे। वहाँ कितनी तो भीड़ थी। सड़कों पर गंदगी और बाज़ार में गाड़ियों का धुआँ। घर पहुँचते ही उनकी पत्नी बोली "गोपाल की तबीयत खराब है। स्कूल भी नहीं गया। डॉक्टर को दिखाना जरूरी है। आपको अभी जाना होगा"।

हाँ क्यों नहीं, डॉक्टर का दवाखाना खुल गया होगा। अभी दिखा लाते हैं, मोहन जी ने पानी का गिलास थामते हुए कहा।

मोहन जी के घर से थोड़े ही फासले पर डॉ० नेगी का दवाखाना था। वे गोपाल को लेकर डॉ० नेगी के दवाख़ाने पहुँच गए।

डॉ० साहब, इसका शरीर पीला पड़ता जा रहा है। जब से दिल्ली से लौटा है, बुखार भी है और हर वक्त खाँसता रहता है।

अच्छा, अभी देखता हूँ। डॉ० नेगी गोपाल की नाड़ी की जाँच करते हुए बोले।

बेटे, ज़रा मुँह खोलो, जीभ बाहर निकालो। स्टेथोस्कोप को सीने और पीठ पर लगाते हुए उन्होंने गोपाल से ज़ोर-ज़ोर से साँस लेने को कहा। गहन जाँच के बाद डॉ० नेगी ने मोहन

जी को बताया, "मोहन जी, लड़के को न केवल पीलिया है बल्कि इसके फेफड़ों में संक्रमण (इन्फेक्शन) भी हो गया है। पीलिया तो खराब पानी पीने से हुआ है। फेफड़ों में धुआँ भरने से संक्रमण हो गया है। दो चार दिन दवाई लेने से ठीक हो जाएगा"।

फिर उन्होंने पूछा, "अच्छा यह बताइए, दिल्ली में गोपाल कहाँ ठहरा था?"

"यह शाहदरा में था, मुख्य चौराहे पर ही चाचा जी का घर है"।

डॉक्टर साहब बोले, "लोग नदियों में कारखानों के अवशेष बहा देते हैं, ढ़ेरों कूड़ा-करकट फैंकते हैं। इससे पानी खराब हो जाता है। इसी को जल प्रदूषण कहते हैं। इस पानी से पीलिया, हैपटाइटस जैसे कितने ही रोग हो जाते हैं। विभिन्न प्रकार के छोटे-छोटे उद्‌योगों की चिमनियों और रसायनिक घोलों से निकलने वाला धुआँ, हानिकारक गैसें तथा गाड़ियों का दमघोंटू धुआँ वातावरण को दूषित कर देता है। इसे वायु प्रदूषण कहते हैं। वायु प्रदूषण से फेफड़े खराब होते हैं और साँस की बीमारियाँ हो जाती हैं। खैर, आप चिंता न करें कौसानी की जलवायु उसे जल्दी ही ठीक कर देगी। मैं दवाएँ लिख रहा हूँ। आप इसे नियमित रूप से दवा देते रहें और कुछ परहेज बताए देता हूँ। उसका पालन करेगा तो जल्दी ठीक हो जाएगा।

घर लौटकर उन्होंने पत्नी से कहा, "पता नहीं लोग हवा, पानी, सबको क्यों दूषित करते हैं। हमें गाड़ियों का धुआँ कम करना चाहिए, पानी में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए। जीवन में सफाई का ध्यान रखना चाहिए"। पत्नी बोली-हाँ। बच्चों को भी ये सब बातें समझानी चाहिए।

<u>शब्दार्थ</u> :

ख़बर	:	news	ठीक-ठाक	:	healthy
स्वर्ग	:	heaven	प्रदूषण	:	pollution
सड़क	:	road	अचानक	:	suddenly
पर्वत	:	mountain	परहेज़	:	abstinence
मरी	:	dead	बेचारे	:	poor
धुआँ	:	smoke	ख़ैर ठीक है	:	let it be
ज़हर	:	poison	जीभ	:	tongue
एकदम	:	suddenly	रोज़ाना	:	daily/every day
फासला	:	distance	दुहना	:	milk the cow
दवाख़ाना	:	dispensary	कूड़ा-कचरा	:	garbage
गाय	:	cow	सड़ी-गली	:	rotten
फेफड़ा	:	lung	लाश	:	dead body

पर्यायवाची शब्द :

ख़बर	=	समाचार	सड़क	=	मार्ग
रोज़ाना	=	प्रतिदिन	फ़ासला	=	दूरी
दवाख़ाना	=	चिकित्सालय			

विलोम शब्द :

सुबह	x	शाम	स्वर्ग	x	नरक
स्वस्थ	x	अस्वस्थ	बीमारी	x	तंदुरुस्ती
गंदगी	x	सफाई	प्रदूषण	x	साफ़/स्वच्छ

स्थानापत्ति अभ्यास :

1. मुझे शाम को बाजार जाना है
   (शहर, मैसूर, जिमख़ाना, ससुराल, डाकख़ाना, दवाख़ाना)
2. हमें बाज़ार से कुछ चीजें लानी हैं।
   (दवाइयाँ, सब्ज़ियाँ, कुर्सियाँ)
3. बारिश हो रही है, तुम्हें रुकना पड़ेगा।
   (टैक्सी लेना, इंतजार करना, छतरी लेना, छुट्टी लेना)
4. डॉक्टर नहीं आए हैं, आपको इंतज़ार करना होगा।
   (उप सचिव, नेताजी, गणेशन, अध्यापक, निदेशक, परामर्शदाता)
5. मुझे बाज़ार जाना था, लेकिन मैं नहीं गया/गई।
   (शहर, मैसूर, जिमख़ाना, ससुराल, डाकख़ाना, दवाख़ाना)

रूपांतरण अभ्यास :

नमूनाः मुझे जाना था लेकिन मैं नहीं जा सका।
1. आपको 2. शीला को 3. उसे 4. हमें 5. उन्हें)

प्रश्नोत्तर अभ्यास :

1. आपको अभी कहाँ जाना है? (दफ़्तर)
2. जर्मनी में किस भाषा में बोलना पड़ता है? (जर्मन)
3. सफलता के लिए क्या करना होता है? (मेहनत करना, ठीक से काम करना)
4. अच्छी भाषा सीखने के लिए क्या करना चाहिए? (अभ्यास)

संवाद :शहर की स्वच्छता के लिए क्या करना चाहिए, क्या उपाय करने होंगे, इस पर चर्चा करें।

भाग-3

पूरक पाठ

पाठ - 49

बिहू पर्व

उत्तर पूर्व का प्रवेश द्वार है असम का प्रमुख शहर- गुवाहाटी। असम का एक बड़ा त्योहार है- बिहू। वर्ष में तीन बार बिहू मनाया जाता है। पहला "कंगाली" बिहू है। यह आश्विन मास की संक्रांति के दिन मनाया जाता है। इस दिन तुलसी का नया पौधा रोप कर लोग दीपक जलाते हैं। इस मौके पर किसान अच्छी फसल के लिए देवी-देवताओं से प्रार्थना करते हैं।

"भोगाली" असम का दूसरा बिहू है। जब किसान की मेहनत रंग लाती है, उसके खलिहान अन्न से भर जाते हैं तब घर-घर से "ढेकी" (अनाज कूटने का यंत्र) की आवाज आने लगती है। घर-घर में चावल के चूरे, तिल और नारियल से पीठा नामक मिठाई बनती है। धान के सूखे पौधों से झोंपड़ी बनाई जाती है। इसे भेला घर कहते हैं। इस भेला घर में लोग नाचते-गाते हैं। वहीं सब मिल-बैठकर खाना खाते हैं और सुबह अग्नि देवता की पूजा के उपरांत भेला घर में आग लगा देते हैं। भोगाली बिहू की ही तरह दक्षिण भारत में "पोंगल", महाराष्ट्र, गुज़रात एवं उत्तर भारत में "मकर संक्रांति" और पंजाब में "लोहड़ी" मनाई जाती है।

वैशाख के महीने में "बोहागी" बिहू मनाया जाता है इसे रंगाली बिहू भी कहते हैं। बिहू के एक दिन पहले "उरूका" होता है। इस दिन लोग पूरे घर की सफाई करते हैं। दूसरे दिन परिचितों को गमछा दिया जाता है। युवा लड़के ढोल बजाकर युवतियों को नाचने का निमंत्रण देते हैं। युवतियाँ ढोल की ताल पर नाचती हैं। अपने गीतों में वे प्रेम-भाव प्रकट करते हैं। युवक-युवतियाँ के विवाह भी इसी समय तय किए जाते हैं। पेपा और ढोल के सुर ताल पर युवतियों के पैर थिरकने लगते हैं। प्रकृति भी रंग बिरंगे फूलों से भर जाती है। कपोह फूल के बिना बिहूवटी (नर्तकी) का श्रृंगार अधूरा रहता है। असम में बिहू नृत्य उसी तरह है जैसे पंजाब में भाँगड़ा। बिहू जैसे पर्व भारत की भावनात्मक एकता के प्रतीक हैं।

शब्दार्थ :

प्रवेश द्वार	:	entrance	झोंपड़ी	:	hut
ढोल	:	drum	श्रृंगार	:	to make up/to decorate
खलिहान	:	barn	परिचित	:	familiar
प्रेम भाव	:	feeling of love	अधूरा	:	incomplete
तिल	:	sesame	निमंत्रण	:	invitation
प्रकट करना	:	to express	भावनात्मक	:	emotional
नारियल	:	coconut	एकता	:	unity
थिरकना	:	to dance	प्रतीक	:	Symbol

<u>हिंदी महीनों के नाम</u> :

चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अग्रहायण, पौष, माघ, फाल्गुन।

<u>बोध प्रश्न</u> :

1. बिहू कहाँ मनाया जाता है?
2. कंगाली बिहू पर लोग क्या करते हैं?
3. बोहागी अथवा रंगाली बिहू कब मनाते हैं?
4. भेला घर कैसे बनता है?
5. भोगाली बिहू जैसा पंजाब का त्योहार कौन-सा है?

पाठ - 50

स्वदेशी और स्वभाषा के जनक गांधी जी

बीसवीं सदी के पहले दशक की बात है। दक्षिण अफ्रीका के एक स्टेशन पर रेलगाड़ी चलने के लिए तैयार खड़ी थी। एक भारतीय युवक पहले दर्जे के डिब्बे में सवार हुआ। तभी एक गोरा डिब्बे में दाखिल हुआ। हिंदुस्तानी आदमी को देखकर वह गोरा गुस्से में आ गया और चिल्लाने लगा "फौरन गाड़ी से उतर जाओ।" हिन्दुस्तानी युवक ने कहा कि "मेरे पास पहले दर्जे का टिकट है।" इतने में गाड़ी चल पड़ी। गोरे ने हिंदुस्तानी युवक को चलती गाड़ी से उठाकर बाहर फेंक दिया। तभी उस युवक ने संकल्प किया कि इस अन्याय और रंगभेद के खिलाफ जीवन भर लड़ूँगा। इस युवक का नाम था- मोहन दास करमचंद गांधी।

गांधी जी ने रंगभेद और अन्य अत्याचारों का विऱोध करने के लिए दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया। सत्याग्रही स्त्री-पुरूष शांतिपूर्ण तरीके से नारे लगाते हुए गलत कानूनों को तोड़ते थे, जेल जाते थे। एक बार की बात है, नेटाल के सत्याग्रह आश्रम में कुछ महिलाएँ और बच्चे रह गए थे। आश्रम के सभी पुरुष और कुछ महिलाएँ भी जेल में थीं। गांधी जी को इन बच्चों की शिक्षा के बारे में चिंता होने लगी। इन बच्चों में गुज़राती और हिंदी भाषी बच्चों के अलावा बंगाली, तमिल और तेलुगु बोलने वाले बच्चे भी थे। गांधी जी ने देखा कि ये बच्चे खेलते समय हिंदी बोलते हैं। वे समझ गए कि भारत के भिन्न-भिन्न भाषा-भाषियों को जोड़ने वाली भाषा हिंदी ही हो सकती है। वे उन्हें हिंदी के माध्यम से शिक्षा देने लगे।

भारत लौटकर गांधी जी ने पूरे देश का भ्रमण किया। उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि देश के ज्यादातर हिस्सों में लोग आसानी से हिंदी समझ लेते हैं। जिन प्रदेशों में लोगों को हिंदी समझने में दिक्कत होती थी, गांधी जी ने वहाँ हिंदी प्रचार सभाओं की स्थापना की।

हिंदी अपने देश की भाषा है। लोगों के अंदर स्वराज के लिए लड़ने की शक्ति तभी आ सकती है जब उनके मन में स्वभाषा और स्वदेशी के प्रति सम्मान का भाव हो, गांधी जी का यह पक्का विश्वास था। विदेशी सरकार यहाँ से कपास इंग्लैंड ले जाती थी और वहाँ की मिलें इससे कपड़ा तैयार कर हिंदुस्तान में बेचती थीं। इससे देशवासियों का पैसा विदेश चला जाता था। गांधी जी ने देश में चरखे पर सूत कातने का अभियान चलाया। इससे गाँव के लोगों को रोज़गार मिलने लगा और भारत का स्वाभिमान भी जाग उठा। गांधी जी के इशारे पर स्वराज के आंदोलन में कूदने के लिए लाखों नौजवान तैयार हो गए। इनमें महिलाओं की भी अच्छी संख्या थी। देश के नौजवानों, स्त्री-पुरुषों के त्याग और बलिदान से भारत को आज़ादी मिली। गांधी जी का यह मानना था की इस अमूल्य स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए हमें स्वभाषा और स्वदेशी पर अभिमान करना चाहिए।

शब्दार्थ :

बीसवीं सदी	twentieth century	स्थापना करना	to establish
दशक	decade	शक्ति	power/strength
संकल्प	resolution	सम्मान	regard/respect
अन्याय	injustice	कपास	cotton
रंगभेद	racism	अमूल्य	precious
जीवनभर	whole life	चरखा	spinning wheel
अत्याचार	atrocity	सूत	cotton thread
सत्याग्रह	fight for truth	रोजगार	employment
शांतिपूर्ण	peaceful	अभियान	movement
कानून	law	कातना	to spin
जेल	prison	स्वाभिमान	self respect
माध्यम	medium	आंदोलन	movement
हिस्सा	part	त्याग	sacrifice
प्रचार करना	to propagate	स्वभाषा	own language
सभा	meeting		

बोध प्रश्न :

1. गांधी जी ने किनके खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया?
2. गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में कौन-सा आंदोलन शुरू किया?
3. लोगों में स्वराज के लिए लड़ने की शक्ति कब आती है?
4. गांधी जी ने गाँव के लोगों को रोजगार दिलाने के लिए कौन-सा अभियान चलाया?

पाठ - 51
हिंदी का महत्व

हिंदी पखवाड़े के अवसर पर इस बार अधिकारियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय रखा गया "संघ की राजभाषा हिंदी ही क्यों?" विषय पड़ा रोचक था इसलिए श्रोताओं से कांफ्रेंस हॉल पूरा भर गया।

सबसे पहले "क" ने अपना पक्ष रखा, आज संसार में कुल बारह भाषा परिवारों की भाषाएँ बोली और व्यवहार में लाई जाती हैं। हमारे देश में बाईस भाषाएँ संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज़ हैं।

संविधान बनाने वालों ने यह जरूरी समझा कि देश में ऐसी भाषा होनी चाहिए, जिसे सब लोग आसानी से बोल व समझ सकें। इससे लोग एक-दूसरे के नजदीक आ सकेंगे। तब यह तय हुआ कि हिंदी को ही ऐसी भाषा का दर्जा दिया जाए। संविधान के अनुच्छेद 343(1) में यह कहा गया कि संघ सरकार के कामकाज की भाषा देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी होगी। अंकों के रूप में "भारतीय अंकों" का अंतरराष्ट्रीय रूप प्रयुक्त होगा। इसी के साथ संविधान के अनुच्छेद 351 में यह कहा गया है कि हिंदी भाषा का प्रचार और विकास करने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर होगी। हिंदी के विकास के लिए जरूरी होगा कि जहाँ भी आवश्यक हो, हिंदी अपनी शब्द संपदा बढ़ाने के लिए मुख्य रूप से संस्कृत तथा गौण रूप में अन्य भारतीय भाषओं से शब्द ले सकेगी। इस प्रकार स्पष्ट है कि हिंदी को हमारे यहाँ एक ऐसी भाषा माना गया जिसे राष्ट्र के सब लोग बोल और समझ तथा उसमें कामकाज कर सकें।

इसके बाद "ख" ने अपने विचार इस प्रकार व्यक्त किए, "हिंदी संघ के सरकारी कामकाज यानी विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका में प्रयुक्त होने वाली राजभाषा ही नहीं बल्कि भारत देश की राष्ट्रभाषा भी है। राजभाषा संघ सरकार अथवा राज्य सरकार के कामकाज की भाषा है। भारत संघ की राजभाषा जहाँ हिंदी है वहीं राज्य सरकारों की राजभाषा उनके राज्य में बोली जानी वाली भाषा होती है जैसे तमिलनाडु की राजभाषा तमिल है, कर्नाटक की कन्नड़, आंध्र प्रदेश की तेलुगु, केरल की मलयालम है। इसी तरह अन्य राज्यों की भी अपनी-अपनी राजभाषाएँ हैं। लेकिन महाराष्ट्र, गुज़रात, पंजाब आदि राज्यों ने अपनी भाषा के साथ-साथ हिंदी को भी राजभाषा के रूप में स्वीकार किया है। हिंदी का क्षेत्र बहुत व्यापक है। इसलिए हिंदी अपनाने से व्यावसायिक लाभ भी मिलता है। गांधी जी ने कहा था "समस्त भारत के लिए प्रांतीय भाषा या भाषाओं के स्थान पर नहीं, बल्कि उनके अतिरिक्त संपर्क भाषा के रूप में एक समान भाषा होनी चाहिए। यह भाषा केवल हिंदी-हिंदुस्तानी ही हो सकती है। "

इसके बाद “ग” मंच पर आई। उन्होंने कहा- “हिंदी भारत में ही नहीं, विदेशों में भी प्रचलित है। हिंदी के गाने और फिल्में भारत में ही नहीं, विश्व के कई देशों में लोकप्रिय हैं। भाषा शास्त्री कहते हैं कि यह विश्व की सरलतम भाषा है। देश के बाहर भी लोग बड़ी संख्या में हिंदी बोलते हैं। मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, गुयाना, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल, थाइलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, जापान, चीन, रूस, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, पश्चिमी एशिया आदि में हिंदी बोली और समझी जाती है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन किया जाता है।

अंत में “घ” ने कहा हमारे उपनिषद कहते है “भाषा के बगैर न सत्य को पहचाना जा सकता है, न असत्य को। न अच्छे गुणों को, न बुरे गुणों को। न सुख को पहचान सकते हैं, न दुःख को। इन सबकी पहचान भाषा होती है। इसलिए भाषा पर मनन करो।” मेरे विचार से किसी भी समाज को एकता के सूत्र में बाँधने का महत्वपूर्ण कार्य भाषा करती है। हिंदी देश को एकता के सूत्र में बांधने की ताकत रखती है, इसलिए “हिंदी ही क्यों? का उत्तर स्वयं ही मिल जाता है।”

इस प्रतियोगिता में शामिल चारों प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

<u>शब्दार्थ</u> :

वाद-विवाद	:	debate	अनुच्छेद	:	article
प्रतियोगिता	:	competition	प्रचार	:	propagation
रोचक	:	interesting	विकास	:	development
पक्ष	:	favour	विधायिका	:	legislature
भाषा	:	language	संपर्क भाषा	:	link language
परिवार	:	family	न्यायपालिका	:	judiciary
संविधान	:	constitution	राजभाषा	:	official language
अनुसूची	:	schedule	कार्यपालिका	:	executive
दर्ज	:	entry	राष्ट्रभाषा	:	national language
मंत्रिमंडल	:	cabinet	लोकप्रिय	:	popular
तय	:	decide	कड़ी	:	chain
संघ सरकार	:	union government	अपरिमित	:	unlimited
अंतरराष्ट्रीय	:	international			

<u>बोध प्रश्न :</u>

1. हिंदी पखवाड़े के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय क्या रखा गया?
2. संसार में कितने भाषा परिवारों की भाषाएँ बोली जाती हैं?
3. हमारे देश के संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाएँ दर्ज हैं?
4. संविधान के अनुच्छेद 343(1) में क्या कहा गया है?
5. भारत संघ की राजभाषा कौन सी है?
6. हिंदी विश्व के लगभग कितने विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाती है?
7. समाज को एकता के सूत्र में बांधने का काम कौन करती हैं?

भाग - 4
परिशिष्ट

परिशिष्ट-1

आवेदन पत्र का नमूना

आकस्मिक अवकाश के लिए

सेवा में

अवर सचिव(प्रशिक्षण)
गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग,
भारत सरकार, नई दिल्ली-110003.

महोदय,

मुझे कल रात से तेज बुखार है इसलिए मैं कार्यालय आने में असमर्थ हूँ। कृपया मुझे दो दिन अर्थात् 14-5-2016 से 15-5-2016 का आकस्मिक अवकाश प्रदान करें।

भवदीय,
ह/-
(क ख ग)
सहायक
पताः-ए/15,पंडारा रोड,

दिनांक : 14-5-2016

<u>अन्य स्थितियाँ:</u>

1. मुझे अपने बच्चे को प्रवेश दिलवाने के लिए विद्यालय जाना पड़ रहा है।
2. मुझे अपने पिता जी की जाँच कराने हेतु डाक्टर के पास जाना है।
3. मुझे घर की मरम्मत करानी है।
4. मेरी पत्नी/मेरे पति कल दोपहर की गाड़ी से आ रही/रहे हैं, इसलिए मुझे उन्हें लेने के लिए स्टेशन जाना है।
5. कल मुझे साक्षात्कार देने जाना है।

<u>शब्दार्थः</u>

आवेदन	:	application
आकस्मिक अवकाश	:	casual leave
राजभाषा विभाग	:	Deptt. Of Official Language
प्रदान करना	:	to grant/to sanction

परिशिष्ट-2

कार्यालय में प्रयुक्त होने वाली नेमी टिप्पणियाँ

नमूना-1:

1. आदेश के लिए।
2. आवश्यक कार्रवाई के लिए।
3. हस्ताक्षर के लिए।
4. मसौदा अनुमोदन के लिए।
5. अवलोकन/देखने के लिए।
6. विचार के लिए।
7. आदेश के लिए प्रस्तुत है।
8. देरी के लिए खेद है।
9. चर्चा कीजिए।
10. कृपया बात करें।
11. इसे फाइल के साथ रखिए।
12. सभी को दिखाकर इसे फाइल कर दीजिए।
13. मामला विचाराधीन है।
14. संस्वीकृति/मंजूरी पत्र का मसौदा अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है।
15. प्रस्ताव अपने आप में स्पष्ट है।

नमूना-2:

1. सिफारिश की जाती है।
2. स्मरण-पत्र/अनुस्मारक भेजिए।
3. मैं ऊपर “क” से सहमत हूँ।
4. इसका हमारे विभाग से संबंध नहीं है।
5. तत्काल सूचित कर दीजिए।
6. आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है।
7. उत्तर का मसौदा तैयार कीजिए।
8. स्वच्छ प्रति हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत है।
9. यथा प्रस्ताव अनुमोदित।
10. इसका उत्तर आज ही भेजिए।
11. पत्र संबद्ध विभाग को भेजा जा रहा है।

नमूना-3:

1. कृपया आदेश/अनुदेश (हिदायतें) दें।
2. कृपया मामले पर आवश्यक कार्रवाई करें।
3. कृपया व्यय के लिए मंजूरी/संस्वीकृति प्राप्त करें।
4. कृपया पावती/प्राप्ति सूचना भेजें।
5. देख लिया, धन्यवाद।
6. कृपया चर्चा के अनुसार टिप्पणी तैयार करें।
7. टिप्पणी से सहमत हूँ। आदेश जारी करें।
8. इसे सचिव के पास भेजा/भेजना जरूरी है/नहीं है।
9. यह आदेश सभी को दिखा कर फाइल कर दीजिए।

प्रबोध अभ्यास पुस्तिका

सत्यमेव जयते

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय

भारत सरकार

निदेशन
मदन लाल गुप्ता
पूर्व संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार

संरक्षक
डॉ० जयप्रकाश कर्दम,
निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

परामर्श
बृजमोहन सिंह नेगी, पूर्व निदेशक(नीति), राजभाषा विभाग
वी०के० श्रीवास्तव, पूर्व निदेशक(तकनीकी), राजभाषा विभाग

संपादक मंडल
प्रो० वी० रा० जगन्नाथन, पूर्व प्रोफेसर, इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय
एम० एल० शर्मा, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
शमशेर अहमद खान, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
तनूजा सचदेव, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
स्नेह लता, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

ऑनलाइन संस्करण
श्री योगेन्द्र कुमार, अनुसंधान सहायक (भाषा)
श्री अजित सिंह खोला, अनुसंधान सहायक (भाषा)

प्रस्तुति
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
सातवां तल, पर्यावरण भवन, सी०जी०ओ० कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003
दूरभाष: 011-24361852, 24366794, 24368158, फैक्स: 011-24366794, 24365089
ई-मेल: dirchti-dol@nic.in
वेबसाइट- www.chti.rajbhasha.gov.in

संस्करण
प्रथम संस्करण-2005
द्वितीय संस्करण-2007
तृतीय संस्करण-2010
चतुर्थ संस्करण-2011

आमुख

भाषा हमारे विचारों की अभिव्यक्ति और संप्रेषण का सबसे सशक्त माध्यम है । भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343(1) में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान/हिंदी शिक्षण योजना द्वारा पिछले साठ वर्षों से हिंदीतर भाषा-भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान एवं दक्षता प्रदान करने का कार्य सफलतापूर्वक किया जा रहा है ताकि संघ का अधिकाधिक सरकारी काम राजभाषा हिंदी में करने में आसानी हो सके। हिंदी भाषा शिक्षण-प्रशिक्षण का कार्य 'प्रबोध', 'प्रवीण', एवं 'प्राज्ञ' नामक नियमित, अंशकालिक और पत्राचार पाठ्यक्रमों के माध्यम से देश भर में किया जा रहा है। सूचना और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भी हिंदी भाषा प्रशिक्षण के लिए राजभाषा विभाग द्वारा सी-डेक, पुणे के सहयोग से लीला हिंदी प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ नामक पैकेज इंटरनेट पर भी उपलब्ध करवाए गए हैं। इन पाठ्यक्रमों में भाषा शिक्षण के चारों सोपानों - बोधन, वाचन, पाठन और लेखन को महत्ता दी गई है।

प्रबोध पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों को भाषा के प्रारंभिक ज्ञान के साथ-साथ भाषा व्यवहार की ओर उन्मुख करना है। भाषा का ज्ञान तब तक संपूर्ण नहीं माना जा सकता जब तक इसे व्यवहार में न ले जाए। इस सबके लिए अभ्यास की आवश्यकता है। अभ्यास के बिना सीखी हुई विद्या व्यर्थ हो जाती है। भाषा की लिपि तथा वर्तनी, सामान्य बोलचाल के शब्दों, परिवेश के अनुकूल वाक्य संरचनाओं, अभिव्यक्तियों, पदबंधों आदि को निरंतर अभ्यास से ही सीखा जा सकता है। अत: लेखन कार्य में दक्षता प्रदान करने हेतु 'प्रबोध' अभ्यास पुस्तिका प्रशिक्षार्थियों के लिए प्रस्तुत है।

नई दिल्ली
मार्च, 2013

(डॉ. जयप्रकाश कर्दम)
निदेशक

पाठ क्रम

क्रम संख्या	पाठ संख्या	पृष्ट संख्या
1.	26	01
2.	27	03
3.	28	06
4.	29	09
5.	30	13
6.	31	17
7.	32	20
8.	33	25
9.	34	29
10.	35	32
11.	36	35
12.	37	38
13.	38	41
14.	39	45
15.	40	49
16.	41	54
17.	42	58
18.	43	61
19.	44	65
20.	45	69
21.	46	73
22.	47	76
23.	48	80

परिशिष्ट

अंग्रेजी शब्दों का देवनागरी लिपि में लेखन अभ्यास	83
आवेदन पत्र अभ्यास सारांश लेखन	89
भारतीय लिपियों का तुलनात्मक चार्ट	94

पाठ - 26

1. नीचे दी गई तालिका की सहायता से दस वाक्य बनाइए।

मैं	गोपाल श्रीमती शीला सदाशिवन	हूँ।
आप	सरला गीता जी श्री दास साहब श्री गणेशन राधा	हैं।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. नीचे लिखे वाक्यों के रिक्त स्थानों को कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के सही रूपों (ता रूप) की सहायता से भरिए।

नमूना : मैं गणेश हूँ। मैं वित्त मंत्रालय में काम ....हूँ। (कर)

मैं गणेश हूँ। मैं वित्त मंत्रालय में काम **करता** हूँ।

1. मैं गोपाल हूँ। मैं गांधी नगर में ....हूँ। (रह)

2. मैं शीला हूँ। मैं हिंदी..हूँ। (पढ़)
3. मैं मोहन हूँ। मैं रेल मंत्रालय में काम................................... हूँ। (कर)
4. मैं अध्यापक हूँ। मैं हिंदी... हूँ। (पढ़ा)
5. मैं सरोजिनी हूँ। मैं हिंदी टाइपिंग....................................... हूँ। (सीख)

2. नीचे दिए नमूने के अनुसार "भी" का प्रयोग कीजिए और वाक्यों को सामने लिखिए।

नमूना : मैं रेल मंत्रालय में काम करता हूँ।

मैं भी रेल मंत्रालय में काम करता हूँ।

1. मैं गांधी नगर में रहती हूँ। ....
2. आप यहाँ हिंदी पढ़ते हैं। ....
3. मैं दिल्ली में काम करता हूँ। ....
4. आप तमिल सीखती हैं। ....
5. मैं हिंदी अध्यापक हूँ। ....
6. मैं गुजराती पढ़ाती हूँ। ....

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

1. आपका क्या नाम है? ....
2. आप कहाँ रहते/रहती हैं? ....
3. आप आजकल क्या सीखते/सीखती हैं? ....
4. आप कहाँ काम करती/करते हैं? ....
5. आपकी मातृभाषा क्या है? ....

योग्यता विस्तार

अपने बारे में (नाम, पता, भाषा, शौक आदि) छह-सात वाक्य लिखकर प्राध्यापक को दिखाइए।

पाठ - 27

1. नीचे दी गई तालिका की सहायता से दस वाक्य बनाइए।

मैं	बस		कार्यालय	जाता	हूँ।
आप	साइकिल				
हम	रिक्शा	से	दफ़्तर	जाती	हैं।
तुम	स्कूटर			जाते	हो।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. तुम कहाँ रहते हो?

   ....

2. आप आजकल कहाँ काम करते हैं?

   ....

3. तुम दोनों दफ़्तर कैसे जाती हो?

   ....

4. क्या तुम लोग वित्त मंत्रालय में काम करते हो?
   1. जी हाँ, हम लोग...

   2. जी नहीं,...

5. क्या आप रोज़ मंदिर जाते हैं?
   1. जी हाँ, वे...

   2. जी नहीं,...

3. नीचे दिए गए नमूने के अनुसार कोष्ठक में दिये गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

नमूना : मैं रोज़ स्कूटर से जाता हूँ। (कभी-कभी)

मैं कभी-कभी स्कूटर से जाता हूँ।

1. हम रोज़ मोटर से दफ़्तर जाते हैं। (कभी-कभी)

   ....

2. आप हिंदी अच्छी तरह जानती हैं। (बिल्कुल नहीं)

   ....

3. आप कभी-कभी क्लब में जाते हैं। (अक्सर)

   ....

4. हम रोज़ सितार सीखते हैं। (आजकल)

   ....

5. तुम कभी-कभी हिंदी अखबार पढ़ते हो। (हमेशा)

   ....

6. श्रीमती अरोड़ा यहाँ काम करती हैं। (आजकल)

   ....

4. नीचे लिखे वाक्यों को कोष्ठक में दी गई क्रियाओं की सहायता से पूरा कीजिए।

1. क्या तुम आजकल संगीत..हो? (सीख)

2. हम दोनों डाक-तार विभाग में काम.................................. हैं।   (कर)

3. मैं दस बजे घर.. हूँ।   (जा)

4. शीला क्या तुम कैरम.. हो।   (खेल)

5. क्या तुम कॉलेज़ में... हो?   (पढ़)

6. श्री सदाशिवन आजकल हिंदी.. हैं।   (बोल)

7. हम दोनों दिल्ली में .... हैं।   (रह)

5. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं स्कूल में पढ़ता हूँ।

मैं स्कूल में नहीं पढ़ता।

1. तुम वित्त मंत्रालय में काम करते हो।

....

2. आप सरोजिनी नगर में रहती हैं।

....

3. हम शाम को यहाँ आते हैं।

....

4. श्रीमती राय आजकल गाना सीखती हैं।

....

5. तुम दोनों रोज़ सुबह अखबार पढ़ते हो।

....

6. हम दोनों शाम को टेनिस खेलते हैं।

....

योग्यता विस्तार :

अपनी दिनचर्या के बारे में आठ-दस वाक्य लिखकर प्राध्यापक को दिखाइए।

पाठ - 28

1. नीचे दी गई तालिका की सहायता से दस वाक्य बनाइए।

वह				
कमला	अक्सर	ताश	खेलता	हो।
गोपाल				
श्रीमती चटर्जी	कभी-कभी	शतरंज	खेलती	है।
दास साहब				
वे	आजकल	कैरम	खेलते	हैं।
तुम				

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....

2. नमूने के अनुसार दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

नमूना: इस दुकान पर ताजी सब्ज़ी मिलती है।

(ताज़े फल, अच्छी-अच्छी किताबें, सारी दवाइयाँ, सब तरह के कपड़े, गाय का दूध, पूजा की सामग्री)

1. ....
2. ....
3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

3. नीचे लिखे वाक्यों को कोष्ठक में दी गई क्रियाओं की सहायता से पूरा कीजिए।

1. तुम आजकल कहाँ.. हो ? (रह)

2. ये दोनों कभी-कभी यहाँ ....हैं। (आ)

3. हम दोनों आजकल फिल्म नहीं...। (देख)

4. शीला और गीता शाम को कहाँ..हैं? (जा)

5. सरला और निर्मल एक ही स्कूल में नहीं...............................। (पढ़)

6. वह शाम को क्या...है? (कर)

4. रूपांतरण अभ्यास

नमूना: मकान में एक कमरा है।

मकान में कई कमरे हैं।

1. क्लास में एक लड़की है।

   ....

2. दफ़्तर में एक लिपिक है।

   ....

3. अलमारी में एक किताब है।

   ....

4. दुकान में एक साड़ी है।

   ....

5. घर में एक दरवाज़ा है।

   ....

6. दीवार में एक खिड़की है।

   ....

7. स्कूल में एक अध्यापक है ।

   ....

5. पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सरला के पति कहाँ काम करते हैं?

   ....

2. सरला की बेटियाँ संगीत सीखने कब जाती हैं?

   ....

3. वरुण क्या-क्या सीख रहा है?

   ....

4. सरला की बेटियाँ संगीत के साथ-साथ और क्या सीखती हैं?

   ....

5. श्री वर्मा किस कार्यालय में हैं?

   ....

योग्यता विस्तार

अपने घर के लोगों का परिचय देते हुए आठ-दस वाक्य बनाइए।

पाठ - 29

1. नमूने के अनुसार क्रियाओं के रूप लिखिए।

	क्रिया	**(तुम)**	**(आप)**
नमूना:	निकालना	निकालो	निकालिए
	पढ़ना	....	....
	बैठना	....	....
	मिलना	....	....
	खोलना	....	....
	आना	....	....
	जाना	....	....
	करना	....	....
	लेना	....	....
	देना	....	....
	सोना	....	....
	धोना	....	....
	जीना	....	....
	पीना	....	....

2. नीचे दिए गए टेबुल की सहायता से वाक्य बनाइए।

सुरेश, तुम/जरा गणेश जी, आप/जरा	बैठो। चाय लीजिए। मेरी बात सुनिए। ठंडा पानी लाओ। यह पत्र देखिए। खिड़की मत खोलो। फाइल लाइए।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखिए।

नमूना: तुम खिड़की खोलो।

1. तुम खिड़की मत खोलो।

2. आप खिड़की खोलिए।

3. आप खिड़की न खोलिए।

1. तुम रामू की बात मानो।

   1. ....

2. ....

3. ....

2. तुम नई फाइल खोलो।

1. ....

2. ....

3. ....

3. तुम मेरे साथ चलो।

1. ....

2. ....

3. ....

4. आज तुम बैंक से पैसे निकालो।

1. ....

2. ....

3. ....

5. तुम जनपथ होटल में ठहरो।

1. ....

2. ....

3. ....

4. नीचे रिक्त स्थानों को कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के सही रूपों से भरिए।

पिताजी : राजीव, लो ये फल..। (खाना)

राजीव : पहले आप..पिताजी । (लेना)

पिताजी : नहीं तुम..। (लेना)

अच्छा सुनो, जरा नौकर रतन को.. । (बुलाना)

राजीव : रतन यहाँ.....................................पिताजी बुला रहे हैं ।(आना)

पिताजी, स्कूल की रिपोर्ट... ।(देखना)

पिताजी : शाबाश
इस बार अच्छे नंबर मिले हैं ।
राजीव, रिपोर्ट माँ को भी..और (दिखाना)

उनसे...................................कि हम सबको मिठाई खिलाएँ । (कहना)

5. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. रमेश जी के घर कौन आए हैं?

   ....

2. भूषण कौन सा एलबम दिखाता है?

   ....

3. गणेशन किसे जन्मदिन पर बुलाते हैं?

   ....

4. गणेशन की पत्नी का क्या नाम है?

   ....

5. जन्मदिन का कार्यक्रम कितने बजे से है?

   ....

योग्यता विस्तार

अपने/अपनी मित्र या अपने चाचा/चाची से बातचीत के आठ-दस वाक्य निम्नलिखित क्रियाओं का प्रयोग करते हुए बनाइए। जैसे - आना (कब, कैसे, क्यों), लाना (क्या, क्या नहीं) लेना (कौन सी चीज़ें, कहाँ से, कितने/कितनी)

पाठ - 30

1. **नीचे दी गई तालिका के आधार पर वाक्य बनाइए।**

मुझे शिल्पा जी को उन्हें नरेश को हमें तुम्हें श्री चटर्जी को	मकान पुस्तक भरतनाट्यम नृत्य रवींद्र संगीत मोटर साइकिल कटक की साड़ी बेंत का फर्नीचर	चाहिए। पसंद है।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।**

(क) **नमूना :** मुझे यह कपड़ा चाहिए।

मुझे यह कपड़ा पसंद है।

1. प्रगति को शरबत चाहिए। ....

2. तुम्हें क्या चाहिए। ....

3. बच्चे को वीडियो गेम चाहिए। ....

4. उदित को कैलकुलेटर चाहिए। ....

5. सुश्री लक्ष्मी को पटोला साड़ी चाहिए। ....

(ख) **नमूना**: मुझे यह किताब नहीं चाहिए।

मुझे यह किताब पसंद नहीं है।

1. हमें यह साड़ी नहीं चाहिए। ....

2. पार्थ को रसगुल्ला नहीं चाहिए। ....

3. उसे काँचीवरम की साड़ी नहीं चाहिए। ....

4. श्रीमती दास को यह घड़ी नहीं चाहिए।...

5. राकेश को सूट का कपड़ा नहीं चाहिए।...

3. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखिए।**

नमूना : मुझे यह किताब बहुत पसंद है।

मुझे ये किताबें बहुत पसंद हैं।

1. उसे यह फल बहुत पसंद है। ....

2. हमें यह कपड़ा बहुत पंसद है। ....

3. तुम्हें यह कुर्सी बहुत पसंद है। ....

4. श्री दास को यह टाई बहुत पसंद है। ....

5. करन को मिठाई बहुत पसंद है। ....

4. नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना : मेरे पास घड़ी नहीं है। मुझे एक घड़ी चाहिए।

मेरे पास घड़ी है, मुझे घड़ी नहीं चाहिए।

1. हमारे पास घर नहीं है। हमें घर चाहिए

   ....

2. तुम्हारे पास हीरे का हार नहीं है। तुम्हें हीरे का हार चाहिए।

   ....

3. पिताजी के पास सिल्क का कुर्ता नहीं है। उन्हें सिल्क का कुर्ता चाहिए।

   ....

4. मेरे पास शरतचन्द्र के उपन्यास नहीं हैं। मुझे शरतचन्द्र के उपन्यास चाहिए।

   ....

5. वरुण के पास कंप्यूटर नहीं है, उसे कंप्यूटर चाहिए।

   ....

6. श्रीमती समीर के पास कार नहीं है, उन्हें कार चाहिए।

   ....

5. गद्यांश के रिक्त स्थानों को "चाहिए", "पसंद" से भरिए।

मुझे नई-नई जगह देखना......................है। घूमने के लिए समय और धन भी................। पहाड़ों पर जाने के लिए गरम कपड़े, विशेष जूते आदि........................। मुझे पहाड़ों पर सूर्योदय तथा सूर्यास्त देखना बहुत.....................है। पहाड़ों की सुंदरता को कैद करने के लिए मुझे एक अच्छा कैमरा........................।

6. संवाद - छात्र कक्षा में दुकानदार-ग्राहक का पात्रभिनय करें।

नमूना : दुकानदार : आपको क्या चाहिए।

ग्राहक : मुझे साबुन चाहिए। आपके पास है।

दुकानदार : हाँ है। यह लीजिए। नहीं, हमारे पास नहीं है।

नमूना : ग्राहक : सुनिए।

दुकानदार	:	कहिए, क्या चाहिए।
ग्राहक	:	रेशमी कपड़ा दिखाइए।
दुकानदार	:	यह देखिए । पसंद है ?
ग्राहक	:	हाँ, पसंद है। दो मीटर दीजिए। नहीं, यह पसंद नहीं है। वह दिखाइए।

पाठ - 31

1. नीचे दी गई तालिका की सहायता से दस वाक्य बनाइए।

मैं उस उन शीला तुम हम आप	को	किताब कपड़े फल सब्ज़ियाँ घड़ी किताबें चाय	नहीं चाहिए। बिल्कुल पसंद नहीं है। बहुत पसंद हैं। बहुत अच्छी लगती है।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. रिक्त स्थानों को कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूपों से भरिए।

मोहन का मकान बहुत बड़ा है । उस मकान में पाँच..................... (कमरा) हैं। पाँचों ....(कमरा) में कई-कई खिड़कियाँ और कई-कई अलमारियाँ हैं। मोहन का परिवार भी बड़ा है। उसके चार.................(लड़का) और तीन.......................(लड़की) हैं। सबसे बड़े .... (लड़का) का कालेज दूर है, इसलिए वह हॉस्टल में रहता है। मोहन सब .... (लड़का) और .... (लड़की) को अच्छी शिक्षा देना चाहता है।

3. नमूने के अनुसार वाक्यों को बदलिए।

नमूना : मुझे यह कपड़ा चाहिए।
मुझे यह कपड़ा अच्छा लगता है।

1. राम को यह घड़ी चाहिए।
....

2. तुम्हें क्या चाहिए?
....

3. उसे नई साइकिल चाहिए।
....

4. मुझे प्रेमचंद की किताबें चाहिए।
....

5. उन्हें रंगीन डिब्बे चाहिए।
....

6. क्या आपको डोसा चाहिए?
....

7. रेखा को कैसी साड़ियाँ चाहिए?
....

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना : पानी लाओ।
अभी लाता हूँ।

1. एक कप चाय लाओ। ....
2. लाल रंग का कपड़ा निकालो। ....
3. तीस रुपए दीजिए। ....
4. पैसे गिन लीजिए। ....
5. ऊपर से चौथा थान निकालो। ....

5. **नीचे दिए गए संज्ञा शब्दों से नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए ।**

नमूना : इस दुकान में अच्छे-अच्छे ....।(कपड़े)
इस दुकान में अच्छे-अच्छे कपड़े मिलते हैं।(किताबें, साड़ियाँ, कैमरे, क़मीज़ें, खिलौने, पर्स)

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

6. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ग्राहक ने क्या-क्या सामान खरीदा?

   ....

2. नहाने के साबुन के साथ क्या मुफ़्त मिलता है?

   ....

3. ग्राहक ने कपड़े धोने के पाउडर का किस साइज का पैकेट खरीदा?

   ....

4. आजकल बाज़ार में कौन-कौन से टूथपेस्ट आ रहे हैं?

   ....

योग्यता विस्तार: आप अपनी पसंद के बारे में पाँच-छह वाक्य बनाइए।

पाठ - 32

1. नीचे दी गई तालिका के आधार पर दस वाक्य बनाइए।

	मैं				
	वह				जाऊँ।
शायद	शीला		बैठक में		
	राजेन्द्र			न	जाए।
	रमेश जी	कल			
हो सकता है	हम		कार्यालय		जाएँ।
	वे				
	आप				जाओ।
	तुम				

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखिए।**

नमूना : मैं कल बाज़ार जाऊँगा।

1. हो सकता है मैं कल बाज़ार जाऊँ।

2. शायद मैं कल बाज़ार जाऊँ।

1. आप अगले हफ़्ते तक ठीक हो जाएँगे।

1. ....

2. ....

2. तुम अगले साल यहाँ से चले जाओगे।

1. ....

2. ....

3. बच्चे आपके साथ नैनीताल जाएँगे।

1. ....

2. ....

4. मैं शाम तक काम पूरा कर लूँगा।

1. ....

2. ....

3. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।**

नमूना: शायद काम न हो।

लगता है कि काम नहीं होगा।

1. शायद सचिव महोदय न आएँ।

....

2. शायद फ़ाइल वापस न आए।

....

3. शायद आपके ठहरने का इंतजाम न हो।

....

4. शायद प्रतिभागियों को न बुलाया जाए।

....

5. शायद कल बैठक न हो।

....

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना : उसकी पदोन्नति नहीं हुई।

भगवान करे उसकी पदोन्नति हो जाए।

1. सुरेश को पर्स नहीं मिला।

....

2. शीला को नौकरी नहीं मिली।

....

3. उसका काम नहीं बना।

....

4. उसकी आशा पूरी नहीं हुई।

....

5. उसकी तरक्की नहीं हुई।

....

5. कोष्ठक में दिए गए संकेतों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क्या आप लेखा-2 का काम देखेंगे? (हो सकता है कि................................।)

....

....

2. क्या संयुक्त सचिव दौरे पर जाएँगे? (हो सकता है कि..............................।)

....

....

3. क्या मिसिल लौट आई है?(लगता है कि..।)

....

....

4. क्या आपके ठहरने का इन्तज़ाम हो गया? (शायद....................................।)

....

....

5. बैठक कब बुलाई जा रही है? (शायद अब....................न........................।)

....

....

6. क्या शीला प्रबोध परीक्षा में पास होगी? (भगवान करे...............................।)

....

....

6. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लेखक कौसानी कैसे जा रहे हैं?

....

2. भारत का स्विटजरलैंड किसे कहते हैं?

....

3. लेखक अल्मोड़ा किससे जा रहे हैं?

....

4. सुमित्रानंदन पंत का जन्म स्थान कहाँ है?

....

योग्यता-विस्तार

पर्यटन कार्यालय में यात्रा के बारे में जानकारी लेने के लिए आठ-दस वाक्य लिखिए। जैसे कहाँ/कैसे/कब जाऊँ/क्या-क्या चीजें लेकर जाऊँ।

पाठ - 33

1. नीचे दी गई तालिका के आधार पर इस वाक्य बनाइए।

मुझे	कल से	तेज बुखार	
मोहन को	अभी से	खाँसी	
उन्हें	परसों से	जुकाम	है।
राधा को	बहुत	फ्लू	

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....

2. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना : सारे अध्यापक परेशान हैं।

सारे अध्यापकों को परेशानी है।

1. वे एक महीने से बीमार हैं।

....

2. विद्यार्थी बहुत दुखी हैं।

....

3. बस की यात्रा से आप परेशान होंगे।

....

4. बच्चा भूखा है।

....

5. बीमारी की वजह से मैं कमज़ोर हूँ।

....

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना : आपका मकान अच्छा है।

आपका मकान अच्छा लगता है।

1. स्कूल के बच्चे नटखट हैं।

....

2. यहाँ का मौसम ठीक है।

....

3. इस कुएँ की पानी मीठा है।

....

4. ताजमहल सुंदर है।

....

5. आपको कुछ बुखार है।

....

4. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर "जी हाँ", "जी नहीं" में दीजिए।

1. क्या आपको नींद आ रही है?

   1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

2. क्या उनको भूख लगती है?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

3. क्या तुम्हें प्यास लग रही है ?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

4. क्या राम को मेरी याद आती है ?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

5. क्या अब मरीज़ को आराम है ?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

6. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. आपको कौन-सा रंग अच्छा लगता है ? (लाल)

....

2. आपको क्या बीमारी है ? (ज़ुकाम)

....

3. उनको प्यास क्यों लगती है ? (गरमी के कारण)

....

4. आपको गुस्सा क्यों आता है ? (उसके व्यवहार से)

....

5. इस नंबर बस कितने बजे आती है ? (साढ़े आठ बजे)

....

योग्यता विस्तार

आपकी तबियत ठीक नहीं है। डॉक्टर को अपनी स्थिति बताते हुए सात-आठ वाक्य बनाइए।

पाठ - 34

1. नमूने के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूपों से वाक्य बनाइए।

नमूना : वे लोग.......................। (भीगना)

वे लोग भीग रहे हैं।

1. लड़कियाँ...। (वहाँ जाना)
2. श्रीमती राय..। (बैडमिंटन खेलना)
3. गोपालन...। (अखबार पढ़ना)
4. गुप्ता जी...। (यहाँ आना)
5. सरला...। (पत्र लिखना)
6. विद्यार्थी...। (कॉफ़ी पीना)

2. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना : मैं रोज़ हिंदी पढ़ता हूँ। (इस समय)

मैं इस समय हिंदी पढ़ रहा हूँ।

1. रंगनाथन रोज़ दफ़्तर जाते हैं। (इस समय)

....

2. यहाँ रोज़ बारिश होती है। (सुबह से)

....

3. राधा रोज़ टेनिस खेलती है। (अब)

....

4. हम लोग रोज़ काफी पीते हैं। (अभी)

....

5. रामू रोज़ सब्ज़ी लाता है। (इस समय)

....

3. नमूने के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों से वाक्यों को पूरा कीजिए ।

नमूना : सुरेश कल...। (मुंबई जाना)

सुरेश कल मुंबई जा रहा है।

1. मैं चार तारीख से..। (छुट्‌टी लेना)
2. क्या विमलेंदु जी जनवरी में.................................। (अमेरिका जाना)
3. बच्चे स्कूल से कब..। (वापस आना)
4. गीता स्कूल में..। (सितार सीखना)
5. पिताजी मंदिर...। (जाना)

4. कोष्ठक में दी हुई क्रियाओं के उचित रूपों(ता है/रहा है) का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

1. सरला कभी-कभी सरिता..। (पढ़ना)
2. बाज़ार में आजकल चाय...। (मिलना)
3. वह रोज़ पाँच बजे घर...। (लौटना)
4. हम लोग हमेशा रविवार को घर पर.................................. । (रहना)
5. आजकल रीगल में कौन सी फ़िल्म.......................................। (चलना)
6. राम इस समय कुछ... । (काम करना)

5. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क्रिकेट मैच कहाँ से प्रसारित हो रहा है?

   ....

2. एक दिवसीय क्रिकेट मैच किन दो देशों के बीच खेला जा रहा है?

   ....

3. भारत के मध्यम क्रम के कौन-से बल्लेबाज गेंदों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं?

   ....

4. लार्ड्स के मैदान में दर्शक अपनी खुशी का प्रदर्शन किस तरह कर रहे हैं?

....

5. इस मैच में किस देश की जीत हुई?

....

योग्यता-विस्तार

अपने आसपास (घर में, दफ़्तर में या बाज़ार में, जहाँ भी आप हों) की घटनाओं का आठ-दस वाक्यों में वर्णन कीजिए।

पाठ - 35

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं पढ़ रहा/रही हूँ।

मैं पढ़ूँगा/पढ़ूँगी।

1. तुम पत्र लिख रहे हो।

   ....

2. आप काफी पी रहे हैं।

   ....

3. हम हिंदी सीख रहे/रही हैं।

   ....

4. शारदा जी राज को पढ़ रही हैं।

   ....

5. बच्चे कमरे में सो रहे हैं।

   ....

6. मैं काम कर रहा/रही हूँ।

   ....

2. वाक्यों के सही रूप पर सही (√) का निशान लगाएँ।

1. तिवारी जी अभी तक काम कर रहे है/ हैं/ हो।
2. शीला पत्र लिख रही है/ हैं/ हो/ हूँ।
3. आप स्कूल से घर आ रहे है/ हैं/ हो/ हूँ।
4. मैं आजकल तमिल सीख रहा है/ हैं/ हो/ हूँ।
5. तुम अब तक सो रहे है/ हैं/ हो/ हूँ।

3. नीचे रिक्त स्थानों को रहा/ रही/ रहे के सही रूपों से भरिए।

1. आप दफ़्तर पैदल जा .... हैं।
2. गीता अब क्या कर .... है?
3. नौकर बाज़ार से सब्ज़ी ला .... है।
4. तुम बहुत तेज़ स्कूटर चला .... हो।
5. राघव जी शरबत पी ....हैं।
6. मैं सितार सीख .... हूँ।

4. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के साथ रहा/रही/रहे का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. आप खाना .... । (बनाना)
2. बच्चे मैदान में .... । (खेलना)
3. तुम पिता जी को पत्र .... । (लिखना)
4. हम बारिश में .... । (भीगना)
5. मोहन सबको चाय .... । (पिलाना)
6. मैं विदेशियों को हिंदी .... । (पढ़ाना)

5. रिक्त स्थानों को भरिए।

इस समय शाम हो .... है। बच्चे मैदान में खेल .... हैं। एक तरफ कुछ लड़के फुटबाल खेल .... हैं। दूसरी ओर एक टीम क्रिकेट खेल .... है। मैदान में कुछ लड़कियाँ झूला झूल .... हैं। सब कुछ बहुत अच्छा लग .... है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. रेणु आजकल क्या सीख रही है?

   ....

2. मीरा कौन-सा उपन्यास पढ़ रही है?

....

3. उपन्यास के लेखक कौन हैं?

....

4. मोहन किसकी तैयारी कर रहा है?

....

5. क्या मोहन बंगला भाषा भी सीख रहा है?

....

योग्यता-विचार

आजकल आप क्या कर रहे हैं/सीख रहे हैं/पढ़ रहे हैं? इस समय आप क्या कर रहे हैं? अपने बारे में सात-आठ वाक्य बनाइए।

पाठ - 36

1. नीचे दी गई तालिका के आधार पर दस वाक्य बनाइए।

मोहन शीला हम वे लोग सभी अध्यापक श्रीमती मेहता	कल परसों	आगरा शिमला	जाएगा। जाएगी। जाएँगे। जाएँगी।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....

2. नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना: मैं आज बाज़ार जा रहा हूँ। (कल)

मैं कल बाज़ार जाऊँगा।

1. हम लोग इस हफ़्ते मुम्बई जा रहे हैं। (अगले हफ़्ते)

....

2. आपके विभाग की बैठक आज हो रही है ? (कल)

....

3. अभी हमारे घर दफ़्तर के कुछ साथी आ रहे हैं। (शाम को)

....

4. क्या वे भी इस बैठक में चल रहे हैं? (अगली बैठक में)

....

5. क्या गुप्ता जी आज यहीं रुक रहे हैं? (कल भी)

....

3. नमूने के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को बदलिए।

नमूना: मोहन कल नैनीताल जाएगा।

मोहन हर साल नैनीताल जाता है। (हर साल)

1. सब लोग इस साल छुट्टियों में घर जाएँगे। (हर साल)

....

2. कंचन इसी दुकान से सामान खरीदेगी। (अक्सर)

....

3. लड़कियाँ सवेरे कंप्यूटर सीखेंगी। (रोज़)

....

4. श्री दास का भाई आज होटल में रुकेगा। (हमेशा)

....

5. मोहन की लड़कियाँ शाम को पाँच बजे घर लौटेंगी। (रोज़)

....

4. नमूने के अनुसार दिए गए शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

नमूना : मदन आज नहीं आएगा, ...। (कल)

मदन आज नहीं आएगा, वह कल आएगा।

1. पिताजी इस साल गाँव नहीं जाएँगे, ...। (अगले साल)

2. मीरा अभी शादी नहीं करेगी, ... । (बाद में)

3. रमेश और रहीम कल यहाँ नहीं आएँगे, ... । (दो दिन बाद)

4. मनोज अभी पत्र टाइप नहीं करेगा, ... । (दोपहर के बाद)

5. हम इस सप्ताह फ़िल्म नहीं देखेंगे, ... । (अगले सप्ताह)

6. खान साहब की इस बार पदोन्नति नहीं होगी, ...। (अगली बार)

5. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सब लोग पिकनिक पर कब और कहाँ जाएँगे?

   ....

2. सब लोग सूरजकुंड जाकर क्या-क्या करेंगे?

   ....

3. पिकनिक पर सब लोग क्या-क्या बनाकर लाएँगे?

   ....

4. क्या सुषमा मैडम भी पिकनिक पर चलेंगी?

   ....

5. सूरजकुंड का वर्णन करें।

   ....

   ....

   ....

योग्यता-विस्तार

आपके घर के लोग/दफ़्तर के मित्र पार्टी में जा रहे हैं। कौन-कौन, क्या-क्या करेंगे? इस पर दस-बारह वाक्य लिखिए।

पाठ - 37

1. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।**

   नमूना: मैं तैर सकता हूँ।

   मैं तैरता हूँ।

   1. हम पाठ लिख सकते हैं।

      ....

   2. सुषमा अच्छा टाइप कर सकती है।

      ....

   3. राजेश मराठी बोल सकता है।

      ....

   4. मेरा सहायक मसौदा तैयार कर सकता है।

      ....

   5. नीता जी अच्छी तरह कार चला सकती हैं।

      ....

   6. वे अच्छी तरह मलयालम पढ़ा सकते हैं।

      ....

2. **रिक्त स्थानों को नीचे दिए शब्दों से भरिए।**

   सकना, आना, जानना, चाहना

   1. क्या मैं अंदर आ.. हूँ?
   2. गीता सिनेमा जाना .... है।
   3. क्या आप किसी से मिलना .... है?
   4. वह खाना बनाना .... है।
   5. वे राधा के घर आना .... हैं।
   6. लता शास्त्रीय संगीत सीखना .... है।
   7. वरुण चित्रकारी करना .... है।

8. क्या आपको शतरंज खेलना .... है?

9. हाँ, मुझे हिंदी लिखनी .... है।

3. रिक्त स्थानों को नीचे दी गई क्रियाओं से भरिए।

(पाना, सकना, आना)

मुझे तैरना अच्छी तरह .... है। मेरे दोस्त कहते हैं कि मैं आसानी से दो मील तैर ....हूँ। इससे पहले मैं तैराकी प्रतियोगिताओं में इनाम ....चुका हूँ। एक बार हमारे कॉलेज में तैराकी प्रतियोगिता हुई। उस दिन मुझे बुखार था इसलिए मैं तैर नहीं ....। मैं सोचता हूँ कि शहर के कई खिलाड़ी मुझसे अच्छा तैर .... हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर जी हाँ, जी नहीं के साथ लिखिए।

1. क्या आप लगान फ़िल्म देखना चाहते हैं?
   जी हाँ, ...

   जी नहीं, ...

2. क्या मनोज कम्प्यूटर सीख पाया?
   जी हाँ, ...

   जी नहीं, ...

3. क्या निदेशक कल की बैठक में आ सकेंगी?
   जी हाँ, ...

   जी नहीं, ...

4. क्या आप प्रतिदिन योग अभ्यास करते हैं?
   जी हाँ, ...

   जी नहीं, ...

5. क्या नीता मणिपुरी नृत्य जानती है?
   जी हाँ, ...

जी नहीं, ...

5. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।**

नमूना: क्या आप कल दफ़्तर आ सकते हैं/सकेंगे?

जी हाँ, मैं आ सकता हूँ।

जी नहीं, मैं (कल) नहीं आ पाऊँगा।

1. क्या आप कल दौरे पर जा सकते हैं?

....

....

2. क्या आप मुझे कुछ रुपए उधार दे सकते हैं?

....

....

3. क्या आप ये सारे पत्र शाम तक टाइप कर लेंगे?

....

....

4. क्या आप कल तक यह मामला निपटा देंगे?

....

....

5. क्या आप शाम तक अभ्यास पूरा कर सकेंगे?

....

....

योग्यता-विस्तार

आपको कौन-कौन सी भाषाएँ आती हैं और कितनी? आप कौन-कौन से खेल खेल सकते हैं? पाँच-पाँच वाक्य बनाइए।

पाठ - 38

1. **नीचे दी गई तालिका के आधार पर दस वाक्य बनाइए।**

रमा		कहानी	पढ़ेगी।
बच्चे			पढ़ेंगी।
तुम		किताब	पढ़ूँगी।
हम			पढ़ेंगे।
वे	कल/आज	अख़बार	पढ़ेगा।
मैं			पढ़ोगे।
स्वामीनाथन		नाटक	पढ़ूँगा।
श्रीमती कल्याणी			

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना: मैं कल फ़ाइल भेज रहा हूँ।

मैं कल फ़ाइल भेजूँगा।

1. मैं देश की सेवा कर रहा हूँ।

   ....

2. तुम हिंदी सीख रहे हो।

   ....

3. सेवा-निवृत्ति के बाद उप सचिव पुस्तक लिख रहे हैं।

   ....

4. हम पंजाबी सीख रहे हैं।

   ....

5. आप दक्षिण भारत के बारे में बता रहे हैं।

   ....

3. नमूने के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को बदलिए।

नमूना: मैं आपसे हिंदी में बात करूँगा।

मैं आपसे हिंदी में बात करता हूँ।

1. लड़कियाँ दौड़ेंगी।

   ....

2. तुम प्रतियोगिता में इनाम पाओगे।

   ....

3. आप नया पाठ बनाएँगे।

   ....

4. हम रोज़ सुबह आपके घर आएँगे।

   ....

5. निदेशक कविता लिखेंगे।

   ....

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: क्या मैं कल मुंबई जाऊँ?

मैं कल मुंबई जाऊँगा।

1. क्या हम आज फ़िल्म देखें?

   ....

2. क्या लड़कियाँ पाठ पढ़े?

   ....

3. क्या सहायक मसौदा बनाएँ?

   ....

4. क्या उप निदेशक दौरे पर जाएँ?

   ....

5. क्या कल हम बैठक बुलाएँ?

   ....

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं कल दफ़्तर जाऊँगा।

मैं कल दफ़्तर जाना चाहूँगा।

1. हम शादी में सबसे मिलेंगे।

   ....

2. तुम जन्मदिन पर क्या उपहार दोगे?

   ....

3. आप बाज़ार से क्या-क्या लेंगे?

   ....

4. वह तैराकी सीखेगा।

   ....

5. राधा और रानी फ़िल्म देखेंगी।

   ....

5. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सब लोग किसकी शादी में जा रहे हैं?

   ....

2. 'महिला संगीत' में क्या-क्या होगा?

   ....

3. अनु और पार्थ शादी में क्या-क्या पहनेंगे?

   ....

4. 'जूता छुपाई' में क्या होता है?

   ....

5. विदाई तक कौन-कौन रुक रहा है?

   ....

योग्यता-विस्तार

आपके घर में शादी है-कौन-कौन आएँगे, कैसे आएँगे, कब आएँगे, कहाँ रुकेंगे, कितने दिन रुकेंगे? इस संबंध में आठ-दस वाक्य बनाइए।

पाठ - 39

1. **नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।**

नमूना: मैं आता हूँ।

मैं आया।

1. गोपाल बाज़ार जाता है।

....

2. आप लोग मैनेजर से मिलते हैं।

....

3. तुम मयूर होटल में ठहरते हो।

....

4. सीता पेड़ के नीचे बैठती है।

....

5. श्रीमती अरोड़ा स्टेशन पर रुकती हैं।

....

6. मैं सात बजे स्कूल जाता हूँ।

....

2. **नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।**

नमूना: मैं कल दिल्ली जा रहा हूँ।

मैं कल दिल्ली गया।

1. रमेश फिर विलायत जा रहा है।

....

2. सचिव महोदय कल बाहर जा रहे हैं।

....

3. आप दावत में कब पहुँच रहे हैं?

....

4. श्रीमती चटर्जी मैसूर से कब लौट रही हैं?

....

5. छुट्टियों के बाद बच्चों के स्कूल खुल रहे हैं।

....

6. तुम मैसूर में किस मित्र के यहाँ रुक रहे हो?

....

3. रिक्त स्थानों को नीचे दिए गए परसर्गों से भरिए।

(से, में, पर, का, के, को)

पिछले हफ़्ते हम एक जगह पिकनिक .... गए थे। उस जगह .... नाम बरारा है। वह आगरा .... करीब दस किलोमीटर दूर है। उस गाँव...... प्रधान .... नाम ठाकुर सिंह है। उस गाँव .... अंगूरों .... बहुत बड़ा बाग है। अंगूरों .... बाग .... देखकर हमें बड़ा आनन्द आया।

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं कल फिल्म देखने गया।

मैं कल फ़िल्म देखने गई।

1. हम कल कोलकाता से लौटे।

....

2. आप मनाली से कब आए?

....

3. वे काफी समय विदेश में रहे।

....

4. तुम कितने बजे उठे?

....

5. वह रात को होटल में रुका।

....

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. आप छुट्टियों में कहीं गए?

जी नहीं, ...

2. क्या आपके मेहमान वापस गए?

जी हाँ, ...

3. मैसूर में आप कितने दिन ठहरे?

....

4. बच्चों का स्कूल कल कितने बजे लगा?

....

5. आपके माता-पिता बनारस से कब लौटे?

....

6. क्या हिंदी पढ़ने में आपकी रुचि है?

जी हाँ, ...

7. क्या भारत दर्शन में आपकी रुचि है?

जी हाँ, ...

6. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. राघवन छुट्टियों में कहाँ-कहाँ गया?

....

2. हैदराबाद में इतनी हरियाली कैसे है?

....

3. राघवन को बेंगलूर कैसा लगा और क्यों?

....

4. राघवन ने मैसूर में क्या-क्या देखा?

....

5. श्रीरंगपट्टणम में क्या देखने लायक है?

....

6. राघवन मैसूर से क्या-क्या लाया ?

....

पाठ - 40

1. नीचे दी गई तालिका की सहायता से वाक्य बनाइए।

उन दिनों	मैं रमेश और गोपाल सुधा और विजया श्रीमती सरला हम वे वह	मुंबई में	रहता रहती रहते रहती	था। थी। थे। थीं।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. नमूने के अनुसार कोष्ठक में दी गई क्रियाओं से 'लगा' के रूपों के साथ वाक्य पूरे किजिए।

नमूना: मैं बाज़ार ....। (जाना)

मैं बाज़ार जाने लगा।

1. गोपाल दफ़्तर देर से ....। (आना)

2. हम नई दुकान से सामान ....। (खरीदना)

3. बच्चा ज़ोर से ....। (रोना)

4. शीतल रोज़ सितार ....। (सीखना)

5. मैं तेज़ी से ....। (दौड़ना)

3. नमूने के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं बस से दफ़्तर जाता हूँ। (पहले)

मैं पहले बस से दफ़्तर जाता था।

1. शीला बच्चों के स्कूल में पढ़ाती है। (उन दिनों)

   ....

2. रमेश दिल्ली में नौकरी करता है। (उस समय)

   ....

3. मैं रोज़ देर तक दफ़्तर में बैठती हूँ। (पिछले महीने)

   ....

4. बैठक में बहुत से अधिकारी भाग लेते हैं। (पहले)

   ....

5. क्या श्री महेश भी दफ़्तर देर से आते हैं? (इससे पहले)

   ....

4. नमूने के अनुसार वाक्यों को बदलिए।

नमूना: मैं बाज़ार जाता हूँ और सब्ज़ी खरीदता हूँ।

मैं बाज़ार जाकर सब्ज़ी खरीदता हूँ।

1. कमला नहाती है और पूजा करती है।

   ....

2. राजेश इडली खाता था और कॉफ़ी पीता था।

   ....

3. आप दफ़्तर आइए और मुझसे मिलिए।

....

4. सलीम बंदर को देखता है और हँसता है।

....

5. मैं स्कूल से लौटूँगी और दिन भर खेलूँगी।

....

5. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: गोपाल स्कूल जाता है।

गोपाल स्कूल जाता था।

1. मैं कबड्डी खेलता हूँ।

....

2. यशोदा फल खाती है।

....

3. आप लोग बैडमिंटन खेलते हैं।

....

4. तुम फ़ोटो खींचते हो।

....

5. वह कादम्बनी पढ़ता है।

....

6. प्रश्नोत्तर अभ्यास

(क) **प्रत्येक प्रश्न के 'जी हाँ' और 'जी नहीं' के साथ उत्तर दीजिए।**

1. क्या आप पहले इस दफ़्तर में काम करते थ?

....

....

2. क्या तुम स्कूल में हिंदी पढ़ाते थे?

....

....

3. क्या अय्यर साहब पहले हिंदी फिल्में देखते थे?

....

....

4. क्या आप बचपन में क्रिकेट खेलते थे?

....

....

5. क्या आपका परिवार छुट्टियों में घूमने जाता था?

....

....

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आप पहले कहाँ रहते थे?

....

2. आप इससे पहले कहाँ काम करते थे?

....

3. आप पिछले साल कहाँ पढ़ते थे?

....

4. आप इससे पहले किस होटल में खाना खाते थे?

....

5. आप पहले किस समय दफ़्तर जाते थे?

....

योग्यता-विस्तर

अपने बचपन के बारे में दस-बारह वाक्य बनाइए।

पाठ - 41

1. नीचे दी गई तालिका की सहायता से वाक्य बनाइए।

	मैं			था।
	रमेश और गोपाल			थे।
उन दिनों	गीता और सुधा		रहता	थी।
	वह	बैंगलुरु में		थीं।
	श्रीमती उमा		रहते	है।
इन दिनों	आयंगर साहब			हैं।
	तुम		रहती	हो।
	हम			

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

2. नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना : मनोज क्लब जाता है।

1. मनोज अभी क्लब गया है।

2. मनोज कल क्लब गया था।

1. बच्चे स्कूल से घर लौटते हैं।

....

....

2. वे बाज़ार से सामान लाते हैं।

....

....

3. राधा सब्ज़ी लाती है।

....

....

4. श्रीमती शर्मा दफ़्तर जाती हैं।

....

....

5. आप कैरम खेलते हैं?

....

....

3. नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना : नौकर कल बाज़ार जाएगा।

नौकर कल भी बाज़ार गया था।

1. कोहली जी कल सभा में आएँगे।

....

2. श्रीमती सुशीला अगले साल श्रीनगर से शाल लाएँगी।

....

3. सचिव महोदय परसों मंत्री जी से मिलेंगे।

....

4. निदेशक परसों कार्यशाला में देर से पहुँचेंगी।

....

5. प्रगति मैदान में इस साल भी प्रदर्शनी लगेगी।

....

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं इस बार प्रदर्शनी में नहीं गया।

मैं इस बार प्रदर्शनी में नहीं जा सका।

1. गरिमा इस साल प्रथम नहीं आई।

....

2. कर्ण इस प्रतियोगिता में नहीं आया।

....

3. हम बैठक में समय पर नहीं पहुँचे।

....

4. वे मेले से सामान नहीं लाए।

....

5. उमा आज जल्दी नहीं उठी।

....

5. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कौन से पैवेलियन में इलैक्ट्रानिक सामान मिल रहा था?

....

2. लेखिका ने किस-किस पैवेलियन से क्या-क्या खरीदा?

....

3. बच्चों ने मेले से क्या-क्या खरीदा?

....

4. लेखिका और उसके परिवार ने मेले में क्या खाया?

....

5. जम्मू-कश्मीर के पैवेलियन में क्या-क्या मिल रहा था?

....

6. बेंत का फर्नीचर कहाँ बनता है?

....

योग्यता-विस्तार

आप भारत में कहाँ-कहाँ गए/गई हैं? आपने कौन-कौन से शहर देखे हैं? आठ-दस वाक्य बनाइए।

पाठ - 42

1. नीचे दी गई तालिका की सहायता से वाक्य बनाइए।

मैंने कहा श्रीमती विभा ने पूछा	कि	मैं वह तुम वे आप	स्कूल जाएगा। फ़िल्म जाऊँगा। खाना खाओगे। फ़ाइल देखेंगे। मसौदा प्रस्तुत करेंगी। कितने बजे आएँगे?

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए।

नमूना: मैंने आज का अख़बार ....। (पढ लेना)

मैंने आज का अख़बार पढ़ लिया।

1. आपने पिताजी की चिट्ठी का क्या ....। (जवाब देना)

2. बच्चों ने स्कूल का काम ....। (पूरा करना)

3. साहब ने फ़ाइल ....। (देख लेना)

4. क्या धोबी ने कपड़े ....। (धो लेना)

5. उन्होंने पाठ ....। (पढ़ लेना)

6. हमने गाना ....। (सुन लेना)

7. क्या तुमने खाना ....। (बना लेना)

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं काम नहीं छोड़ूँगा।

मैंने काम नहीं छोड़ा।

1. मैं कुछ नहीं बताऊँगी।

   ....

2. शर्मा जी अपना सामान नहीं बेचेंगे।

   ....

3. आप यह पत्र कब भेजेंगे?

   ....

4. वे इस पत्र का क्या जवाब देंगे?

   ....

5. क्या तुम पार्टी में कुछ नहीं खाओगी?

   ....

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

नूमना: पिताजी ने किसको बुलाया? (नौकर)

पिताजी ने नौकर को बुलाया।

1. अध्यापक ने किसको पढ़ाया? (विद्यार्थी)

   ....

2. माताजी ने बाज़ार में किसको देखा? (लड़कियाँ)

   ....

3. ठेकेदार ने किसे सामान लेने भेजा? (मजदूर)

   ....

4. आपने किसको डाँटा? (बच्चे)

   ....

5. राम ने किसको मारा? (रावण)

   ....

5. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों को भरिए।

(लेना, आना, करना, खरीदना, देखना, बताना, ने, में)

मेरी पत्नी ने एक पर्स पसंद ....। बच्चे ने भी एक खिलौना .... रास्ते .... हम .... कांच का फूलदान ....। वह मुझे बहुत पसंद ....। दुकानदार .... सौ रुपए दाम................। मैंने मोलभाव करके उसे पचास रुपए में खरीद ....।

6. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. बीरबल ने किस फूल को सबसे सुंदर बताया?

   ....

2. पाठ में कौन-सा दूध सर्वश्रेष्ठ बताया गया है?

   ....

3. बीरबल के अनुसार पान के पत्ते की क्या विशेषता है?

   ....

4. संसार में सबसे ज्यादा मिठास किसमें है?

   ....

5. बीरबल ने सर्वश्रेष्ठ राजा किसे माना और क्यों?

   ....

पाठ - 43

1. **नीचे दी गई तालिका की सहायता से दस वाक्य बनाइए।**

मैं		चश्मा	खरीदा।
हम		खिलौने	खरीदे।
शीला	ने	फर्नीचर	खरीदी।
रमेश		माला	खरीदीं।
श्री खान		शालें	
श्रीमती पांडे		मुंबई	गया।
वह	कल	दिल्ली	गए।
वे		पूना	गई।
हम		शिमला	गईं।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: शर्मा जी नई मोटर खरीदेंगे।

शर्मा जी ने नई मोटर खरीदी।

1. आप फिर उसी होटल में खाना खाएँगे।

    ....

2. मैं शाम को हिंदी फ़िल्म देखूँगा।

    ....

3. शीला सबके लिए चाय बनाएगी।

    ....

4. राघव जी अपने कपड़े स्वयं धोएँगे।

    ....

5. बच्चे स्कूल में नाटक खेलेंगे।

    ....

3. नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना: रमेश अख़बार पढ़ता है।

रमेश ने अख़बार पढ़ा।

1. श्री अनूप शर्मा व्यायाम करते हैं।

    ....

2. श्रीमती दीपा हिंदी पढ़ाती हैं।

    ....

3. वे जर्मन सीखते हैं।

    ....

4. वह दोसा बनाती है।

    ....

5. तुम तमिल फ़िल्में देखते हो।

   ....

6. आप घर की सफ़ाई करती हैं।

   ....

4. रिक्त स्थान भरिए।

1. हमने मेले में साड़ियाँ .... । (खरीदना)
2. तुमने जयपुर में क्या-क्या .... ? (देखना)
3. नीता ने बैंक से 2000 रुपए .... । (निकालना)
4. अनिल ने अग्रवाल स्वीट्स से मिठाई .... । (खरीदना)
5. उन्होंने हिंदी दिवस पर भाषण ....। (देना)
6. लड़कियों ने खाना .... । (बनाना)
7. साहब ने पत्र पर हस्ताक्षर .... । (कर देना)
8. क्या मेहमानों ने खाना .... । (खा लेना)
9. बच्चों ने स्कूल का काम पूरा .... । (कर लेना)

5. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लेखक और उसके परिवार ने नाश्ते में क्या-क्या खाया?

   ....

2. लेखक ने जयपुर में क्या-क्या देखा?

   ....

3. राजपूतों की क्या विशेषता है?

   ....

4. लेखक, उनकी पत्नी तथा बच्चों ने 'बड़े बाज़ार' से क्या-क्या खरीदा?

   ....

5. राजस्थान को पहले किस नाम से जाना जाता था?

....

योग्यता-विस्तार

अपनी पिछली यात्रा में आपने क्या-क्या देखा/खरीदा/खाया-पिया, कहाँ-कहाँ घूमे, कहाँ, कितने दिन ठहरे। इस संदर्भ में आठ-दस वाक्य बनाइए।

पाठ - 44

1. नीचे दी गई तालिका की सहायता से दस-दस वाक्य बनाइए।

(क)

मैं		ताजमहल	
हम		कुतुबमीनार	देख लिया है।
रमेश		फ़िल्म	देख ली है।
शिल्पा जी		तिरुपति का मंदिर	
सुषमा	ने	विक्टोरिया पैलेस	
श्री रमेश		किताब	पढ़ ली है।
तुम		उपन्यास	पढ़ लिया है।
वह		कविता	
वे		पाठ	
आप		कहानी	

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

(ख)

मैं	इडली	पढ़	चुके हो।
हम	फ़िल्म	लिख	चुका हूँ।
तुम	किताब	खा	
आप	गाना	देख	चुके हैं।
श्री जगताप	उपन्यास	ले	चुकी हैं।
श्रीमती उमा	कक्षा	पढा	
सुधा	कार्यशाला	बन	चुका है।
अशोक	अधिकारी	सुन	चुकी है।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

3. नमूने के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को बदलिए।

नमूना: राम ने फ़िल्म देखी है।

राम फ़िल्म देख चुका है।

1. उन्होंने यह कविता पढ़ी है। ....

2. बच्चों ने खाना खा लिया है। ....

3. राधा ने साड़ियाँ खरीद ली हैं। ....

4. हमने काम निपटा दिया है। ....

5. मजदूरों ने दीवारें पेंट कर दी हैं। ....

4. प्रश्नों के उत्तर नमूने के अनुसार दीजिए।

नमूना: क्या आपने चाय पी ली है?

1. जी हाँ, मैं चाय पी चुका हूँ।
2. जी नहीं, मैंने चाय नहीं पी।

1. क्या सब मेहमान आ गए हैं?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

2. क्या आपने फ़ाइल देख ली है?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

3. क्या माता जी ने खाना बना लिया है?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

4. क्या आपकी पत्नी ने स्वेटर पूरा कर लिया है?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

5. क्या सभी लोगों ने खाना खा लिया है?

1. जी हाँ, ...

2. जी नहीं, ...

5. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं खाना खा चुका हूँ।

मैंने खाना खा लिया है।

1. सुरेश पत्र भेजा चुका है।

....

2. पिता जी अख़बार पढ़ चुके हैं।

....

3. रमेश की माता जी स्वेटर बुन चुकी हैं।

....

4. मंत्री महोदय फ़ाइल देख चुके हैं।

....

5. मैं सारी फाइलें निपटा चुका हूँ।

....

6. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. रामदीन पटेल का घर कहाँ है?

....

2. नीम के पेड़ के नीचे कौन तीन महिलाएँ बैठी थीं?

....

3. सुशीला ने किस महिला को घर आने का निमंत्रण दिया?

....

4. सुशीला की सास किसे बुलाना चाहती थी?

....

5. सुशीला ने शांति को ही भोजन का निमंत्रण क्यों दिया?

....

योग्यता-विस्तार

घर में शादी है। कौन-कौन/क्या-क्या काम कर चुके हैं/कर लिया है। इस पर आठ-दस वाक्य बनाइए।

पाठ - 45

1. वाक्य संयोजकों को ध्यान में रखकर सही जोड़े बनाइए।

1.	जब मैं बाहर आई	वह कोडॅक का है।
2.	दुकानें तभी खुलती हैं	वहाँ कोई बस नहीं आती।
3.	उसी को अच्छे अंक मिलते हैं	तब लोग पहाड़ों पर जाते हैं।
4.	मैं बाहर आ गई थी	उस तरह अन्य जीव नहीं तैर सकते।
5.	जैसे मैं काम करता हूँ	जो परिश्रम करता है।
6.	जब गर्मी पड़ती है	तब बारिश होने लगी।
7.	जिस तरह मछली तैरती है	वैसे ही बच्चे कक्षा में चले गए।
8.	मेरे पास जो कैमरा है	क्योंकि फ़िल्म खत्म हो गई थी।
9.	जैसे ही घंटी बजी	वैसे तुम नहीं कर सकते।
10.	हम जहाँ रहते हैं	जब नौ बजते हैं।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. संयोजकों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

(जब-तब, जो-वह, जहाँ-वहाँ, जिस तरह-उस तरह)

1. वह लड़की गा रही है। वह लड़की मेरी बेटी है।

   ....

2. मैं दिल्ली गया था। मैंने इंडिया गेट देखा था।

   ....

3. वह व्यक्ति प्रथम आएगा। वह व्यक्ति पुरस्कार पाएगा।

   ....

4. सात बजते हैं। स्कुल खुलते हैं।

   ....

5. मदुरै में मेरा मकान है। मीनाक्षी मंदिर भी है।

   ....

6. अवर सचिव निदेश देंगे। सहायक मसौदा बनाएगा।

   ....

7. माता जी कहेंगी। नौकर काम करेगा।

   ....

3. कोष्ठक में दिए गए संकेत के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यहाँ कालेज कहाँ है? (जहाँ बस स्टैंड है)

   ....

2. जयराम की दुकान कौन-सी है? (जो होटल के पीछे है)

   ....

3. आपने यह किताब कब खरीदी है? (जब बनारस गया था)

   ....

4. निदेशालय कहाँ है? (जहाँ नागरी प्रचार सभा है)

....

5. इस काम का निपटान किस प्रकार होगा। (जिस प्रकार निदेशक आदेश देंगे)

....

4. नमूने के अनुसार शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

नमूना: लुहार-लोहे की चीज़ें बनाना

जो लोहे की चीज़ें बनाता है, उसे लुहार कहते हैं।

1. ड्राइवर - वाहन चलाना

....

2. बढ़ई - लकड़ी की चीज़ें बनाना

....

3. दुकानदार - दुकान चलाना/चीज़ें बेचना

....

4. पायलट - हवाई जहाज उड़ाना

....

5. राज - मिस्त्री-घर बनाना

....

6. सुनार - सोने के गहने बनाना

....

5. नमूने के अनुसार वाक्य पूरे कीजिए।

(क) नमूना: मैं तभी बोलूँगा जब अध्यक्ष ....। (कहना)

मैं तभी बोलूँगा जब अध्यक्ष कहेंगे।

1. हम तभी घर जाएँगे जब भाषण खत्म .... । (होना)

2. सब लोग तभी खाना खाएँगे जब आप शुरू .... । (करना)

3. बच्चे तभी अंदर जाएँगे जब घंटी .... । (बजना)

4. श्रीमती राधा तभी फ़िल्म देखेंगी जब टिकट .... । (मिलना)

(ख) नमूना: वही अच्छे अंक पाएगा जो ठीक से .... । (पढ़ना)

वही अच्छे अंक पाएगा जो ठीक से पढ़ेगा।

1. वे ही कर्मचारी पदोन्नति पाएंगे जो मेहनत .... । (करना)
2. मुझे वही हार चाहिए जो उसने .... । (पहनना)
3. तुम वही काम करो जो लोगों को अच्छा .... । (लगना)
4. राम वही प्रश्न याद करेगा जो परीक्षा में ....। (आना)
5. शीला वही बनाएगी जो आपको पसंद ....। (होना)

6. पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

1. जब फसल कटती है तो किसान क्या करते हैं?

   ....

2. लोग खुशियाँ कब मनाते हैं?

   ....

3. कौन गरीबों को दान देते हैं?

   ....

4. होली का त्योहार कब आता है?

   ....

5. त्योहार जीवन में नवीनता कैसे लाते हैं?

   ....

6. त्योहारों की विशेषताएँ बताइए।

   ....

योग्यता विस्तार

कक्षा में अपने अन्य साथियों का परिचय दीजिए। जैसे:-

जो मेरे पीछे बैठे हैं ....

जहाँ वे रहते हैं ....

पाठ - 46

1. नमूने के अनुसार वाक्यों को बदलिए।

नमूना: कोलकाता जितना बड़ा शहर है उतना चेन्नै नहीं है।

कोलकाता चेन्नै से बड़ा शहर है।

1. गणेश जितना काम करता है उतना दिनेश नहीं करता।

   ....

.

2. गंगा नदी जितनी लंबी है उतनी कावेरी नहीं।

   ....

3. श्री रामन जितने पत्र लिखते हैं उतने श्री मेनन नहीं लिखते।

   ....

4. यहाँ से जितना नजदीक मेरा कार्यालय है उतना आपका नहीं।

   ....

5. दर्ज़ी जितने कपड़े सीता है उतने हम नहीं सी सकते।

   ....

2. नमूने के अनुसार वाक्यों का विस्तार करके लिखिए।

नमूना: शेर एक खूँखार जानवर है।

जितना खूँखार शेर है उतना और कोई जानवर नहीं है।

1. कोडै केनाल रमणीय पर्यटन केंद्र है।

   ....

2. ऐश्वर्या रॉय खूबसूरत महिला है।

   ....

3. कालीदास संस्कृत के महान कवि थे।

   ....

4. चीन की दीवार संसार की सबसे लंबी दीवार है।

....

5. भारत में जामा मस्जिद सबसे बड़ी मस्जिद है।

....

6. एवरेस्ट संसार की सबसे ऊँची चोटी है।

....

3. रूपांतरण अभ्यास

नमूना : बच्चे बड़े होंगे। सब बातें समझेंगे।

जैसे जैसे बच्चे बड़े होंगे वैसे-वैसे सब बातें समझेंगे।

1. हम ऊँचाई पर जाएँगे। ऑक्सीजन कम हो जाएगी।

....

2. रमेश दवाई खाएगा। वह स्वस्थ हो जाएगा।

....

3. देश में साक्षरता बढ़ेगी। देश उन्नति करेगा।

....

4. उद्योग धंधे खुलेंगे। लोगों को काम मिलेगा।

....

5. वाहनों की संख्या कम होगी। प्रदूषण कम होगा।

....

6. पेड़ों की संख्या बढ़ेगी। पर्यावरण शुद्ध होगा।

....

4. कोष्ठक में दिए गए संकेत के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आपका घर दफ़्तर से कितनी दूर है? (जितनी दूर आपका घर है)

....

2. आपको अतिरिक्त कर्मचारियों की जरूरत कब होगी? (जैसे-जैसे काम बढ़ेगा)

....

3. कूलर और ए॰सी॰ की जरूरत कब होगी ? (जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी)

....

4. आपको इस काम का कितना अनुभव है ?(जितना इस पद के लिए जरूरी है)

....

5. आप कब घर लौटते हैं ? (जब दफ़्तर बंद होता है)

....

5. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भारत के पड़ोसी देश कौन-कौन से हैं?

....

2. भारत में कितने राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं?

....

3. भारत तीन तरफ से किससे घिरा हुआ है?

....

4. भारत में कौन-कौन से धर्मों के लोग रहते हैं?

....

5. भारत में क्षेत्रफल की दृष्टि से कौन-सा राज्य सबसे बड़ा है?

....

6. भारत में लगभग कितनी भाषाएँ बोली जाती हैं ?

....

पाठ - 47

1. नीचे दी गई तालिका के आधार पर दस वाक्य बनाइए।

मेरा सुझाव है कि	हम	अनुभाग में		रहें।
	वह	होटल में		
	आप	दिल्ली में		
मेरा ख्याल है कि	तुम	घर पर	ही	रहो।
	शीला	स्टेशन पर		
	बच्चे			
	महिलाएँ			रहे।
	उप सचिव			

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: आप कल कार्यालय जाइए।

मेरा सुझाव है कि आप कल कार्यालय जाएँ।

1. कल इस संबंध में बैठक बुलाइए।

   ....

2. अनुभाग की वर्क-स्टडी के लिए लिखिए।

   ....

3. इस समय नया काम न लीजिए।

   ....

4. राम के स्थान पर उसकी नियुक्ति कीजिए।

   ....

5. अनुभाग के दो व्यक्तियों को जाने दीजिए।

   ....

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: फूल तोड़ना मना है।

फूल न तोड़ें।

1. बातें करना अच्छा नहीं है।

   ....

2. सिगरेट पीना बुरी बात है।

   ....

3. कार्यालय में देर से आना ठीक नहीं है।

   ....

4. बड़ों का निरादर नहीं करना चाहिए।

   ....

5. पेड़ काटना ठीक नहीं है।

   ....

6. बिजली-पानी का दुरुपयोग करना ठीक नहीं है।

   ....

4. कोष्ठक में दिए गए संकेत के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क्या आप स्टाफ बढ़ाने की माँग करेंगे? (मेरा सुझाव है कि ....)

   ....

2. क्या उनके स्थान पर दो अतिरिक्त व्यक्ति तैनात करेंगे? (क्यों न हम ......)

   ....

3. क्या आप संयुक्त सचिव के पास जाएँगे? (मेरी मानें तो ....)

   ....

4. क्या आप कल बैठक बुलाएँगे? (अच्छा हो ....)

   ....

5. क्या वह प्रशासन से अनुरोध करेगा? (मैं चाहता हूँ कि ....)

   ....

5. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. औद्योगिक क्रांति के बाद हमारा जीवन कैसा हो गया है?

   ....

2. स्वस्थ एवं खुशहाल माहौल बनाए रखने के लिए हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

   ....

3. अपने साथियों तथा अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

   ....

4. सरकारी कर्मचारियों में क्या विशेषता होनी चाहिए?

....

5. दफ़्तर के काम को सुचारू रूप से चलाने के लिए हमारी सोच कैसी होनी चाहिए?

....

योग्यता विस्तार

अपने कार्यालय के वार्षिक समारोह के बारे में दस-बारह वाक्यों में सुझाव दीजिए। जैसे:-

मैं चाहता हूँ मेरा सुझाव है मेरा अनुरोध है मेरा विचार है	कि	समारोह लॉन में करें। समारोह शाम को करें।

पाठ - 48

1. नीचे दी गई तालिका के आधार पर दस वाक्य बनाइए।

मैं आप तुम वह हम आप लोग	को	जाना रुकना आना लिखना पढ़ना	है। होगा। पड़ा।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

2. रूपांतरण अभ्यास:

(क) नमूना: मुझे बैठक का इंतज़ाम करना था।

मैंने बैठक का इंतज़ाम नहीं किया।

1. उप सचिव को पुणे दौरे पर जाना था।

....

2. सहायक निदेशक को श्रीनगर में हिंदी कक्षाओं का आयोजन करना था।

....

3. न्यायाधीश को सुप्रीम कोर्ट का निर्णय पढ़ना था।

....

4. श्री कमलेश्वर जी को एक उपन्यास लिखना था।

....

5. मुझे कल ही दिल्ली लौटना था।

....

(ख) **नमूना:** तुम टंकण नहीं करते हो।

तुम्हें टंकण करना होगा।

1. हम लोग वृक्षारोपण नहीं करते हैं।

....

2. लोग पर्यावरण को स्वच्छ नहीं रखते हैं।

....।....

3. कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं आते हैं।

....

4. आप दौरे पर नहीं जाते।

....

5. बच्चे समय पर नहीं उठते।

....

(ग) **नमूना:** कार्यालय में अनुशासन का पालन करना होगा।

कार्यालय में अनुशासन का पालन करना है।

1. मुझे आवश्यक कार्य से छुट्टी लेनी होगी।

....

2. सचिव को इस दिशा में नई नीति बनानी होगी।
   ....

3. श्री दास को सात दिनों के अंदर स्पष्टीकरण देना होगा।
   ....

4. उन्हें समय पर काम निपटाना होगा।
   ....

5. अनुमोदन के लिए मिसिल मंत्री महोदय को भेजनी होगी।
   ....

3. नीचे दी गई क्रियाओं से रिक्त स्थान भरिए ।

(पड़ना, होना, जाना)

1. आज मुझे बाज़ार ....है।
2. ड्राइवर के न आने के कारण शीला को कार चलानी ....।
3. सरला को बीमार को देखने के लिए अस्पताल जाना ....।
4. निदेशक महोदय को बैठक में भाग लेना ....।
5. सहायक को आज ही टिप्पणी प्रस्तुत करनी ....।
6. मुख्यालय छोड़ने से पहले इजाज़त लेनी ....।

योग्यता विस्तार

शाम के कार्यक्रमों की योजना के संदर्भ में आठ-दस वाक्य लिखिए। जैसे:- मुझे बाज़ार जाना है, कपड़े लेने हैं फिर अस्पताल जाना है, डाक्टर से मिलना है आदि।

अंग्रेजी शब्दों का देवनागरी लिपि में लेखन अभ्यास

किसी भी भाषा के विकास, विस्तार और समृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि वह अन्य समृद्ध भाषाओं के प्रचलित शब्दों को अपने में शामिल कर अपना शब्द भंडार बढ़ाए। विश्व की अनेक भाषाओं में दूसरी भाषाओं के ऐसे बहुत से शब्द सम्मिलित कर लिए गए हैं। हिंदी में भी अंग्रेजी भाषा के अनेक ऐसे शब्द हैं जो बहुत सहजता से घुल-मिल गए हैं और जिन्हें लगभग सभी प्रमुख भारतीय भाषा-भाषी चाहे वे अधिक पढ़े-लिखे न भी हों इन्हें समझते व उनका प्रयोग करते हैं। ऐसे शब्दों को क्षेत्रीय भाषाओं की अपनी-अपनी लिपि में लिखा जाता है। जैसे देवनागरी लिपि में School-स्कूल, Station-स्टेशन, Rail-रेल, Telephone-टेलीफोन, Film-फिल्म, Cup-कप, Cinema-सिनेमा, Plate-प्लेट आदि।

इसी प्रकार के कुछ प्रमुख अंग्रेजी शब्दों का प्रबोध पाठमाला में प्रयोग किया गया है। ऐसे ही रोमन लिपि में लिखे कुछ अंग्रेजी शब्दों की सूची देवनागरी लिपि में अभ्यास के लिए नीचे दी जा रही है।

Agreement	=	College	=
Asia	=	Commentary	=
Advance	=	Cyber city	=
Authority	=	Colony	=
Allotment	=	Century	=
Annual	=	Conference	=
Balance	=	Chemical	=
Bill	=	Department	=
Bank	=	Driving	=
Bouncer	=	Dispensary	=
Bonus	=	Drawing room	=
Computer	=	Director	=
Canteen	=	Duty	=

Deputation	=	Light	=
Engineer	=	Level	=
Earned Leave	=	Labour	=
Environment	=	Lien	=
Furniture	=	Meeting	=
Fridge	=	Medium	=
Film	=	Model	=
Festival	=	Maximum	=
File	=	Museum	=
Flats	=	National	=
Government	=	Noting	=
Guarantee	=	Number	=
Glucose	=	Northern	=
Human	=	Normal	=
High	=	Overtime	=
Ice Cream	=	Outing	=
Increment	=	Order	=
Information	=	Ordinance	=
Income tax	=	Official	=
Join	=	Practical	=
Junior	=	Programme	=
Judgement	=	Posting	=
Justice	=	Property	=
Lift	=	Pay Fixation	=

Permission =		Speech =	
Public =		Staff =	
Problem =		Sanction =	
Picnic =		Statement =	
Pavilion =		Training =	
Quarter =		Taxi =	
Quotation =		Travel =	
Query =		Typing =	
Recover =		Teaching =	
Region =		Technology =	
Register =		University =	
Revenue =		Union =	
Receipt =		Universal =	
Reservation =		Uniform =	
Railway =		Vitamin =	
Station =		Van =	
Screen =		Village =	
Shooting =		Visit =	
Shorthand =		Writing =	
Stadium =		Watch =	
Studio =		X ray =	
Stethoscope =		X mas =	
Southern =			

आवेदन पत्र का अभ्यास

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

आवेदन पत्र का अभ्यास

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सारांश लेखन

पाँच प्रश्न

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

जयपुर की सैर

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

आतिथ्य

भारत देश

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

बिहू

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

हिंदी का महत्व

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

भारतीय लिपियों का तुलनात्मक चार्ट